नीलू प्रिंटिंग प्रेस
हर प्रकार की वेब ऑफसेट एवं रंगीन व बहुरंगीन प्रिंटिंग के लिए नोएडा में एक मात्र स्थान
ई-33, सेक्टर-7 नोएडा (यूपी)
फोन नं. : 9811157562

फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र
भेदी नज़र
संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)
ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com
फरीदाबाद, मंगलवार 8 सितंबर 2026
दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश को प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है
1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेंट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी
सम्पर्क करें- 9811157562
समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 16 अंक : 248 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश बोले-12 घंटे में मस्जिद गिराने की क्या जल्दी थी

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार दोपहर लखनऊ के प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान यूपी की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि सहारनपुर में 12 घंटे के अंदर मस्जिद गिरा दी गई, इतनी भी क्या जल्दी थी। सरकार बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए 'पॉलिटिकल मेकअप' पर जनता का पैसा पानी की तरह बहा रही। अखिलेश ने कहा कि जो समाज में अच्छाई फैलाए, वही असली एआई (एआई) है। इसका इस्तेमाल सिर्फ अच्छे कामों के लिए होना चाहिए। जो लोग विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए नहीं। एआई से फर्जी वीडियो बनाएंगे, तो याद रखें कि वीडियो यहां से भी तैयार किया जा सकता है।

गुवाहाटी में पति ने पत्नी का सिर काटकर फ्रिज में रखा

दोनों हाथों की उंगलियां भी काटी

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के गुवाहाटी से एक युवक ने शादी के कुछ ही महीनों बाद पत्नी की क्रूर हत्या कर दी। आरोपी पति ने पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया और उसके दोनों हाथों की उंगलियां भी काट दीं। हत्या के बाद पति फरार हो गया। मामले का खुलासा रविवार को तब हुआ जब, पड़ोसियों को घर से तेज बदबू आने लगी। शिकायत के बाद पुलिस अपार्टमेंट में पहुंची, पुलिस ने जब फ्लैट का ताला तोड़ा, तो कमरे में महिला का धड़ मिला। कमरे की तलाशी लेने पर फ्रिज में सिर मिला। महिला के दोनों हाथों की उंगलियां भी आधी कटी हुई थीं और शरीर सड़ना शुरू हो गया था।

36 हजार फीट पर प्लेन का ऑयल प्रेशर कम हुआ

नईदिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण एक इंजन के सहारे कोच्चि लौटना पड़ा और यहां इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। मीडिया सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बोइंग 737 विमान अबू धाबी जा रहा था। करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद पायलट ने इसके एक इंजन में ऑयल प्रेशर कम पाया। तब यह 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था। इंजन में ऑयल खतरनाक स्तर तक कम हो गया, तब दोनों पायलट ने इसे बंद करने का फैसला किया। वे एक इंजन सहारे ही कोच्चि लौटे। चूंकि विमान ने करीब दो घंटे की ही उड़ान भरी थी इसलिए इसमें फ्यूल ज्यादा था। ऐसे में यह ओवरवेट लैंडिंग थी, जो और भी जोखिम भरी होती है।
एअर इंडिया ने कहा, 'एक हफ्ते पहले हमारी कोच्चि–अबू धाबी की एक फ्लाइट ने तय सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत वापस कोच्चि लौटने का फैसला किया था।

मछलियों में फैल रहे एक दुर्लभ कैंसर ने बढ़ाई वैज्ञानिकों की चिंता

क्या इंसानों में भी फैल सकता है यह कैंसर?

नईदिल्ली (एजेंसी)। वैज्ञानिकों ने ब्राउन बुलहेड कैटफिश में दुनिया का पहला ऐसा कैंसर खोजा है जो एक जीव से दूसरे जीव में फैल सकता है। नेचर जर्नल में छपी रिसर्च के अनुसार, यह कैंसर मेलेनोमा (स्किन कैंसर) का एक प्रकार है जो अमेरिका-कनाडा बॉर्डर पर मौजूद एक झील की मछलियों में फैल रहा है। वैज्ञानिकों ने इस बात की पुष्टि की है कि नॉर्थ अमेरिकन ब्राउन बुलहेड कैटफिश में कैंसर सेल्स एक मछली से दूसरी मछली में फैल रहे हैं। नेचर में छपी यह स्टडी मीठे पानी के इकोसिस्टम में पाया गया पहला और जंगली जीवों में पाया गया चौथा ऐसा कैंसर है जो एक जीव से दूसरे जीव में फैल सकता है।
आम कैंसर जो किसी इंसान के अपने सेल्स से होते हैं, उनसे अलग, फैलने वाले कैंसर लगभग पैरासाइट की तरह काम करते हैं. कैंसर सेल्स एक होस्ट को छोड़कर दूसरे पर हमला करते हैं और बढ़ते रहते हैं। ऐसे कैंसर नेचर में बहुत कम होते हैं और पहले सिर्फ कुत्तों, तस्मानियन डेविल्स और कुछ शेलफिश स्पीशीज में ही रिपोर्ट किए गए थे। हालांकि, कैटफिश में यह खोज जानवरों में पहचाने गए नेचुरली होने वाले फैलने वाले कैंसर का सिर्फ चौथा मामला है। इस खोज ने सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े एक अहम सवाल को फिर से

खड़ा कर दिया है, क्या इस तरह का कैंसर इंसानों में भी फैल सकता है? वैज्ञानिकों का जवाब है नहीं, इंसानों में कैंसर छूने, खाना शेयर करने, मरीज की देखभाल करने, खांसने या किसी भी तरह के रेगुलर सोशल कॉन्टैक्ट से नहीं फैलता है। हमारा इम्यून सिस्टम बाहरी सेल्स को पहचानने और खत्म करने के लिए बना है, जिसमें दूसरे इंसान के कैंसर सेल्स भी शामिल हैं। इसके अलावा, लोगों के बीच जेनेटिक अंतर मजबूत बायोलॉजिकल रुकावटें बनाते हैं जो ऐसे सेल्स को नए होस्ट में जिंदा रहने से रोकते हैं। इसके अलावा, यह ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) और हेपेटाइटिस बी जैसे संक्रमणों से जुड़े कैंसर से बहुत अलग है। एचपीवी और हेपेटाइटिस बी जैसे वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकते हैं। इन वायरस से होने वाला कैंसर संक्रामक नहीं होता है. यह कैंसर दूसरे व्यक्ति को नहीं होता है। समय के साथ, ये संक्रमण कुछ कैंसर के खतरे को बढ़ा सकते हैं, जैसे गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, कुछ सिर और गर्दन के कैंसर और लिवर कैंसर।
आज भी भारत में कैंसर से जुड़े कई मिथक, अंधविश्वास और सामाजिक कलंक मौजूद हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस खोज को सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के बजाय एक वैज्ञानिक सफलता के रूप में देखा जाना चाहिए। यह अध्ययन शोधकर्ताओं को कैंसर के विकास और उस पर प्रतिरक्षा प्रणाली की प्रतिक्रिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है, लेकिन यह इस तथ्य को नहीं बदलता है कि कैंसर मनुष्यों में एक गैर-संचारी रोग है।

मप्र-सागर में जहरीली शराब मामला

तीन और मरीजों की मौत

● अब तक 22 मौतों का दावा, आंकड़ों पर प्रशासन मौन ● 112 की हालत बिगड़ी, सागर-भोपाल में भर्ती; शराब ठेकेदार समेत 30 पर केस, 10 गिरफ्तार

भोपाल/सागर (एजेंसी)। सागर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। मरने वालों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। 112 लोग ऐसे हैं, जिनकी जहरीली शराब पीने से हालत बिगड़ी है। उन्हें सागर और भोपाल के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में शराब बेचने वाले ठेकेदार समेत 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 10 को अरेस्ट कर लिया गया है। सोमवार सुबह महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50) और कृष्ण कुमार लोधी ने दम तोड़ा। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार देर रात को मौत हुई थी। उनके पिता

गोविंद लोधी ने भी रविवार को दम तोड़ दिया था। रामप्रसाद का छोटा भाई भूरे लोधी सागर में भर्ती है।वहीं, दोपहर में गूगरा खुर्द निवासी भगवान सिंह (35), खटोरा निवासी गोपाल आदिवासी (40) और देश कुमार लोधी, निवासी मुड़ना पैरा की भी मौत हुई है।
परिजन बोले- शराब पीने के बाद बिगड़ी तबीयत- जहरीली शराब से मरने वाले महेश के भतीजे श्रवण कुमार रावत ने बताया कि चाचा ने कल शाम को शराब पी थी, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी थी।

एक शख्स ने पूछा था- जहरीली शराब तो नहीं है

बंडा थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, फरियादी अनूप सिंह लोधी ने बताया कि उसके गांव में करीब 8 लोग अवैध रूप से शराब बेचते हैं। 4 सितंबर को वह अपने भतीजे राजेंद्र लोधी के साथ जुझार लोधी की दुकान पर गया था। जुझार ने बताया कि बरेठी के लाइसेंसी शराब ठेकेदार यशवंत सिंह, मनीष लोधी और बंडा निवासी आशीष साहू ने आकाश राय, रहीम खान, सत्यम, आशाराम, अरविंद, रविंद्र, रोहित, अनिकेत गंधर्व और माखन के माध्यम से अपनी गाड़ी से नया सस्ता ब्रांड भेजा है। उसने कहा कि यह शराब दुकान से 20 रुपए सस्ती मिलेगी।

दिल्ली 5 मंजिला बिल्डिंग हादसा

अब तक 7 मौतें, मालिक राजस्थान से हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू टीम ने सोमवार सुबह मलबे से एक और शव निकाला। उधर 12 लोगों को बचाया गया है। इनमें 5 की हालत गंभीर है। अभी भी कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू डॉग और कैमरे के सहायता से लोगों की तलाश की जा रही है।

सत्य निकेतन की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, एमसीडी- और डीयू जिम्मेदार: हाईकोर्ट

दिल्ली हाईकोर्टदिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में हुए दर्दनाक इमारत हादसे पर दिल्ली हाई कोर्ट ने गहरी नाराजगी और दुख जताया है। अदालत ने सोमवार को इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि इसके लिए केवल इमारत के मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली

विश्वविद्यालय (डीयू) भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। गौरतलब है कि रविवार को हुए इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

स्वच्छता वायु सर्वेक्षण 2026 में लखनऊ ने बाजी मारी, इंदौर को पछाड़ा

टॉप 5 में मप्र रहा, 21वें स्थान पर दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस बार के नतीजों में यूपी की राजधानी लखनऊ ने बाजी मार ली है। वहीं, एमपी के इंदौर ने दूसरा और जबलपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है।
इस श्रेणी में देश की राजधानी दिल्ली 172 अंकों के साथ 21वें स्थान पर और मुंबई 160.8 अंकों के साथ 28वें स्थान पर रही। वहीं छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने 189 अंकों के साथ छठा स्थान प्राप्त किया है। दुर्ग-भिलाई 175.3 अंकों के साथ 17वें स्थान पर रहा।
10 लाख से अधिक आबादी वाले टॉप-5 शहर- केटेगरी-फर्स्ट- जिसमें 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर शामिल हैं, उसमें यूपी की राजधानी लखनऊ को पहला स्थान, एमपी के इंदौर को दूसरा स्थान, जबलपुर को तीसरा, भोपाल और आगरा को संयुक्त रूप से चौथा और गुजरात के सूरत को पांचवा स्थान मिला है।
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)- 198 अंक (रैंक 1)
इंदौर (मध्य प्रदेश)- 197 अंक (रैंक 2)
जबलपुर (मध्य प्रदेश)- 195 अंक (रैंक 3)
भोपाल (मध्य प्रदेश) / आगरा (उत्तर प्रदेश)- 192 अंक (संयुक्त रूप से रैंक 4)
सूरत (गुजरात)- 191 अंक (रैंक 5)
कैटेगरी-सेकेण्ड- 3 से 10 लाख तक की आबादी वाले शहर- केटेगरी-सेकेण्ड- जिसमें 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहर हैं, में ओडिशा के राउरकेला ने 198.5 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर फिरोजाबाद और गुंटूर 195 अंकों के साथ रहे। इस केटेगरी में छत्तीसगढ़ के कोरबा ने 186.5 अंकों के साथ 10वां स्थान हासिल किया है।

बहू ने नौकर से कराई करोड़पति ससुर की हत्या

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में करोड़पति दवा करोबारी विनीत मिनोचा (63) की हत्या उनकी 30 साल की इकलौती बहू ने कराई थी। हत्यारोपी नौकर के कबूलनामे के बाद पुलिस ने कारोबारी की बहू शालू को हिरासत में ले लिया। पहले वह पुलिस को गुमराह करती रही। फिर सख्ती करने के बाद उसने अपना जुर्म कबूल लिया। पूछताछ में बहू ने रोते हुए कहा- करोड़पति परिवार की बहू होने के बाद भी मेरे और पति के खर्च पर ससुर का पूरा नियंत्रण था। कर्मचारियों की तरह हर महीने तय रकम मिलती थी। छोटे-छोटे खर्चों के लिए भी ससुर से पैसे मांगने पड़ते थे। इसलिए उसे रास्ते से हटाने के लिए नौकर विशाल (30) को सुपारी दे दी। पुलिस ने शालू की कॉल डिटेल भी निकालवाई है। पता कर रही है कि विशाल और शालू के बीच हत्या वाले दिन कितनी बार बात हुई।

एक्सप्रेस-वे पर टक्कर से पलटी पिकअप, कई मीटर घिसटी, 19 घायल

बागपत में 13 श्रद्धालुओं की मौत, 30-मीटर तक बिखरीं थीं लाशें

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप टक्कर के बाद पलट गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 पुरुष, 3 महिलाएं, 3 बच्चे हैं। 19 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। पिकअप में 32 श्रद्धालु सवार थे। ये राजस्थान के बागड़ धाम (गोगामेड़ी) से बदायूं लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 1 बजे पिकअप को तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। फिर घिसटते हुए सड़क के बीचों-बीच पलट गई। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा इतना भयावह था कि लाशें 30 मीटर दूर तक बिखर गई। चीख-पुकार मच गई।

धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। लोगों ने एक्सप्रेस-वे पर पड़े घायलों को सड़क किनारे किया। फिर पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसा जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र में बसी और बड़ा गांव के बीच हुआ।

राजस्थान में दर्शन करने के बाद अपने घर बदायूं लौट रहे थे

हादसे में घायल कुंवरपाल ने बताया- हम सभी बदायूं के अल्लापुर चमारी गांव के रहने वाले थे। सभी बागड़ धाम से लौट रहे थे। रात के समय गाड़ी में सो रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ गाड़ी पलट गई। ड्राइवर ने बताया कि पीछे से आ रहे वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी है। बागड़ धाम यात्रा उत्तर भारत की प्रसिद्ध धार्मिक यात्रा है। श्रद्धालु राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित 'गोगामेड़ी' (बागड़ धाम) के लिए जाते हैं। यहां जाहरवीर बाबा गोगा जी महाराज (गोगा नाथ जी) का समाधि स्थल है। अगस्त–सितंबर में यहां लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं। हादसे में मरने वालों में साधु (60), उसकी पत्नी मुन्नी देवी (55) और भाई प्रेम सिंह (40 की मौत हो गई। इसके अलावा गांव के ही सुगड़पाल (40), रामेश्वर यादव (60), जितेंद्र (7), प्रेमवती (50), दीक्षा (2), भानुमति (52), विकास (32), मूर्ति (35), सौरव (4) और 45 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं।

DEV MEDICARE CHEMIST
Your Trusted Medical Store
SECTOR 7, FARIDABAD
Allopaathic & Ayurvedic Medicine
BP & sugar Mechines, Thermometers, Oximeters
DISCOUNT ON VARIOUS MEDICINES
Surgical Items, Baby Products, Health Supplements
Wide Range of Cosmetics
ORDER NOW - 9650518651 (Call/Whatsapp)
Hours: 8 AM to 10 PM
100% Genuine Medicines
Experienced Staff

SINCE 2007
TARUN JEWELLERS
TODAY BIS HALLMARK
92% Gold Rate
₹1,36,600/-
Making Charges 8% | 100% BUY BACK EXCHANGE
पिछले 19 वर्षो से हमारी दुकान एक ही स्थान पर हैं।
इसके अलावा हमारी कोई दूसरी ब्रांच नहीं हैं।
Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt, FBD
0129-3668332, 9990032657

अभियान तहत 197 गिरफ्तार, 84 पीओ/बेल जंपर पर कार्रवाई, 46 गुमशुदा परिजनों से मिलाए

फरीदाबाद। भेदी नजर,सुनील कुमार जांगड़ा, अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से फरीदाबाद पुलिस द्वारा 3 से 6 सितंबर 2026 तक 7वां वीकेंड अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देशानुसार चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान पुलिस की विभिन्न टीमों ने अपराधियों, उद्घोषित अपराधियों (पीओ), बेल जंपरों, नशा तस्करों, अवैध हथियार रखने वालों तथा अवैध शराब की तस्करी करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान फरीदाबाद पुलिस ने विभिन्न मामलों में 197 आरोपितों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही 84 पीओ/बेल जंपरों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जबकि 46 गुमशुदा व्यक्तियों को तलाश कर उनके परिजनों से मिलाया गया। उन्होंने बताया कि *वीकेंड अभियान* के दौरान पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के 2 मामलों में कार्रवाई करते हुए 10 किलोग्राम से अधिक गांजा तथा 6 ग्राम से अधिक स्मैक बरामद की। इसी प्रकार शस्त्र अधिनियम के अंतर्गत 5 देसी कट्टे और एक कारतूस बरामद किया गया। वहीं अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 33 बोतल देसी शराब तथा 336 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की है। अभियान के दौरान पुलिस ने थाना छायंसा क्षेत्र के अंतर्गत एटीएम चोरी के मामले में वांछित ?5,000 के इनामी आरोपित को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। पुलिस टीम ने 11 साल से फरार एक उद्घोषित अपराधी को मुंबई से गिरफ्तार कर फरीदाबाद लाया गया। 7 वीकेंड अभियान में 1400 से अधिक गिरफ्तारियां-पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए फरीदाबाद पुलिस द्वारा समय-समय पर **विशेष वीकेंड** अभियान चलाए जा रहे हैं। फरीदाबाद पुलिस में 10 जुलाई से **वीकेंड अभियान**कार्यक्रम आरंभ किया था। अब तक 7 **वीकेंड अभियान** चलाए गए हैं। इस दौरान 1,400 से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 750 से अधिक पीओ/बेल जंपरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जबकि करीब 800 गुमशुदा व्यक्तियों को तलाश कर उनके परिजनों से मिलाया गया है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि वीकेंड अभियान का उद्देश्य केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि नशा तस्करी, अवैध हथियार, अवैध शराब, फरार अपराधियों तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना तथा लंबित मामलों का निष्पादन करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे फरीदाबाद पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ-साथ गुमशुदा व्यक्तियों को तलाश कर उनके परिवारों से मिलाने का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

एसीपी स्केल को लेकर बिजली पेंशनर्स में नाराजगी, किसान भवन में हुई बैठक

फरीदाबाद - हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन जिला फरीदाबाद यूनिट द्वारा बिजली पेंशनर्स के लिए एक मीटिंग का आयोजन किसान भवन में किया गया। सभा की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष देवी दयाल दिसोदिया व संचालन जिला सचिव बी एस भंडारी द्वारा किया गया। बैठक में एच पी जी सी एल थर्मल पानीपत के मुख्य अभियंता कार्यालय द्वारा निगम की ए.सी.पी. स्केल स्कीम के मुताबिक तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों को ए सी पी स्केल का लाभ न देने पर रोष प्रकट किया गया। हरियाणा सरकार व बिजली बोर्ड की सुनिश्चित करियर प्रगति योजना 1998 के अनुसार किसी भी पद के विरुद्ध भर्ती होने पर कर्मचारी को उस पद के 31.12.1995 के कार्यकारी वेतनमान को संदर्भ मान कर तीन उच्च वेतनमान ए सी पी स्केल के रूप मे देने की अनुमति दी गई है। तीन ए सी पी के लिए क्रमशः 10, 20 व 30 साल की सेवा निर्धारित की गई है। इसके लिए रेगुलेटर सेटिस्फेक्टरी सर्विस की गणना आधार पद की सीनियरिटी को बनाया गया है। जिसकी गिनती सरकार या बिजली बोर्ड में पहली बार टेंपरेरी तौर पर इनीशियल ड्यूटी ज्वॉइन करने की तारीख से करनी होती है। बिजली बोर्ड द्वारा 1985 के भर्ती व तरक्की पॉलिसी के अनुसार ए ई, जे ई, फोरमैन, अकाउंटेंट, फायरमैन, प्लांट अटेंडेंट, टेक्नीशियन आदि को टेंपरेरी तौर पर ट्रेनी भर्ती किया जा रहा हैं और दो साल की सफल ट्रैनिंग के बाद पद पर रेगुलर किया जाता रहा है। सभी श्रेणी के ट्रेनिंग पिरियड को ड्यूटी ट्रीट कर पद की सीनियरिटी में जोड़ा गया है। इसीलिए हरियाणा सरकार व बिजली बोर्ड के ए सी पी नियमों में ट्रेनिंग या प्रोबेशन पिरियड को ष्छक्क वेतनमान के लिए 10,20,30 साल की रेगुलेटर सेटिस्फेक्टरी सर्विस में जोड़ा गया है। परन्तु पानीपत थर्मल कार्यालय भर्ती नीति, पे रुल व ए सी पी रुल 1996 की अनदेखी कर प्लांट अटेंडेंट ग्रेड द्धद्ध/टेक्नीशियन ग्रेड द्धद्ध के ट्रेनिंग पिरियड को राज बीर सिंह फायरमैन × अन्य बनाम एच पी जी सी एल × अन्य के 24.10.2005 के निर्णय को आधार मान कर प्लांट अटेंडेंट, टेक्नीशियन के ट्रेनिंग पिरियड को 10 साल की सेवा से 2009 से हटा चुका है। अब जनवरी 2026 में माननीय पंजाब हरियाणा हाइकोर्ट के आदेश पर राजबीर सिंह व अन्य फायरमैन पिटिशनर्स का ट्रेनिंग पिरियड ए सी पी में जोड़ दिया गया है और प्लांट अटेंडेंट ग्रेड द्धद्ध टेक्नीशियन ग्रेड द्धद्ध के लिए मना किया जा रहा है। जबकि हरियाणा सरकार व बिजली बोर्ड/निगमों के भर्ती, वेतनमान व ए सी पी नियमों के विरुद्ध 1986 से लेकर आज तक कोई किसी भी तरह का कोर्ट का जजमेंट नहीं है अन्यथा नियमों में बदलाव करना पड़ जाता। केंद्रीय परिषद के नेता बीर सिंह व वास देव कोहली ने डी एच बी वी एन के नूह डिवीजन के निजीकरण का भी विरोध किया गया। सभी वक्ताओं ने नगर निकाय हड़ताली सफाई करचरियों का पुरजोर समर्थन किया गया। सभा में विजय पाल शर्मा, सुभाष चंद त्यागी, प्रताप सिंह बामल, उमेश सेठी, खूब सिंह धारीवाल, एम के वर्मा, आर एल नागपाल, ओम प्रकाश अग्रवाल सहित बड़ी तादात में पेंशनर्स उपस्थित थे।

ई एस आई सी मेडिकल कॉलेज में सात दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ

फरीदाबाद (बिजेंद्र फौजदार) आज ई एस आई सी मेडिकल कॉलेज एन आई टी 3 फरीदाबाद में योग शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर डीन डॉ. कालिदास चव्हाण , डी एम एस एवं एच ओ डी सर्जरी डॉ. सुमित चक्रवर्ती , डी एस पी हरियाणा पुलिस राजेश चेची , डॉ. हेमंत अत्री (सर्जन एवं सामाजिक कार्यकर्ता) सहित पतंजलि परिवार के सदस्यों ने विधिवत रूप से योग शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विभिन्न एन जी ओ , अस्पताल के स्टाफ, डॉक्टर, विद्यार्थी, अटेंडेंट्स तथा अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया डॉ हेमंत अत्री ने यह जानकारी देते हुए बताया कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं बल्कि मन की शांति, सकारात्मक ऊर्जा और स्वस्थ जीवनशैली का आधार है। ऐसे आयोजनों से समाज में स्वास्थ्य एवं योग के प्रति जागरूकता बढ़ती है। यह योग शिविर आगामी रविवार तक प्रतिदिन प्रातः साढ़े पांच बजे से ई एस आई सी एन आई टी 3 के ओपन ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा।

पेंशनरों का ऐलानः 29-30 सितंबर को जिला उपायुक्त कार्यालय पर 24 घंटे का पड़ाव

फरीदाबाद (बिजेंद्र फौजदार) अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी पेंशनर्स फेडरेशन के आवाहन पर रिटायर्ड कर्मचारी संघ फरीदाबाद 29 व 30 सितंबर को सरकार द्वारा अपनी मांगों को पूरा करवाने के लिए जिला उपायुक्त फरीदाबाद के कार्यालय पर 24 घंटे का पड़ाव डालेंगे। आज नगर निगम यूनियन के कार्यालय में आयोजित मीटिंग में यह फैसला लिया गया मीटिंग की अध्यक्षता जिला प्रधान नवल सिंह ने की तथा संचालन जिला सचिव लज्जाराम ने किया। मीटिंग को संबोधित करते हुए राज्य उप प्रधान श्रीमती आशा शर्मा एवं राज्य उप प्रधान यू. एम. खान ने बताया कि रिटायर्ड कर्मचारी संघ अपनी मांगों को लेकर लगातार धरना प्रदर्शन व मंत्रियों विधायकों तथा प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन देते आ रहे हैं। लेकिन सरकार व प्रशासन के कानों पर जू तक नहीं रेंगती। केंद्र सरकार आठवें वेतन आयोग की रिपोर्ट में किंतु-परंतु लगाकर सर्वे कराकर गुमराह कर के लटकाए जा रही है वित्त विधेयक में शर्तें लगाकर जो कर्मचारी 31 दिसंबर 2025 से पहले रिटायर हुए हैं उनको आठवें वेतन आयोग का लाभ नहीं मिलेगा और जो 1 जनवरी 2026 के बाद रिटायर होंगे उनको लाभ मिलेगा और सरकार की मर्जी के ऊपर है लाभ दे या ना दे पेंशनर की पेंशन पर सरकार डाका डालने जा रही है। कोरोना काल का 18 महीने का ष्ठ का एरियर नहीं दिया, कैशलेस चिकित्सा नहीं दिया, रुह्रष्ट को बंद करने जा रही है, क़ौमूट की गई पेंशन की राशि को काटने की समय सीमा कम नहीं कर रही सरकार के प्रति निधि अपनी पेंशन और भत्ते को बराबर ले रही है। उनसे सरकार का खजाना खाली नहीं होता। पूंजी पतियों के लोन माफ कर दिए जाते हैं इनको लेकर पेंशनरों में सरकार के रवैया के प्रति काफी आक्रोश है। रिटायर्ड कर्मचारी संघ के पेंशनरों ने मीटिंग के बाद जुलूस बनाकर नगर निगम कार्यालय को गेट पर सफाई कर्मचारी यूनियन द्वारा किए जा रहे धरना व प्रदर्शन में सम्मिलित होकर उनकी मांगों का समर्थन किया और उनकी हड़ताल को जायज ठहराया रिटायर्ड कर्मचारी संघ के जिला प्रधान नवल सिंह व प्रेस प्रवक्ता सत्यपाल नरवत ने माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी से अपील की है की सफाई कर्मचारियों की मांगों को पूरा करें और हड़ताल को समाप्त कराए। प्रदेश में गंदगी से बुरा हाल है बीमारी फैलने का खतरा है आज की मीटिंग में वरिष्ठ उप प्रधान अमर सिंह बैसला, कोषाध्यक्ष खजान सिंह, ब्लॉक प्रधान रतिराम व साबिर खान, उप प्रधान जयपाल चौहान हरबीर सिंह सन मल्होत्रा कासिम अली शिवराज भड़ाना एसके शर्मा आदि उपस्थित थे।

वार्ड-22 में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, हर माह लगेगा कैंप

फरीदाबाद। नगर निगम वार्ड-22 के शिव दुर्गा विहार, लक्करपुर एफ-ब्लॉक में पार्षद हरेंद्र भड़ाना के कार्यालय पर क्षेत्रवासियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष कमल जी भी मौजूद थे। शिविर का आयोजन डॉ. सूरज प्रकाश स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से किया गया, जिसमें अनुभवी चिकित्सकों द्वारा लोगों के ब्लड प्रेशर, मधुमेह और आंखों की जांच की गई। इसके साथ ही चिकित्सकों ने लोगों

को विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर आवश्यक परामर्श भी दिया। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी सलाह ली। इस दौरान लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा समय रहते बीमारियों की पहचान कर उपचार कराने के लिए भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर पार्षद हरेंद्र भड़ाना ने कहा कि उनका उद्देश्य वार्ड की जनता को तन और मन दोनों से स्वस्थ रखना है। इसी उद्देश्य से यह निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया, ताकि क्षेत्रवासियों को एक ही छत के नीचे विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि शिविर को क्षेत्रवासियों का अच्छा समर्थन मिला है, जिससे वे काफी उत्साहित हैं। जनता की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अब हर महीने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

तावड़ू कामधेनु संस्थान में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव आयोजित

तावड़ू। भेदी नजर,वंदना, कामधेनु आरोग्य संस्थान परिसर स्थित कामधेनु मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर भगवान श्री कृष्ण के जयकारों और भक्तिमय भजनों से गूंज उठा। कामधेनु आरोग्य संस्थान के संस्थापक एवं पूर्व आईएएस डॉ. एस. पी. गुप्ता तथा शशि गुप्ता के पावन सानिध्य में आयोजित इस धार्मिक महोत्सव में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कामधेनु मंदिर को आकर्षक एवं अलौकिक ढंग से सजाया गया। भगवान श्री कृष्ण का दिव्य शृंगार किया गया तथा भव्य फूल बंगला श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। रात्रि में विधि-विधान के साथ भगवान श्री कृष्ण का अभिषेक एवं पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात भव्य महाआरती आयोजित की गई, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सहभागिता की। महोत्सव की विशेष आकर्षण भजन संध्या रही। धनंजय, जटाशंकर मिश्रा, सत्येंद्र, शत्रुघ्न एवं रवि ने अपने भजनों की प्रस्तुति से उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। देर रात तक मंदिर परिसर 'जय श्री वृंदावन बिहारी जी' के जयकारों से गूंजता रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मंदिर के पुजारी सूर्यकांत आचार्य, रोहित कुमार,संदीप मिश्रा ने श्रद्धा एवं समर्पण के साथ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक डॉक्टर एसपी गुप्ता एवं उपाध्यक्ष शशि गुप्ता व उपाध्यक्ष एस.के अग्रवाल वाईस प्रेजिडेंट एवं राजेश पटेल बिस्सर, सूबे सिंह बिस्सर सहित वैलनेस एवं गौधाम कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया अगली कड़ी में संस्थान के संस्थापक डॉक्टर एचपी गुप्ता द्वारा महोत्सव में शामिल होने पर उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक सद्भाव और भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था को मजबूत करते हैं श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के सफल एवं भक्तिमय आयोजन के साथ कामधेनु मंदिर परिसर देर रात तक श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति का केंद्र बना रहा। इस मौके पर विपुल गोयल,कार्यकारिणी अध्यक्ष मदन जिंदल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में योग शिविर का शुभारंभ

- चिकित्सकों, विद्यार्थियों, अस्पताल स्टाफ सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने लिया भाग
- आगामी रविवार तक प्रतिदिन प्रातः 5:30 बजे ओपन ऑडिटोरियम में होगा योग शिविर

फरीदाबाद। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, एनआईटी-3 फरीदाबाद में आज योग शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. कालिदास चव्हाण, डीएमएस एवं एचओडी सर्जरी डॉ. सुमित चक्रवर्ती, हरियाणा पुलिस के डीएसपी श्री राजेश चेची, सर्जन एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. हेमंत अत्री सहित पतंजलि परिवार के सदस्यों ने विधिवत रूप से योग शिविर का शुभारंभ किया। योग शिविर के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ), अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्टाफ, विद्यार्थियों, अटेंडेंट्स तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इस दौरान योग के महत्व तथा स्वस्थ जीवनशैली में इसकी उपयोगिता के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का माध्यम ही नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नियमित रूप से योग एवं प्राणायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर व्यक्ति शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में इस प्रकार के योग शिविरों के आयोजन से चिकित्सकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आमजन में योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ती है। साथ ही, योग के माध्यम से समाज को निरोगी एवं स्वस्थ बनाने का संदेश भी प्रभावी रूप से पहुंचता है। यह योग शिविर आगामी रविवार तक प्रतिदिन प्रातः 5:30 बजे से ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, एनआईटी-3 के ओपन ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने आमजन से भी अधिक से अधिक संख्या में योग शिविर में भाग लेने तथा योग को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

समाधान शिविर बना आमजन की समस्याओं के समाधान का मंच : एसडीएम डॉ. हनी बंसल

- **लघु सचिवालय में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में एसडीएम डॉ. हनी बंसल ने सुनी नागरिकों की समस्याएं**

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जा रहे 'समाधान शिविर' आमजन के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। इसी कड़ी में आज सोमवार को सेक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर का सफल आयोजन किया गया। उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर की अध्यक्षता एसडीएम डॉ. हनी बंसल ने की। एसडीएम फरीदाबाद डॉ. हनी बंसल ने जानकारी देते हुए कहा कि समाधान शिविरों में नागरिकों की ओर से सबसे अधिक समस्याए परिवार पहचान पत्र आईडी में आय संबंधी त्रुटियों और नए सदस्य जोड़ने से जुड़ी सामने आई हैं। इसके अलावा राशन कार्ड, अवैध अतिक्रमण, पुलिस और बिजली विभाग से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त हुई हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी मुद्दों के त्वरित निपटान के लिए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि लोगों को शीघ्र राहत मिल सके। एसडीएम डॉ. हनी बंसल ने बताया कि प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन हमेशा नागरिकों की सहायता के लिए तत्पर हैं और जनहित में यह पहल निरंतर जारी रहेगी। इसी क्रम में आमजन से अपील की गई है कि यदि किसी नागरिक को स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, समाज कल्याण पेंशन, राशन कार्ड, स्थानीय निकायों से नो-ड्यूज प्रमाण पत्र, नगरपालिका द्वारा नक्शा पास करवाने, बिजली, सिंचाई, सार्वजनिक स्वास्थ्य या आपराधिक शिकायतों से संबंधित किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो वह निःसंकोच समाधान शिविर में आकर अपनी शिकायत दर्ज कराए। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन हर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक लघु सचिवालय में जनता की समस्याएं सुनकर त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिकायत समाधान शिविरों में नागरिकों की भागीदारी सरकार और प्रशासन पर उनके भरोसे को दर्शाती है। समाधान शिविर में सभी विभागों के संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

थाना छायंसा क्षेत्र से एटीएम उखाड़कर ले जाने वाले गिरोह का मुख्य साजिशकर्ता काबू:पुलिस प्रवक्ता

इनामी है आरोपी,38 मामले हैं दर्ज, ब्रांच सिकरौना की कार्रवाई

फरीदाबाद। भेदी नजर,सुनील कुमार जांगड़ा, 13/14 अगस्त की रात्रि को थाना छांयसा क्षेत्र के अंतर्गत चोरीशुदा फॉर्च्यूनर गाड़ी से स्स्क्चद्ब बैंक का ए टी एम उखाड़कर ले जाने के मामले में ए वी टी एस सिकरोना की टीम ने मुख्य आरोपी हनीश उर्फ होशी(42) वासी गांव धौज फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर फरीदाबाद पुलिस ने ?5000 का इनाम घोषित किया हुआ था। उस पर 38 मामले पूर्व में भी दर्ज है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार 13/14 अगस्त की रात को थाना छांयसा क्षेत्र के अंतर्गत एक एसबीआई बैंक का एटीएम चोरी कर लिया गया था। एटीएम मशीन में 8 लाख से अधिक रुपए थे। जिस संबंध में मामला दर्ज कर जांच आरंभ की गई। उन्होंने आगे बताया कि ए वी टी एस सिकरोना की टीम ने मुख्य आरोपी हनीश उर्फ होशी(42) वासी गांव धौज फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। जिसकी पूछताछ में सामने आया कि आरोपितों ने ए टी एम को बेल्ट की सहायता से फॉर्च्यूनर गाड़ी से बांधा और खींचकर ए टी एम को उखाड़ कर गाड़ी की डिग्गी में रख लिया और धौज गांव के पहाड़ में ले जाकर एटीएम मशीन को तोड़कर पैसे निकाल लिये। उन्होंने और अधिक जानकारी देते हुए बताया कि जिस फॉर्च्यूनर गाड़ी से वारदात को अंजाम दिया गया था वह गाड़ी सेक्टर 16 से चुराई गई थी। फॉर्च्यूनर गाड़ी को पुलिस ने पहले ही बरामद कर लिया था। एटीएम चोरी करने की घटना में उसके तीन साथियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी पर पूर्व में भी ए टी एम उखाड़ने के 8/10 मामलों सहित कुल 38 मामले दर्ज है। जिसको माननीय न्यायालय में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पॉलिमर तकनीक का कराया पेटेंट, बिना केमिकल नष्ट होंगे जीवाणु

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के शोधकर्ताओं ने ऐसी रसायन-मुक्त जीवाणुरोधी सतह का पेटेंट कराया है, जो हानिकारक रसायन के इस्तेमाल के बिना जीवाणुओं को खत्म कर सकती है। इसका उद्देश्य दुनियाभर में उभर रही एक गंभीर समस्या यानी रोगाणुरोधी प्रतिरोध या एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (एएमआर) से निपटना है। एएमआर वह स्थिति है, जिसमें बीमारी फैलाने वाले जीवाणु सुपरबग में बदल जाते हैं और पारंपरिक उपचारों के प्रति प्रतिरोधी

हो जाते हैं। एएमआर दुनियाभर में स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। प्रोफेसर परशुरामन स्वामीनाथन के अनुसार यह तकनीक किसी रासायनिक प्रक्रिया पर आधारित नहीं है, बल्कि इसमें विशेष रूप से तैयार की गई नैनो पालिमर का इस्तेमाल किया गया है। ये नैनो संरचनाएं जीवाणु के संपर्क में आने पर उनकी कोशिका दीवार को तोड़कर उन्हें नष्ट कर देती हैं। उन्होंने पीटीआई से कहा, ये सतह मानव कोशिकाओं के जुड़ने और बढ़ने के लिए सुरक्षित हैं, लेकिन जीवाणु पर ये गंभीर दबाव डालती हैं, जिससे उनकी कोशिका दीवार टूट जाती है और वे नष्ट हो जाते हैं। इस शोध के परिणाम पत्रिका 'एसीएस एप्लाइड बायोमटेरियल्स' में प्रकाशित हुए हैं।

स्वामीनाथन ने कहा, रसायनों या दवाओं के इस्तेमाल के बजाय हमने सतह को ही इस तरह तैयार किया है कि वह जीवाणु को भौतिक रूप से नष्ट कर सके। यह तरीका जीवाणु में दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने के खतरे को काफी कम करता है। शोधकर्ताओं ने रिएक्टिव आयन एचिंग (आरआइई) नाम की लो-प्रेशर प्लाज्मा प्रोसेस का इस्तेमाल कर एंटीबैक्टीरियल सतहें बनाईं। इस प्रक्रिया से सिलिकॉन की सतह पर एक खास तरह की घनी परत बनती है। यह परत जीवाणु की कोशिकाओं तक दबाव को प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद करती है जिससे नैनो संरचनाओं की जीवाणु को नष्ट करने की क्षमता बढ़ जाती है।

अनुसंधानकर्ताओं की टीम ने तीन अलग-अलग प्रकार के जीवाणुओं पर इस सतह का परीक्षण किया, जिसमें 'ग्राम-पॉजिटिव' और 'ग्राम-नेगेटिव' दोनों तरह के जीवाणु शामिल थे।

पहले सौरभ दास और फिर अभिजीत दीपके; 24 घंटे में एक जैसी गलती पर घिरे दोनों

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के राष्ट्रीय संयोजक, सह-संयोजक अभिजीत दीपके और सौरभ दास 24 घंटे के भीतर एक जैसी गलतियों की वजह से सोशल मीडिया पर ट्रोल हो गए। जल्दबाजी में या बिना जांचे-परखे फर्जी फोटो-वीडियो के सहारे भाजपा नेता गौरव भाटिया और राम मंदिर के पहले सीईओ जीतेंद्र मिश्रा को घेरने के चक्कर में खुद ही घिर गए। दोनों ने अपनी गलती मानी, लेकिन आलोचक उनसे माफी और उनके खिलाफ केस दर्ज करने की मांग भी करने लगे हैं। सबसे पहले बात सौरभ दास की। कुछ ही महीने सीजेपी के प्रवक्ता रहने के बाद सह संयोजक बनाए गए सौरभ दास ने भाजपा नेता गौरव भाटिया का एक ऐसा बयान साझा कर दिया, जो असल में फर्जी था। इसके बाद भाटिया ने उन्हें तुरंत ट्वीट डिलीट करके माफी मांगने को कहा और ऐसा नहीं करन पर एफआईआर कराने की चेतावनी भी दे डाली। सौरभ दास ने अपनी गलती मान ट्वीट तो डिलीट कर दिया, लेकिन उन्होंने अपनी गलती के लिए माफी नहीं मांगी।

पोस्ट डिलीट किया, माफी नहीं मांगी- दरअसल, सौरव दास ने एक न्यूज क्लिप को साझा किया था जिसमें गौरव भाटिया का एक झूठा बयान एआई से एडिट करके प्रसारित किया गया था। इसमें भाटिया का फर्जी बयान लिखा गया था, स्वतंत्र भारद्वाज नामक युवा एक दिमागी नक्सली है उसके अंदर जातिवादी जहर भरा हुआ था। भाजपा सरकार से इसका कोई लेना देना नहीं है।

सुरक्षित हवा अभी दूर

26 साल की प्रदूषण से जंग में दिल्ली को थोड़ी राहत, पीएम 2.5 घटकर 97 माइक्रोग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली की करीब ढाई दशक पुरानी लड़ाई ने हवा को कुछ राहत जरूर दी है, लेकिन मंजिल अभी दूर है। वर्ष 2000 में राष्ट्रीय राजधानी का वार्षिक औसत पीएम 2.5 लगभग 90.8 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। अगले दशक में प्रदूषण लगातार बढ़ा और 2010 में करीब 126.9 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। इसके बाद उतार-चढ़ाव के बीच इसमें कमी आई और 2025 में वार्षिक औसत करीब 97 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। यानी सबसे खराब दौर के मुकाबले सुधार हुआ है, लेकिन हवा अब भी राष्ट्रीय मानक (40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) से

करीब ढाई गुना प्रदूषित है।

हाल के पांच सालों के आंकड़े बताते हैं कि सुधार एक सीधी रेखा में नहीं हुआ। 2021 में पीएम 2.5 का औसत 105 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो 2022 में घटकर 98 हुआ। 2023 में यह फिर 100 और 2024 में 105 तक पहुंच गया। 2025 में इसमें गिरावट आई और स्तर 97 माइक्रोग्राम रहा। 2018 के बाद कोविड प्रभावित 2020 को छोड़कर यह सबसे कम वार्षिक औसत था।

26 साल की यह तस्वीर बताती है कि दिल्ली की हवा में कुछ सुधार जरूर हुआ है, लेकिन प्रदूषण का संकट खत्म नहीं हुआ। पिछले पांच वर्षों में उठाए गए कदमों ने कुछ राहत दी है, खासकर 2025 के आंकड़ों में इसका संकेत मिलता है। मगर 97 माइक्रोग्राम का औसत भी यह साफ करता है कि दिल्ली को सुरक्षित हवा तक पहुंचने के लिए अभी लंबी दूरी तय करनी है।

पिछले पांच साल में बदला प्रदूषण से लड़ने का तरीका

इस अवधि में सबसे बड़ा संस्थागत बदलाव 2021 में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के गठन के रूप में हुआ। इसके साथ प्रदूषण नियंत्रण को सिर्फ दिल्ली की समस्या मानने के बजाय पूरे एनसीआर के स्तर पर देखने की कोशिश हुई। वाहनों, औद्योगिक इकाइयों, निर्माण एवं सड़क की धूल, कचरा और पराली जलाने जैसे स्रोतों पर अलग-अलग कार्रवाई के साथ साझा दिशा-निर्देश लागू किए गए। वाहनों से निकलने वाले धुएं को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, पुराने वाहनों पर सख्ती, सार्वजनिक परिवहन को स्वच्छ ईंधन की ओर ले जाने और एनसीआर में अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के प्रवेश पर चरणबद्ध पाबंदियों जैसे कदम उठाए गए।

न निजीकरण होगा, न महत्व घटेगा', निजी भागीदारी विवाद पर इसरो का स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक अनुसंधान संगठन ने रविवार को एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि न तो इसका निजीकरण किया जाएगा और न ही इसका महत्व कम होगा। एक्स पर एक पोस्ट में, अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की अगली पीढ़ी पर मजबूती से ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाती है, जबकि इंडस्ट्री परिपक्व तकनीकों और क्षमताओं को बड़े पैमाने पर विकसित करती है। यह घटनाक्रम तब हुआ 9 कर्मचारी संघों ने 4 सितंबर को अंतरिक्ष एजेंसी के चेयरमैन वी. नारायणन को पत्र लिखकर, इसके मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कामों को निजी संस्थाओं को सौंपने के

प्रस्ताव पर आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा। वे 21 अगस्त को इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर के चेयरमैन पवन गोयनका द्वारा की गई टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे। पोस्ट में कहा कि उन क्षेत्रों में इसकी भूमिका धीरे-धीरे मजबूत होगी जहां इसकी वैज्ञानिक विशेषज्ञता सबसे ज्यादा मायने रखती है। फ्रंटियर ॠष्ठ, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी के लॉन्च सिस्टम, डीप-स्पेस और ग्रहों के मिशन और रणनीतिक राष्ट्रीय क्षमताएं। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वह अत्याधुनिक तकनीकों का विकास जारी रखेगी, जिसमें संचार, नेविगेशन और पृथ्वी अवलोकन के लिए एडवांस्ड पेलोड, सेंसर, प्रोपल्शन सिस्टम और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकें शामिल हैं। सिस्टम को इंडस्ट्री के माध्यम से बड़े पैमाने पर तैयार किया जा सकता है। परिपक्व लॉन्च वाहनों, नियमित उपग्रहों और अन्य स्थापित सिस्टम का उत्पादन उचित प्रतिस्पर्धी प्रक्रियाओं के माध्यम से इंडस्ट्री या द्वारा किया जा सकता है।

नरेला की एक फैक्ट्री में युवती से दरिंदगी, दुष्कर्म का आरोपी बुजुर्ग ठेकेदार गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में नरेला इलाके में स्थित एक फैक्ट्री में काम करने वाली 20 वर्षीय युवती से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने 66 वर्षीय लेबर कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार किया है। घटना करीब 5-6 दिन पुरानी है। वहीं, शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में दो संदिग्धों की भूमिका खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश की रहने वाली युवती करीब एक महीने से फैक्ट्री में काम कर रही थी और वहीं रह रही थी। आरोप है कि 1 सितंबर की रात करीब 11 बजे फैक्ट्री परिसर में उसके साथ दुष्कर्म किया गया। शिकायत के बाद पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और जांच शुरू की।

वहीं, जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि फैक्ट्री में काम करने वाले एक व्यक्ति ने कथित घटना का वीडियो भी बनाया था। उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। पुलिस वीडियो की जांच कर रही है और उसे बनाने वाले व्यक्ति की भूमिका भी पता लगा रही है। पुलिस ने पीड़िता की काउंसलिंग कराई है। जांच में सामने आए साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि वारदात के समय फैक्ट्री में कौन-कौन लोग मौजूद थे। वहीं, छानबीन के दौरान युवती ने पुलिस को बताया कि उसे कोई नशीला पदार्थ खिलाया गया था।

क्लासरूम में बिछाए गए गद्दे

पीजी जाने से डर रहे छात्र, डीयू ने किया कॉलेजों में ही रुकने का इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना के बाद पीजी में लौटने से डर रहे छात्रों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। साउथ कैंपस के कई कॉलेजों में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं के ठहरने का इंतजाम किया गया है। यहां गद्दे और भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की तैयारी है। हादसे के बाद कई छात्र क्क्ल में वापस जाने को लेकर डरे हुए हैं और उनके सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। ऐसे छात्रों की मदद के लिए डीयू ने साउथ कैंपस के कई कॉलेजों को अस्थायी ठहराव की व्यवस्था करने के लिए सक्रिय किया है। डीयू साउथ कैंपस की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी के मुताबिक, साउथ कैंपस क्षेत्र में करीब 25 कॉलेज हैं। सत्य निकेतन के आसपास छह-सात कॉलेज हैं, इसलिए इन्हें प्रभावित छात्रों की मदद के लिए तैयार किया गया है। श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, राम लाल आनंद कॉलेज, मैत्रेयी कॉलेज और जीसस एंड मैरी कॉलेज समेत कई कॉलेजों में छात्रों के रुकने की व्यवस्था की गई है। जरूरत पड़ने पर छात्र-छात्राएं कॉलेज के क्लासरूम में रात भी गुजार सकेंगे। क्लासरूम में गद्दे बिछाए गए हैं। डीयू प्रशासन ने सभी संबंधित कॉलेजों से सत्य निकेतन हादसे से प्रभावित छात्रों की संख्या और जिन्हें तत्काल ठहरने की जरूरत है, उनकी जानकारी मांगी है। इसके आधार पर छात्रों को संबंधित कॉलेजों में जगह दी जाएगी। प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि फिलहाल छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रशासन उनकी हर संभव मदद कर रहा है। श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. वी. रवि ने बताया कि कॉलेज अपने छात्रों के अलावा जरूरत पड़ने पर दूसरे संस्थानों की छात्राओं को भी ठहराने के लिए तैयार है। कॉलेज में बिस्तर और भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी है।

सुरक्षा को देखते हुए श्री वेंकटेश्वर कॉलेज और आर्यभट्ट कॉलेज ने सोमवार को कॉलेज बंद रखने का फैसला किया है। दोनों संस्थानों की ओर से नोटिस जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। यह फैसला आसपास के क्क्ल में रहने वाले छात्रों के बीच बनी असुरक्षा की भावना को देखते हुए लिया गया है।

बांग्लादेश में छिपे शाहबाज अंसारी सिंडिकेट का गुर्गा ऋषभ कपूर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश में छिपे कुख्यात अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्कर शाहबाज अंसारी सिंडिकेट के एक और गुर्गे ऋषभ कपूर को दिल्ली

पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने ऋषभ कपूर की निशानदेही पर तुर्किये की दो ग्लाक पिस्टल और 13 कारतूस बरामद किए गए हैं। यह वसंत विहार में रहता था और एक सिक्योरिटी गार्ड एजेंसी चलाता था। लॉरेंस बिश्नोई के मामा का संभालता था काम पुलिस का दावा है कि यह बीते दिनों गिरफ्तार किए गए अंसारी सिंडिकेट के गुर्गे और कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के मामा दीपक खत्री का सारा काम संभालता था। इसके खिलाफ धमकी देने और चीटिंग के पहले के दो मामले दर्ज हैं। एक मामला 2014 और दूसरा 2018 का है। अंसारी सिंडिकेट पर दिल्ली पुलिस यूएपीए भी लगा चुकी है।

5 राज्यों में फरवरी-मार्च 2027 में हो सकते हैं विधानसभा चुनाव, जनगणना की तारीखों में बदलाव से मिला संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गोवा, इन चार राज्यों में जनगणना का काम आगे बढ़ा दिया गया है, जबकि पांचवें राज्य मणिपुर में जनगणना का पहला चरण टाल दिया गया है। इन फैसलों से यह लगभग तय हो गया है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का अगला दौर अगले साल फरवरी-मार्च में होगा। कार्यकाल सबसे पहले 13 मार्च 2027 को खत्म हो रहा है। गोवा विधानसभा का कार्यकाल 14 मार्च, पंजाब विधानसभा का कार्यकाल 16 मार्च, उत्तराखंड का 18 मार्च और उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई को खत्म होगा। इन पांचों राज्यों में 2022 में एक साथ चुनाव हुए थे, लेकिन यूपी विधानसभा की पहली बैठक 22 मई 2022 को हुई थी। चूंकि 2027 में भी इन राज्यों में एक साथ चुनाव होंगे, इसलिए चुनाव आयोग के पारंपरिक तरीके से यानी सबसे पहले खत्म होने वाली विधानसभा (मणिपुर, 13 मार्च) के कार्यकाल से पहले चुनाव पूरे कराने की संभावना है।

42 करोड़ के डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी मामले में सीबीआई का एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के तीन मामलों में पांच और लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें पीड़ितों से कथित तौर पर 42 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई थी। इन मामलों में अब तक गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। ये गिरफ्तारियां साइबर अपराध के खिलाफ सीबीआई के राष्ट्रव्यापी अभियान 'ऑपरेशन चक्र-छह' के तहत की गई हैं, जिसका उद्देश्य डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी में शामिल नेटवर्क पर कार्रवाई करना है। सीबीआई की प्रवक्ता बीना यादव ने रविवार को बताया कि नवीनतम गिरफ्तारियां 20 राज्यों में 89 स्थानों पर छापेमारी के बाद हुईं। हाल में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपित कथित तौर पर ठगी की रकम प्राप्त करने, उसे विभिन्न खातों में छिपाने और आगे भेजने में शामिल थे। मध्य प्रदेश के इटारसी निवासी संकेत बस्तवार और पंकज दामाडे ने कथित तौर पर एक बैंक खाते का इंतजाम किया, उसमें डिजिटल अरेस्ट के जरिये ठगी की रकम प्राप्त की और धनराशि को अलग-अलग खातों में भेजने में भूमिका निभाई, ताकि रकम के स्रोत का पता लगाना मुश्किल हो सके। अन्य तीन आरोपितों-नई दिल्ली निवासी आरिफ उर्फ किंग भाई, हरीश पुरुषोत्तम यादव उर्फ हैरी और गाजियाबाद निवासी शशांक सिंह उर्फ रवि ने कथित तौर पर एक बैंक खाता मुहैया कराया, जिसका उपयोग पीड़ित से पैसे प्राप्त करने के लिए किया गया। बाद में कई खातों के जरिये रकम को इधर-उधर किया गया।

नपेंगे अफसर; सीएम बोलीं- दिल्लीवालों की सुरक्षा से समझौता नहीं

दिल्ली में पांच मंजिल वाली इमारतें होंगी सील

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने से छह लोगों की मौत के बाद दिल्ली सरकार ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि नियमों का उल्लंघन कर बनाए गए पांच मंजिल वाले अवैध बिल्डिंगों को तत्काल सील किया जाए। साथ ही सत्य निकेतन और आसपास के क्क्ल व अन्य भवनों की सघन जांच भी होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार सुबह दोबारा सत्य निकेतन घटनास्थल का दौरा किया और वहां सुरक्षा व्यवस्था व चल रही कार्रवाई की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने निर्देश दिए कि नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई पांचवीं मंजिल वाले भवनों को तुरंत सील किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्लीवासियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भी कहा है कि चार मंजिल से

ज्यादा के अवैध निर्माण तत्काल सील किए जाएंगे। ऐसे निर्माण को अनुमति देने या समय पर कार्रवाई नहीं करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उनके खिलाफ तत्काल बर्खास्तगी तक की कार्रवाई का प्रावधान बताया गया है। ये निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के पास है और छात्रों के लिए यहां बड़ी संख्या में पीजी और किराये के आवास हैं। अधिकारियों के मुताबिक, समय के साथ कई संपत्तियों में अतिरिक्त कमरे और मंजिलें जोड़ी अधिकारियों के मुताबिक स्न्नक्रनियमों के तहत पांचवीं मंजिल की अनुमति नहीं थी।

4 मंजिल से ज्यादा के अवैध निर्माण होंगे सील

सत्य निकेतन हादसे के मामले में भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जांच में अगर किसी एमसीडी अधिकारी की लापरवाही या भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार के निर्देश के बाद सत्य निकेतन और आसपास के इलाके में बने पीजी और दूसरे भवनों की सघन जांच की जाएगी। निर्माण नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित भवन को सील करने समेत अन्य कार्रवाई की जाएगी। भवन के गिरने से छह लोगों की मौत हुई, वह करीब 55 वर्ग गज के प्लॉट पर बना था।

डॉक्टरों से मारपीट करने वाले नेताओं को हिरासत में लो, सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की घटना पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा डॉक्टरों के साथ मारपीट की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। सर्वोच्च अदालत ने सरकार को सख्त निर्देश दिया है कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले ऐसे राजनेताओं को तुरंत हिरासत में लिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी महाराष्ट्र के पालघर जिले के अस्पताल में शिवसेना नेताओं द्वारा डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों के साथ की गई मारपीट के एक दिन बाद आई है।

पालघर के रिलीफ अस्पताल में हंगामा- जानकारी के मुताबिक, यह घटना रविवार तड़के रिलीफ अस्पताल में हुई। दही हांडी उत्सव के दौरान घायल हुए एक व्यक्ति को अस्पताल से डिस्चार्ज देने के मुद्दे पर अस्पताल के गलियारों में अचानक विवाद और हंगामा शुरू हो गया। अस्पताल के एक कर्मचारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन संखे, शहर प्रमुख राहुल घरत और अन्य लोगों ने अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्रवेश किया और डॉक्टरों के साथ बहस करने लगे। स्थिति तब और बिगड़ गई जब पार्टी के कुछ सदस्य अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भी जबरन घुस गए।

संपादकीय

हर तरफ सिर्फ तबाही, हिमनद झीलों के खतरे को नजरअंदाज करना पड़ा भारी

नेपाल त्रासदी के बाद की जो तस्वीरें आई हैं वह बेहद ही मार्मिक हैं। इन्हें देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कुदरत की इस तबाही के बाद वहां का हाल कैसा है। न लोगों के पास रहने के लिए घर है और न ही सोने के लिए छत है। हर तरफ तबाही का मंजर था। कुदरत की इस तबाही के बाद वहां का हाल कैसा है। जहां तक नजर जाएगी वहां सिर्फ और सिर्फ टूटे मकान, बिखरे सामान और सड़कों पर रहने के लिए बेबस लोग नजर आएंगे। नेपाल और तिब्बत के सीमांत इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ ने प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। हिमनद टूटने और ग्लेशियल झीलों के बढ़ते खतरे के बीच भारत के हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम जैसे हिमालयी राज्यों के लिए भी यह बड़ी चेतावनी है। नेपाल और तिब्बत के सीमांत इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ के कारणों का विश्लेषण और नतीजों का आकलन अभी जारी रहेगा, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर इस जरूरत को रेखांकित किया है कि आशंकाओं की अनदेखी या उसके प्रति उदासीनता का परिणाम क्या हो सकता है। नेपाल का जो समूचा इलाका हिमनद टूटने की वजह से तबाह हो गया, जानमाल की व्यापक क्षति हुई, उसका आम लोग भले ही ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सके होंगे, लेकिन सरकार की नजर स्थानीय उथल-पुथल के संकेतों पर रहनी चाहिए थी।साथ ही अन्य देशों में ऐसी स्थितियों के असर की आशंका हो, तो वहां की एजंसियों के साथ तालमेल से कुछ एहतियाती कदम उठाए जा सकते थे। खासतौर पर तब, जब नेपाल-तिब्बत के इस इलाके में बर्फ और चट्टानों वाला हिमस्खलन होने और उसकी वजह से बाढ़ आने की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। ऐसे में सावधानी बरतना एक नियमित तकाजा था। हालांकि यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोकना संभव नहीं है, लेकिन अगर अचानक उपजने वाले खतरों को ध्यान में रख कर बचाव के पूर्व-इंतजाम किए जाएं, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।जाहिर है, अब नेपाल को अगले कुछ समय तक के लिए तबाह हो गए इलाकों में बचे-खुचे को संभालने, लापता लोगों की खोज, पुनर्वास और पुनर्निर्माण को लेकर कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। बेशक वह अपने स्तर पर यह सब करने की कोशिश करेगा, लेकिन ऐसे समय में दूसरे देशों की सहायता भी काफी मायने रखती है। प्रभावित सभी इलाकों में हुए नुकसान का आकलन सामने आने के बाद पूरी तस्वीर साफ होगी, लेकिन फिलहाल नेपाल के वित्त मंत्री का कहना है कि इस प्रलयंकारी बाढ़ से हुई क्षति की भरपाई के लिए देश को चार-पांच अरब डालर की जरूरत होगी। यह समझा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर पहले ही कई तरह के दबाव झेल रहे नेपाल के सामने अब इस त्रासदी की वजह से जो मुश्किल पैदा होगी, उससे निपटना उसके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा, इस बात का अध्ययन करने की जरूरत है कि व्यापक तबाही वाली इस बाढ़ की प्रकृति, रफ्तार और नुकसान पहुंचाने का दायरा इतना अलग क्यों था और इसकी वजहें क्या होंगी।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है।

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

(ललित गर्ग)

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षा की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए।

शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है। केवल पाठ्यक्रम बदलना पर्याप्त नहीं है। शिक्षक, विद्यालयी संस्कृति, परीक्षा प्रणाली, अभिभावकीय अपेक्षाएं और शिक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण-इन सभी में परिवर्तन आवश्यक है। यदि देश में 'एक जैसी शिक्षा' की बात हो रही है तो उसका अर्थ सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि समान गुणवत्ता और समान अवसर होना चाहिए। भारत की विविधता उसकी शक्ति है। स्थानीय भाषा, लोकज्ञान, क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए प्रत्येक बच्चे को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, वैश्विक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि की समान सुविधा मिलनी चाहिए।

आज शिक्षक दिवस पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हमारे विद्यालयों से कैसे मनुष्य निकल रहे हैं। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक विवेकशील, विनम्र, निर्भीक, करुणामय, सत्यनिष्ठ और उत्तरदायी बना रही है तो वह सफल शिक्षा है। भारत के पास दुनिया को देने के लिए केवल आधुनिक विज्ञान और तकनीकी प्रतिभा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की ज्ञान-संपदा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की महान परंपरा भी है। यदि आधुनिक विज्ञान और तकनीक का समन्वय भारतीय जीवन-मूल्यों के साथ कर दिया जाए तो भारत की शिक्षा व्यवस्था विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन की नहीं, चेतना परिवर्तन की है। केवल रोजगारपरक शिक्षा की नहीं, जीवनपरक शिक्षा की है। शिक्षक राष्ट्र का मौन शिल्पकार है। उसके हाथों में केवल एक विद्यार्थी का भविष्य नहीं, आने वाले भारत का चरित्र है। यदि शिक्षक जागेगा तो पीढ़ी जागेगी, पीढ़ी जागेगी तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश और विकसित, संस्कारित एवं विश्व का मार्गदर्शन करने वाले भारत की सबसे मजबूत आधारशिला हो सकती है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सत्य निकेतन हादसाः जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

ललित गर्ग

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था?

सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए। यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी।

भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है। सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी? मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है।

बिखरते रिश्तों के बीच अकेला पड़ता बचपन, बच्चों के मन पर पड़ रही परिवार की दरार

घर का तनावपूर्ण वातावरण बच्चों के व्यक्तित्व पर गहरा असर डालता है। माता-पिता के बीच रोज-रोज होने वाले झगड़े, कटुता और आरोप-प्रत्यारोप बच्चों को भीतर से अस्थिर कर देते हैं। ऐसे बच्चे कई बार अपने घर के माहौल की तुलना मित्रों और रिश्तेदारों के घरों से करने लगते हैं। जब उन्हें दूसरे परिवारों में सहजता और अपनापन दिखाई देता है, तो उनके भीतर शिकायतों और सवालों का एक संसार जन्म लेने लगता है, लेकिन अक्सर वे अपनी पीड़ा किसी से कह भी नहीं पाते। नकारात्मक व्यवहार और पारिवारिक कलह के बीच बड़े होते बच्चों के मन में अनेक प्रश्न दस्तक देने लगते हैं।

(मोनिका शर्मा)

आज के बच्चे कम उम्र में ही घर के बदलते माहौल को समझने लगे हैं, लेकिन विडंबना यह है कि एकल परिवारों में उनके पास अक्सर कोई मजबूत भावनात्मक सहारा नहीं होता। हाल ही में महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत ने बिखरते पारिवारिक परिवेश और बच्चों के भावनात्मक संसार को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। शुरुआत में खबर आई थी कि आइफोन की चाहत पूरी न होने पर 18 वर्षीय युवक ने पहाड़ी से कूदकर आत्महत्या कर ली। हालांकि पुलिस जांच में घटना के पीछे कहीं अधिक गंभीर और जटिल पारिवारिक परिस्थितियां सामने आईं। जांच के अनुसार, युवक अपने माता-पिता के बीच बढ़ती दूरियों और पारिवारिक संबंधों की उलझनों से मानसिक रूप से परेशान था।

बताया गया कि पारिवारिक विवादों से व्यथित युवक पहाड़ी पर खड़ा होकर माता-पिता को अपनी जान देने की धमकी दे रहा था। उसे बचाने के लिए पुलिस, अग्निशमन दल और परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। लंबे समय तक समझाइश, मिन्नतों और भावनात्मक अपीलों का दौर चलता रहा, लेकिन मानसिक रूप से बेहद तनावग्रस्त युवक पर किसी की बात का असर नहीं हुआ। उसे बचाने के प्रयास में उसके पिता का भी संतुलन बिगड़ गया और दोनों करीब 300 फीट नीचे जा गिरे। इस भयावह दृश्य के बीच वहां मौजूद मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत उस भावनात्मक संकट का प्रतीक है, जो परिवारों के भीतर चुपचाप आकार ले रहा है।

आज के बच्चे कम उम्र में ही घर के बदलते माहौल को समझने लगे हैं, लेकिन विडंबना यह है कि एकल परिवारों में उनके पास अक्सर कोई मजबूत भावनात्मक सहारा नहीं होता। कहीं माता-पिता के अलगाव की वर्षों तक चलने वाली कानूनी प्रक्रिया बच्चों को असुरक्षित बना देती है, तो कहीं एक ही छत के नीचे रहते हुए रिश्तों में आई खामोश दरारें उनके मन में भय पैदा करती रहती हैं।

घर का तनावपूर्ण वातावरण बच्चों के व्यक्तित्व पर गहरा असर डालता है। माता-पिता के बीच रोज-रोज होने वाले झगड़े, कटुता और आरोप-प्रत्यारोप बच्चों को भीतर से अस्थिर कर देते हैं। ऐसे बच्चे कई बार अपने घर के माहौल की तुलना मित्रों और रिश्तेदारों के घरों से करने लगते हैं। जब उन्हें दूसरे परिवारों में सहजता और अपनापन दिखाई देता है, तो उनके भीतर शिकायतों और सवालों का एक संसार जन्म लेने लगता है, लेकिन अक्सर वे अपनी पीड़ा किसी से कह भी नहीं पाते।नकारात्मक व्यवहार और पारिवारिक कलह के बीच बड़े होते बच्चों के मन में अनेक प्रश्न दस्तक देने लगते हैं। वे समझ नहीं पाते कि माता-पिता के बीच रोज-रोज की नाराजगी और तल्खी का कारण क्या है। उनके सामने सबसे बड़ी उलझन यह होती है कि आखिर कौन सही है और कौन गलत। कई बार माता-पिता अनजाने में बच्चों को अपने विवादों का हिस्सा बना लेते हैं और उनसे दूसरे अभिभावक के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने की अपेक्षा करते हैं। यह स्थिति बच्चे के मन पर असहनीय दबाव डाल सकती है।कई परिवारों में बच्चों को माता-पिता के हिंसक व्यवहार का भी सामना करना पड़ता है। पहले से तनाव और असुरक्षा से जूझ रहा बालमन ऐसे व्यवहार से आहत होता है। संवेदनात्मक स्तर पर अकेले पड़ते बच्चों में से कुछ घर छोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, तो कुछ गंभीर आत्मघाती विचारों की ओर बढ़ रहे हैं। पारिवारिक विवादों से जुड़े अध्ययनों में संकेत मिला है कि बच्चों के घर छोड़ने के पीछे बड़ों का अपमानजनक व्यवहार और घर का असुरक्षित वातावरण खास कारणों में शामिल होता है।

वास्तव में, बच्चे चाहे छोटे हों या किशोरावस्था में पहुंच चुके हों, उनकी दुनिया माता-पिता से गहराई से जुड़ी होती है। खुशी की चहक हो या सुरक्षा का एहसास, बालमन अपनी अनुभूतियों को परिवार के साये में ही आकार देता है। इसके विपरीत, लंबे समय तक माता-पिता के संबंधों में नकारात्मकता देखने वाले बच्चों का मन और मस्तिष्क इस उहापोह से अछूता नहीं रह सकता। उनका विश्वास टूटने लगता है, उम्मीदें बिखरने लगती हैं और भय तथा असुरक्षा धीरे-धीरे उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाते हैं।

सूचनाओं और तकनीक की भरमार वाले इस दौर में बच्चे पहले की तुलना में अधिक जागरूक हैं। वे घर के तनाव, आर्थिक समस्याओं, रिश्तों की दूरी और माता-पिता के व्यवहार को समझते और महसूस करते हैं। इसलिए अभिभावकों को भी बच्चों के मनोभावों को समझने के लिए अधिक संवेदनशील होना होगा। परिवार का तनावपूर्ण माहौल बच्चे के विकास के हर मोर्चे पर जोखिम पैदा कर सकता है। बच्चे निराशावादी हो सकते हैं और अपने मन की बातें साझा करना बंद कर सकते हैं।

मनोवैज्ञानिक शोध भी पारिवारिक अस्थिरता के बच्चों पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर संकेत करते हैं। अस्थिर पारिवारिक वातावरण में बड़े होने वाले बच्चों में चिंता, तनाव और कम आत्मसम्मान जैसी समस्याएं अधिक देखने को मिल सकती हैं। माता-पिता की उदासी, घर में लगातार विवाद, अपमानजनक व्यवहार और असुरक्षित वातावरण उनके विकास को प्रभावित करते हैं। कई बच्चे मानवीय संबंधों, विश्वास और संवाद की स्वस्थ समझ विकसित करने में कठिनाई महसूस करते हैं और अधूरे आत्मविश्वास के साथ बड़े होते हैं।

स्पष्ट है कि माता-पिता का मनमुटाव बच्चों के मन का वातावरण भी बदल देता है। अभिभावकों का अलगाव हो या साथ रहते हुए लगातार चलने वाली कटुता, दोनों ही स्थितियां बच्चों के जीवन को अशांति और उलझनों से भर सकती हैं। माता-पिता के बीच असहमतियों और नकारात्मक टिप्पणियों का प्रतिदिन सामना करने वाले बच्चों की जिंदगी कई बार दिशाहीन हो जाती है।

यह समस्या केवल आम परिवारों तक सीमित नहीं है। चर्चित और संपन्न परिवारों में भी रिश्तों का बिखराव बच्चों को प्रभावित करता है। यही कारण है कि न्यायालय भी वैवाहिक विवादों में बच्चों के हित और उनकी भावनात्मक स्थिरता को विशेष महत्त्व देते रहे हैं। कुछ समय पहले दिल्ली उच्च न्यायालय में एक वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान जुड़वां बच्चियों ने माता-पिता के झगड़ों और आपसी हिंसा को लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की थी। बच्चियों की बातों ने यह स्पष्ट कर दिया कि माता-पिता के विवादों की सबसे बड़ी कीमत अक्सर बच्चे चुकाते हैं।

ऐसे में जरूरी है कि अभिभावक केवल तलाक या अलगाव की प्रक्रिया के दौरान ही नहीं, बल्कि साथ रहते हुए भी अपने संबंधों में संयम और सहजता बनाए रखने का प्रयास करें। मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन बच्चों के सामने अपमान, हिंसा और कटुता का प्रदर्शन उनके मन पर स्थायी घाव छोड़ सकता है। अगर रिश्ते बचाना संभव न हो, तो भी बच्चों के हित में सम्मानजनक संवाद और सहयोगपूर्ण सह-अभिभावकत्व आवश्यक है।

बच्चे अक्सर शब्दों से अधिक अपने माता-पिता के व्यवहार से सीखते हैं। इसलिए बड़ों का संवेदनशील, संयमित और संतुलित व्यवहार ही बच्चों के मनोविश्व को सुरक्षित रख सकता है। रिश्तों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन बच्चों का बचपन मतभेदों की भेंट नहीं चढ़ना चाहिए। आखिर एक सुरक्षित, प्रेमपूर्ण और संवादपूर्ण परिवार ही उस मजबूत पीढ़ी की नींव रख सकता है, जो जीवन की चुनौतियों से टूटने के बजाय उनका सामना करना सीखे।

गीता ज्ञान संस्थानम् में 'जानो गीता, मानो गीता' एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

कुरुक्षेत्र, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज के सान्निध्य में गीता ज्ञान संस्थानम् के सभागार में एक दिवसीय 'जानो गीता, मानो गीता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जीओ गीता के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला का मूल उद्देश्य श्रीमद्भगवद्गीता के सनातन एवं जीवनोपयोगी संदेश को जन-जन तक पहुंचाना तथा उसके आध्यात्मिक, नैतिक एवं व्यावहारिक पक्ष को जीवन से जोड़ना रहा। इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में गीता की पृष्ठभूमि, गीता का परिचय एवं प्रासंगिकता, कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञानयोग तथा समता, समरसता एवं सद्भावना जैसे विषयों पर विद्वान वक्ताओं द्वारा सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज एवं उपस्थित विद्वान वक्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। जीओ गीता के उपाध्यक्ष डॉ. मार्कण्डेय आहूजा ने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज का स्वागत किया तथा जीओ गीता के उद्देश्यों एवं गतिविधियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। 'जानो गीता, मानो गीता' एक दिवसीय कार्यशाला के प्रथम सत्र का विषय 'गीता जी की पृष्ठभूमि' रहा। इस सत्र में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज ने 'क्यों पढ़ें भगवद्गीता' विषय पर अपना

प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने गीता के शाश्वत संदेश को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों से जोड़ते हुए इसके अध्ययन एवं मनन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। गीत मनीषी ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक आध्यात्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को कर्तव्य, विवेक, आत्मसंयम, सकारात्मक चिंतन एवं लोककल्याण की दिशा प्रदान करने वाला शाश्वत जीवन-दर्शन है। सेवानिवृत्त आईएएस एवं जीओ गीता की संस्थापक सदस्य डॉ. सुमेधा कटारिया ने महाभारत युद्ध के कारण एवं कुरुक्षेत्र का वर्णन विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता ने 'श्रीमद्भगवद्गीता और विश्व-समुदायः विचार, चरित्र और जीवन-मूल्य' विषय पर प्रकाश डाला।ह जीएमएन कॉलेज अंबाला कैंट के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने 'युद्धभूमि में गीता - अशांति और दुविधा के वातावरण में शांति- संदेश' विषय के माध्यम से बताया कि विषम एवं तनावपूर्ण परिस्थितियों में भी गीता मनुष्य को धैर्य, विवेक और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। सत्र के अंत में स्वामी ज्ञानानन्द महाराज ने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए गीता के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया। द्वितीय सत्र में 'भगवद्गीता परिचय एवं प्रासंगिकता' विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। इसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. तजिंदर शर्मा ने 'नामकरण, अध्याय परिचय एवं गीता महिमा' विषय पर गीता के स्वरूप, संरचना एवं महत्त्व को स्पष्ट किया। सेवानिवृत्त आईएएस एवं जीओ गीता उत्तर प्रदेश के संयोजक मणि प्रसाद मिश्र ने 'उवाच पात्र परिचय एवं प्रेरणा' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर डॉ. विवेक कोहली ने 'गीता के प्रेरणा सूत्र' के माध्यम से गीता के प्रमुख जीवन-संदेशों को सरल एवं व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत किया। तृतीय सत्र में गीता के तीन योग विषय पर चर्चा हुई। इसमें कर्मयोग -'स्वार्थी नहीं, परमार्थी', भक्तियोग -'शांत, स्थिर एवं सरल मन का सशक्त आधार' तथा ज्ञानयोग -'बौद्धिक जागरूकता एवं जीवन प्रबंधन' जैसे विषयों पर डॉ. मार्कण्डेय आहूजा ने विस्तार से प्रकाश डाला। चतुर्थ सत्र 'गीता यात्रा' को समर्पित रहा। इस अवसर पर चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा की डॉ. आरती गौड़ ने गीता एवं समता के संबंध पर विचार प्रस्तुत करते हुए 'गीता यात्रा' के माध्यम से गीता के संदेश को दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

कला कीर्ति भवन में दो दिवसीय मंच संचालन कार्यशाला का आयोजन

आवेदन की अंतिम तिथि 10 सितंबर

थानेसर, संजीव कुमारी 7 सितंबर : हरियाणा कला परिषद द्वारा प्रदेश के युवाओं और कला प्रेमियों को मंच संचालन की बारीकियों से अवगत करवाने के लिए 19 और 20 सितंबर 2026 को कुरुक्षेत्र स्थित कला कीर्ति भवन में दो दिवसीय मंच संचालन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में कुशल प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को मंच संचालन के गुर सिखाए जाएगे। यह जानकारी हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष महेश जोशी ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के लिए आवेदन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है।

आवेदन की अंतिम तिथि 10 सितंबर है। प्राप्त आवेदनों में से कमेटी द्वारा कुल 50 प्रतिभागियों का ही चयन किया जाएगा। जिन्हें मंच उद्घोषक जैनेंद्र सिंह सहित अन्य प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। 19 व 20 सितम्बर को आयोजित कार्यशाला का समय प्रातः 9 बजे से शाम 7 बजे तक रहेगा। महेश जोशी ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला में भाग लेने के लिए आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है। किंतु प्रतिभागी का हरियाणा का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। आवेदक को अपना पूर्ण परिचय, पूरा पता, संपर्क सूत्र और आधार कार्ड ईमेल के माध्यम से भेजना होगा। इसके साथ ही किसी भी विषय पर मंच संचालन करते हुए अपना 1 से 3 मिनट का एक वीडियो लिंक उपलब्ध करवाना होगा। प्रतिभागियों का अंतिम चयन उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए वीडियो के आधार पर ही किया जाएगा। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों के लिए दोनों दिन भोजन की व्यवस्था तथा दूर- दराज से आने वाले प्रतिभागियों के लिए रात्रि ठहराव की व्यवस्था भी हरियाणा कला परिषद द्वारा की जाएगी। कार्यशाला के समापन पर सभी सफल प्रतिभागियों को ग्रेड निर्धारण के साथ सहभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। महेश जोशी ने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी अपना आवेदन ईमेल आई डी पर भेज सकते हैं। कार्यशाला से जुड़ी अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी या पूछताछ के लिए आधिकारिक मोबाइल नंबर 8396000183 पर संपर्क किया जा सकता है।

मेगा रोजगार मेले में युवाओं को मिले मौके पर ही नियुक्ति पत्र

▶▶ विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने युवाओं को किया प्रोत्साहित

रेवाड़ी। जिला रोजगार कार्यालय रेवाड़ी एवं राजकीय प्रौद्योगिक संस्थान रेवाड़ी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को बाल भवन, रेवाड़ी में मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने युवाओं एवं नियोक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और विकसित भारत के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने उपस्थित युवाओं एवं नियोक्ताओं को विकसित भारत-2047 की प्रतिज्ञा दिलाई तथा युवाओं से देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मेहनत, कौशल और सकारात्मक सोच के माध्यम से युवा अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली ने कहा कि रोजगार मेले युवाओं और उद्योगों के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी क्षमता और कौशल का निरंतर विकास करने का आह्वान करते हुए कहा कि आज युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने नियुक्ति पाने वाले युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला रोजगार अधिकारी दिनेश तंवर ने बताया कि मेगा रोजगार मेले में हीरो टेक्निको, निप्पोन, जीएलएस, मोल्ड-टेक सहित 20 से अधिक प्रतिष्ठित नियोक्ताओं ने भाग लिया। रोजगार मेले में करीब 800 युवाओं ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई, जिनमें से 750 युवाओं को विभिन्न कंपनियों द्वारा मौके पर ही नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर एडीसी राहुल मोदी, एसडीएम रेवाड़ी दलबीर सिंह, भाजपा जिला महामंत्री कुलदीप चौहान आदि उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति केंद्र रेवाड़ी का किया दौरा

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार डॉ. रेनू सोलखे, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी ने सोमवार को नशा मुक्ति केंद्र रेवाड़ी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र के कार्यों की समीक्षा की। नशा मुक्ति केंद्र में संदीपा काउंसलर ने बताया कि नशा मुक्ति केंद्र में 6 रोगी फिलहाल उपस्थित हैं।

रोगियों की समय समय पर काउंसलिंग की जाती है व उन्हें नशा छोड़ने के प्रति जागरूक किया जाता है। इस निरीक्षण में सीजेएम डॉ. रेनू सोलखे ने बताया कि कानूनी सहायता और उनकी सेवाओं के बारे में सभी को जागरूक किया जाए ताकि कानून की सहायता का लाभ उठा सके। विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के लिए निशुल्क कानूनी सेवाओं की पेशकश करना व साथ में उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने का प्रयास करता है। इस दौरान डॉ. रेनू सोलखे ने सभी को नशा न करने के बारे में प्रेरित किया तथा उससे होने वाले नुकसान के बारे में उनको अवगत करवाया।

चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने गांव पलवल में फसल अवशेष प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

कुरुक्षेत्र, प्रमोद कौशिक : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र द्वारा जिले के गांव किरमच में फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर ग्राम स्तरीय जागरूकता शिविर का आयोजन सोमवार को किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉक्टर नरेश कौशिक के दिशानिर्देशानुसार तथा कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र के वरिष्ठ समन्वयक डॉक्टर बलजीत सिंह सहारण की देखरेख में किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अश्वनी कुमार (पौध रोग) तथा डॉक्टर सरिता रानी (सस्य विज्ञान) ने शिरकत की। वैज्ञानिक डॉक्टर सरिता रानी ने फसल अवशेष प्रबंधन करने से होने वाले फायदों की जानकारी देते हुए किसानों को अपने खेत की पराली ना जलाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने

बताया कि धान की पराली जलाने से मिट्टी, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को नुकसान होता है। पराली जलाने से होने वाले धुएं से आंखों में जलन, सांस लेने में परेशानी तथा अस्थमा के मरीजों को काफी दिक्कत होती है जबकि इन्हीं फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाने से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है। डा. अश्विनी कुमार ने किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के महत्व पर जानकारी देते हुए इस दिशा में एकजुट होकर काम करने का निवेदन किया। उन्होंने किसानों को फसलों में रोग प्रबंधन के बारे में भी बताया। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा जिले में किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी देने के लिए समय समय पर ग्राम स्तरीय, खंड स्तरीय, जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रमों, खेत दिवस तथा किसान मेला आदि का आयोजन किया जाता है जिससे किसानों को यथा समय जानकारी मिलती रहती है। गांव के किसानों ने वैज्ञानिकों से कृषि संबंधित कई विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सरपंच रणवीर सिंह की अगुवाई में कृषि विभाग से मोहित कुमार (कृषि पर्यवेक्षक) ने भरपूर सहयोग दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रगतिशील किसान सुभाष कुमार ने कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों का गांव में पधारने और जानकारियां साझा करने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम में गांव के किसानों वीरेन्द्र बूरा, राजपाल, सुभाष सिंह, दिनेश सिंह, जोगध्यान सिंह, मामचंद सहित 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

समाधान शिविर: प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का किया जा रहा निवारण-डीसी

● डीसी अभिषेक मीणा ने सुनी समाधान शिविर में आमजन की समस्याएं

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार की ओर से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में जनसेवा को समर्पित समाधान शिविर नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए कारगर साबित हो रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को लगाए जा रहे समाधान शिविर में शिकायतों का निवारण करते हुए लोगों को राहत प्रदान की जा रही है। डीसी अभिषेक मीणा ने सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आमजन की शिकायतों को सुनते हुए समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया। गांव जैतड़ावास में मकान से हाई वोल्टेज लाइन को हटवाने की शिकायत पर डीसी ने डीएचबीवीएन के अधिकारियों को उचित कार्यवाही करते हुए लाइन हटवाने के निर्देश दिए। विजय नगर गली नंबर-15 में अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण की शिकायत पर डीसी ने नगर परिषद के अधिकारियों को अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए। गांव मामडिया आसमपुर में रास्ते के बीच में पोल को हटवाने की शिकायत पर डीसी ने डीएचबीवीएन के अधिकारियों को रास्ते से पोल हटवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा समाधान शिविर में जमीनी विवाद, अवैध कब्जे, बिजली, पानी, रास्ते पक्का करवाने, पुलिस विभाग सहित अन्य शिकायते सामने आई जिनका डीसी ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की वृद्धि और रोजगार सृजन में बैंकों व वित्तीय संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका : आरबीआई जीएम पंकज

आरबीआई चंडीगढ़ ने एमएसएमई बैंकरों के लिए दो दिवसीय एनएएमसीएबीएस कार्यशाला की आयोजित।

कुरुक्षेत्र, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) चंडीगढ़ द्वारा कुरुक्षेत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए बैंकर्स की वित्तपोषण क्षमता निर्माण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय मिशन (एनएएमसीएबीएस) कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्घाटन भारतीय रिजर्व बैंक चंडीगढ़ के महाप्रबंधक आफिसर- इन-चार्ज पंकज सेतिया ने किया। आईबीआई चंडीगढ़ के महाप्रबंधक आफिसर- इन-चार्ज पंकज सेतिया ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की वृद्धि और रोजगार सृजन में बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। यह कार्यशाला भागीदारों के लिए उत्तम पद्धतियों, नीतिगत दिशानिर्देशों तथा एमएसएमई वित्तपोषण के नवीन दृष्टिकोणों के संबंध में अपनी जानकारी अद्यतन करने का एक अवसर है। उन्होंने बैंकरों से आह्वान किया कि वे अधिक संवेदनशील एवं उद्यम मित्र दृष्टिकोण अपनाए, विशेषता वर्तमान वैश्विक परिवेश में, जहां स्थानीय विनिर्माण को सुदृढ़ करना

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान आयोजित तकनीकी सत्रों का संचालन आरबीआई, सिडबी, एमएसएमई डीएफओ और ट्रांसयूनियन सिबिल के विषय-विशेषज्ञों तथा वाणिज्यिक बैंकों के अनुभवी संकाय सदस्यों द्वारा किया गया। इन सत्रों में एमएसएमई ऋण आकलन, जोखिम प्रशमन, फिनटेक समाधान और नियामक स्तर पर हुए परिवर्तनों के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। बैंकरों ने कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु रिजर्व बैंक की पहल की सराहना व्यक्त की तथा उन्होंने बताया कि प्राप्त ज्ञान से उन्हें व्यावहारिक स्तर पर लाभक्षम एमएसएमई इकाइयों को अधिक प्रभावी ढंग से सहयोग प्रदान करने में सहायता मिलेगी। एनएएमसीएबीएस कार्यशाला को बैंकरों को उद्यमिता को पोषित करने, औपचारिक वित्त तक पहुंच का विस्तार करने और एमएसएमई क्षेत्र की सतत वृद्धि को गति देने हेतु अपेक्षित व्यावहारिक अंतर्दृष्टि एवं उपकरणों से सुसज्जित करने की एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। इस मौके पर पंजाब नेशनल बैंक के सीजीएम आशीष कुमार चतुर्वेदी, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के जीएम बिनोद कुमार सिन्हा, एचडीएफसी बैंक के जोनल हेड धीरज सेठी और हरियाणा ग्रामीण बैंक के जीएम वेद प्रकाश सहित हरियाणा के अंबाला, पंचकूला, कुरुक्षेत्र, करनाल और यमुनानगर जिलों के 21 अलग-अलग बैंकों के लगभग 80 बैंकर शामिल हुए, जो एमएसएमई को लोन देने का काम देखते है।

कोसली के वीर सपूत ब्रिगेडियर राय सिंह यादव की मूर्ति का अनावरण 11 सितंबर को

● महावीर चक्र से सम्मानित वीर योद्धा की स्मृति को समर्पित होगा गौरवपूर्ण आयोजन

कोसली, (सुनील नठेडा) हरियाणा की वीर भूमि ने देश को अनेक वीर सैनिक दिए हैं। कोसली गांव भी अपनी सैन्य परंपरा और वीर जवानों के लिए विशेष पहचान रखता है। इसी धरती पर जन्मे ब्रिगेडियर राय सिंह यादव, महावीर चक्र ने भारतीय सेना में अदम्य साहस, नेतृत्व और देशभक्ति की ऐसी मिसाल कायम की, जिसे देश लंबे समय तक याद रखेगा। ब्रिगेडियर राय सिंह यादव का जन्म 17 मार्च 1925 को कोसली में हुआ था। उनके पिता राय साहिब गणपत सिंह ब्रिटिश भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे चुके थे। राय सिंह यादव ने जालंधर के किंग जॉर्ज मिलिट्री स्कूल से शिक्षा प्राप्त की और इसके बाद भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में अपना सैन्य जीवन शुरू किया। ब्रिगेडियर राय सिंह यादव ने अपने शानदार सैन्य जीवन के दौरान अनेक महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां निभाईं। वे 2 ग्रेनेडियर्स से जुड़े और आगे चलकर इसकी कमान संभाली। अनुशासन, साहस और अपने सैनिकों का

ब्रिगेडियर रायसिंह यादव कोसलिया
महावीर चक्रा

मनोबल बढ़ाने की क्षमता के कारण उन्होंने सेना में विशिष्ट पहचान बनाई। उनके नेतृत्व में सैनिकों ने कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना किया। वे हमेशा अपने सैनिकों के साथ मजबूती से खड़े रहे और नेतृत्व का उदाहरण अग्रिम मोर्चे से प्रस्तुत किया।

नाथू ला संघर्ष में दिखाई अदम्य वीरता- साल 1967 का नाथू ला संघर्ष भारतीय सैन्य इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं में शामिल है। सिक्किम के नाथू ला क्षेत्र में भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच गंभीर सैन्य टकराव हुआ। उस समय लेफ्टिनेंट कर्नल राय सिंह यादव 2 ग्रेनेडियर्स के कमांडिंग ऑफिसर थे। कठिन परिस्थितियों के बीच उन्होंने अपने सैनिकों का साहस और नेतृत्व के साथ मार्गदर्शन किया। संघर्ष के दौरान वे गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने सैनिकों को दिशा-निर्देश देना जारी रखा और उनका मनोबल बनाए रखा। उनके असाधारण साहस, नेतृत्व और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए उन्हें देश के दूसरे सर्वोच्च युद्ध कालीन वीरता पुरस्कार महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। उनकी वीरता के कारण नाथू ला संघर्ष में उनका नाम विशेष सम्मान के साथ लिया जाता है।

कोसली और रेवाड़ी क्षेत्र के लिए गौरव- ब्रिगेडियर राय सिंह यादव केवल भारतीय सेना के लिए ही नहीं, बल्कि कोसली और पूरे रेवाड़ी क्षेत्र के लिए गौरव हैं। उनकी वीरगाथा आज भी युवाओं और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि देशसेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण है। विपरीत परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारना, साथियों का मनोबल बनाए रखना और देशहित को सर्वोपरि रखना उनके जीवन की प्रमुख विशेषताएं थीं।

11 सितंबर को होगा मूर्ति का अनावरण- कोसली के इस महान वीर सपूत की स्मृति को चिरस्थायी बनाने और आने वाली पीढ़ियों को उनकी वीरगाथा से परिचित कराने के उद्देश्य से 11 सितंबर को ब्रिगेडियर राय सिंह यादव की मूर्ति का अनावरण किया जाएगा। यह कार्यक्रम कोसली तथा पूरे रेवाड़ी क्षेत्र के लिए गौरव का अवसर होगा। मूर्ति के माध्यम से वीर सपूत की स्मृति को सम्मान देने के साथ-साथ युवाओं को राष्ट्र सेवा, साहस, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा भी मिलेगी।

वीर सपूत को सच्ची श्रद्धांजलि- ब्रिगेडियर राय सिंह यादव का निधन 23 मार्च 2017 को हुआ। वे अपने पीछे भारतीय सेना की वीरता, नेतृत्व और देशभक्ति की गौरवशाली विरासत छोड़ गए। उनकी वीरता आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। 11 सितंबर को होने वाला मूर्ति अनावरण कार्यक्रम उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। समस्त क्षेत्रवासियों, पूर्व सैनिकों, युवाओं, सामाजिक संगठनों एवं गणमान्य नागरिकों से अपील है कि इस गौरवपूर्ण अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कोसली के वीर सपूत ब्रिगेडियर राय सिंह यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करें और उनकी वीरगाथा को नमन करें। 'वीर कभी मरते नहीं, वे अपनी वीरता और शौर्य की कहानी के रूप में सदैव जीवित रहते हैं।'

मुख्यमंत्री के लाडवा कार्यक्रम को लेकर कार्यक्रम व हैलीपैड स्थल के आसपास ड्रोन उड़ाने पर रहेगा प्रतिबंध: विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र/लाडवा, जिलाधीश एवं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का लाडवा हल्का में एक कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री हैलीकाप्टर के माध्यम से लाडवा पहुंचेंगे और वापिस हैलीकाप्टर द्वारा ही आगामी स्थान के लिए प्रस्थान करेंगे। सुरक्षा की दृष्टिगत मुख्यमंत्री के हवाई मार्ग और सडक़ मार्ग के प्रस्थान के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बीएनएसएस 2023 की धारा 163 के तहत आदेश पारित किए गए है। जिलाधीश विश्राम कुमार मीणा ने जारी आदेशों में कहा है कि मुख्यमंत्री के लाडवा में प्रस्तावित दौरे के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से कानूनी व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के लिए 8 सितंबर को कार्यक्रम स्थलों व सडक़ मार्गों तथा उसके आसपास 75 मीटर के दायरा तक सडक़ के दोनो तरफ कोई भी वाहन खड़ा ना करे। इसके साथ-साथ कार्यक्रम स्थलों व सडक़ मार्गों के 2 किलोमीटर की परिधी क्षेत्र में लाठी- डंडे, तलवार, गंडासी, ज्वलनशील पदार्थ व अन्य किसी भी प्रकार के घातक हथियार, खुला पेट्रोल, डीजल की बोतल/केन पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल व हैलीपैड स्थल के आसपास ड्रोन व अन्य किसी भी प्रकार के रिमोट चालित यंत्रों पर भी पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। इन आदेशों की अवहेलना में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 223 के तहत नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

युवा शक्ति हरियाणा के विकास और विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

युवाओं को नशे से दूर रखने और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दें भाजयुमो कार्यकर्ता भाजयुमो के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अक्षित दहिया ने संभाला पदभार

● एबीवीपी और भाजयुमो दुनिया के प्रमुख युवा संगठनों में शुमार

पंचकूला। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की युवा शक्ति प्रदेश के विकास और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और सामर्थ्य को सही दिशा देना भाजपा की प्राथमिकता है। भाजपा युवा मोर्चा केवल राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। मुख्यमंत्री सोमवार को पंचकूला स्थित पंचकमल प्रदेश भाजपा कार्यालय में भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री अक्षित दहिया के पदभार ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने श्री अक्षित दहिया को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में युवा मोर्चा हरियाणा के युवाओं के बीच संगठन की पहुंच को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा में कोई भी पद केवल सम्मान नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। पार्टी की कार्यसंस्कृति में पद का अर्थ अधिक सेवा, अधिक परिश्रम और अधिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की यही विशेषता है कि यहां साधारण परिवार से आने वाला मेहनती कार्यकर्ता भी अपनी क्षमता, परिश्रम और समर्पण के बल पर संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व तक पहुंच सकता है।

युवा केवल भविष्य नहीं, वर्तमान के निर्माता- मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का युवा केवल भविष्य की उम्मीद नहीं, बल्कि वर्तमान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं को नई तकनीक, स्टार्टअप, कौशल विकास, उद्यमिता और रोजगार के नए अवसरों के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवा खेल, शिक्षा, तकनीक, उद्योग, स्टार्टअप और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि युवाओं को रोजगार, कौशल विकास, खेल, शिक्षा और स्वरोजगार के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध हो। युवाओं की प्रतिभा को अवसर देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

हर बूथ पर युवा शक्ति को संगठन से जोड़ने का आह्वान- श्री सैनी ने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे हर बूथ तक पहुंचकर युवाओं से संवाद करें और उन्हें राष्ट्र निर्माण की सकारात्मक सोच से जोड़ें। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा को ऐसे युवाओं तक भी पहुंचना होगा, जो अभी राजनीति से दूर हैं। उन्हें बताना होगा कि लोकतंत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी देश और समाज को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि युवा कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें और जरूरतमंद परिवारों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करें। नशे के खिलाफ जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, खेलों को बढ़ावा देना, डिजिटल माध्यमों पर सकारात्मक संवाद और सामाजिक सेवा जैसे विषयों को युवा मोर्चा अपने अभियानों का हिस्सा बनाए।

भारत की युवा शक्ति भाजपा की ताकत- मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी निरंतर भारत की युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देने के लिए कार्य कर रहे हैं। हमारा युवा रोजगार पाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी बने, इसके लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत युवाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहल भारतीय युवाओं को अपनी प्रतिभा और उद्यमिता को आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत की युवा शक्ति भाजपा की ताकत बन गई है। राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ आगे बढ़ रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और भारतीय जनता युवा मोर्चा युवाओं को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन संगठनों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवा सामाजिक सरोकारों, राष्ट्र निर्माण और सेवा कार्यों से जुड़ रहे हैं।

सेवा और संगठन भाजपा की पहचान- मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय ही नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में समाज के साथ खड़ा रहता है। यही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को अपनी पहचान केवल राजनीतिक गतिविधियों से नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक सरोकारों से बनानी चाहिए। उन्होंने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री अक्षित दहिया से कहा कि वे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ लेते हुए अधिक से अधिक नए युवाओं को संगठन से जोड़ें तथा प्रत्येक कार्यकर्ता को साथ लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि संगठन और सरकार युवाओं के सशक्तिकरण से जुड़े हर सकारात्मक प्रयास में पूरी मजबूती के साथ सहयोग करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के युवाओं में वह सामर्थ्य है, जो प्रदेश को विकास के नए शिखर पर ले जा सकता है। युवा शक्ति को संगठन की शक्ति और राष्ट्र निर्माण की शक्ति बनाकर ही विकसित हरियाणा और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा, पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, प्रदेश महामंत्री संगठन श्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री श्री गोपाल शर्मा, श्री वेद फुल्लां सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, युवा मोर्चा के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्याय-व्यवस्था को इस प्रकार सुदृढ़ करें कि न्याय पंक्ति के अंतिम जन तक पहुंच सके :राजेश चौधरी

हरियाणा पुलिस अकादमी में न्यायिक अधिकारियों के लिए 05 दिवसीय कार्यशाला आयोजित

सुरेन्द्र पांचाल भेदी नजर घरौंडा: आज हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन के सरदार पटेल सम्मेलन कक्ष में ज्युडिशियल अकादमी चण्डीगढ़ के तत्वावधान में हरियाणा पुलिस अकादमी के सहयोग से हरियाणा राज्य के नवनियुक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अधिकारियों के लिए पुलिस प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। पाँच दिवसीय इस कार्यशाला में हरियाणा राज्य के 09 नवनियुक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अधिकारी भाग ले रहे है। इस कार्यशाला का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस अवसर पर कोर्स डायरेक्टर श्रीमती गीतांजली, जिला न्यायवादी ने कोर्स की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रतिभागी अधिकारियों व अकादमी के अधिकारियों ने समूह चित्र भी कराया। कोर्स डायरेक्टर श्रीमती गीतांजली ने अतिथि वक्ता राजेश चौधरी, डिप्टी

डायरेक्टर प्रोसिक्यूशन, पानीपत, को पौधा भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि वक्ता श्री राजेश चौधरी ने सत्र को संबोधित करने का अवसर प्रदान करने के लिए निदेशक अकादमी श्रीमती चारू बाली का आभार व्यक्त किया, उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि न्याय मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण तत्व है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्याय सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस महत्वपूर्ण दायित्व के निर्वहन में न्यायिक अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि न्यायाधीश न्याय प्रणाली के चार प्रमुख स्तंभों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को अपनी सकारात्मक सोच, विवेकशीलता एवं दूरदृष्टि का परिचय देते हुए न्याय-व्यवस्था को इस प्रकार सुदृढ़ करना चाहिए कि न्याय समाज के अंतिम जन तक भी सहजता से पहुंच सके।

इससे आमजन का न केवल न्याय प्रणाली, बल्कि कानून के प्रति भी विश्वास और मजबूत होगा। राजेश चौधरी ने चालान की जांच (आरोप-पत्र) विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए इस संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर दिए गए महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक निर्णयों पर भी गहनता से चर्चा की। उन्होंने इन निर्णयों के व्यावहारिक एवं कानूनी पहलुओं को स्पष्ट करते हुए न्यायिक प्रक्रिया में उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्रीमती गीतांजली, जिला न्यायवादी, सुरेन्द्र कुमार, उप जिला न्यायवादी सहित अकादमी के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

उपायुक्त डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने वाहन चालकों से की यातायात नियमों का पालन करने की अपील

● वाहन चालक नशे में ड्राइविंग और लापरवाही से अ.ोवरटेक करने जैसी गतिविधियों से बचें

पलवल। उपायुक्त डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने वाहन चालकों से सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वाहन चालक सड़क यातायात व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनकी जिम्मेदारी केवल स्वयं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि सड़क पर चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की सुरक्षा भी उनसे जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा क वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करना प्रत्येक चालक का नैतिक कर्तव्य है। चालक निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाएं तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग, नशे की हालत में ड्राइविंग और लापरवाही से ओवरटेक करने जैसी गतिविधियों से पूरी तरह बचें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर सड़क दुर्घटना का कारण बन सकती है। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चालकों और यात्रियों से सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय सड़क पर पैदल चलने वालों, साइकिल सवारों, बुजुर्गों, बच्चों और अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि वाहन चालक अपने वाहनों की नियमित रूप से जांच करवाएं और ब्रेक, टायर, लाइट, इंडिकेटर सहित अन्य आवश्यक उपकरणों को दुरुस्त रखें। सार्वजनिक एवं वाणिज्यिक वाहन चालक निर्धारित समय और क्षमता के अनुरूप ही वाहन संचालित करें तथा यात्रियों के साथ शालीन व्यवहार करें। उपायुक्त डा. जयेन्द्र ड्क्षसह छिल्लर ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकार और जिला प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी वाहन चालक संकल्प लें कि वे स्वयं भी यातायात नियमों का पालन करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। नियमों का पालन करके ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है और सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने ऑटो चालकों से आह्वान किया कि वे सड़क के बीच सवारी न तो बैठाएं और न ही उतारें। सवारियों को साइड में ऑटो खड़ा करके बैठाएं और उतारें।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर ट्रैफिक पुलिस की सख्ती, जगह-जगह होगी चेकिंग

हेलमेट और सीट बेल्ट जरूरी, नियम उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

● चालान के साथ जागरूकता पर भी जोर, सड़क हादसे रोकने को ट्रैफिक पुलिस का अभियान

नूंह जुबैर खान नूंह जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस की ओर से सख्ती की जाएगी। पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर वाहनों की जांच करने के साथ-साथ वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि सड़क सुरक्षा के लिए प्रत्येक वाहन चालक का नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना और कार अथवा अन्य चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है। ट्रैफिक थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य चालान करना ही नहीं, बल्कि लोगों को

यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना भी है। इसके लिए समय-समय पर चेकिंग अभियान चलाए जाएंगे। नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे खुद भी यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिवार के सदस्यों को भी इसके लिए प्रेरित करें। खासकर दोपहिया वाहन चालक हेलमेट का इस्तेमाल जरूर करें। थोड़ी सी सावधानी सड़क हादसों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। पुलिस का प्रयास है कि जिले की सड़कों पर यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ हादसों में भी कमी आए।

मतदाता दावा एवं आपत्ति दर्ज करवाने के लिए अंतिम तिथि का इंतजार न करें : जिला निर्वाचन अधिकारी

● जिला में प्रभावी रूप से जारी है मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान

पलवल। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला पलवल में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य मिशन मोड में जारी है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने साथ-साथ परिवार के सभी पात्र सदस्यों के नाम मतदाता सूची में अवश्य जांचें। यदि मतदाता सूची में किसी प्रकार की कमी या त्रुटि दिखाई देती है, तो निर्धारित प्रपत्र के माध्यम से जल्द से जल्द दावा एवं आपत्ति दर्ज कराएं, इसके लिए अंतिम तिथि का इंतजार न करें। उन्होंने बताया कि एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां 30 सितंबर 2026 तक दर्ज कराई जा सकती हैं। इसके बाद प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का नियमानुसार निपटारा किया जाएगा तथा 28 अक्टूबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियों के निपटान की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके उपरांत 6 नवंबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

नाम जोडने़, संशोधन और नाम हटाने के लिए इन फॉर्म का करें इस्तेमाल; जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न प्रकार के दावों एवं आपत्तियों के लिए निर्धारित प्रपत्रों की जानकारी देते हुए बताया कि दी है। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो फॉर्म-6 के माध्यम से नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया जा सकता है। मतदाता सूची में नाम, पता, आयु, फोटो अथवा अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि है, तो फॉर्म-8 के माध्यम से संशोधन कराया जा सकता है। किसी मृत, अपात्र अथवा स्थानांतरित मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज है, तो उसके संबंध में फॉर्म-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

एक बार जरूर जांचें अपना नाम, परिवार के पात्र सदस्यों को भी करें जागरूक; जिला निर्वाचन अधिकारी ने आमजन से अपील की है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम, पता और अन्य विवरण ध्यानपूर्वक जांचें। विशेष रूप से 18 वर्ष या इससे अधिक आयु के पात्र नागरिक यह सुनिश्चित करें कि उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है। साथ ही परिवार में यदि कोई पात्र सदस्य पहली बार मतदाता बनने योग्य हुआ है, तो उसका नाम भी मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें। उपायुक्त ने बताया कि नागरिक अपने क्षेत्र के बीएलओ, ईआरओ अथवा एईआरओ से संपर्क कर मतदाता सूची से संबंधित जानकारी एवं सहायता प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया है कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार के प्रति जागरूक बने और 30 सितंबर 2026 से पहले मतदाता सूची में अपना नाम एवं विवरण अवश्य जांच लें।

कोसली बार की सहसचिव बनीं निशा यादव,

▶▶ निर्विरोध चुने जाने पर जताया आभार

कोसली, (सुनील नठेडा) कोसली बार एसोसिएशन के चुनाव में अधिवक्ता निशा यादव को सहसचिव पद पर निर्विरोध चुना गया। उनके निर्विरोध निर्वाचन से साथी अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल है। अधिवक्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। निशा यादव ने निर्विरोध चुने जाने पर बार के सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि बार के हितों और अधिवक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाना उनका प्रयास रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी अधिवक्ताओं के सहयोग और मार्गदर्शन से बार एसोसिएशन को और मजबूत बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उनके निर्विरोध निर्वाचन पर अधिवक्ताओं ने इसे संगठन के प्रति विश्वास का प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जनसेवा की सोच को धरातल पर उतार रहे समाधान शिविर

आमजन को समाधान शिविर से मिल रही राहत, सरकार, जिला प्रशासन और जनता के बीच मजबूत हो रहा विश्वास

● समाधान शिविर के माध्यम से 'सरकार आपके द्वार' की भावना को साकार कर रहा जिला पलवल

पलवल। हरियाणा सरकार द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर सरकार, जिला प्रशासन और जनता के बीच संवाद को और मजबूत करने का काम किया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार की प्राथमिकता है कि नागरिकों को अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए पलवल में आयोजित समाधान शिविर आमजन के लिए उम्मीद और राहत का केंद्र बनकर आए हैं। सोमवार को अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद ने आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निवारण करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में एसडीएम पलवल भूपेंद्र सिंह, जिला राजस्व अधिकारी बलराज सिंह दांगी, डीएसपी सुरेंद्र भड़ाना सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आमजन एक ही छत के नीचे अधिकारियों से करते हैं सीधा संवाद- जिला पलवल में उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर के मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं को लेकर नागरिक पहुंच रहे हैं। समाधान शिविर की विशेषता यह है कि लोगों को अपनी शिकायत रखने के लिए संबंधित अधिकारियों तक सीधी पहुंच मिलती है। नागरिक अपनी समस्या अधिकारियों के समक्ष रखते हैं और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं। इससे शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनी है।

शिकायत से समाधान तक आमजन को मिल रही त्वरित राहत- समाधान शिविर की सबसे बड़ी सफलता यह है कि यहां केवल शिकायतें दर्ज करने तक सीमित न रहकर उनके समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई पर जोर दिया जा रहा है। परिवार पहचान पत्र, पेंशन, राशन कार्ड, बिजली, पानी, राजस्व, नगर निकाय, पुलिस तथा अन्य विभागों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए नागरिकों को मार्गदर्शन और आवश्यक सहायता मिल रही है। कई मामलों में मौके पर ही समाधान होने से लोगों को बड़ी राहत मिली है।

प्रशासनिक संवेदनशीलता और जवाबदेही का प्रभावी उदाहरण - समाधान शिविर प्रशासनिक संवेदनशीलता का भी उदाहरण बन रहे हैं। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं। इससे लोगों में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि सरकार उनकी समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए उनके साथ खड़ी है। समाधान शिविर सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

'सरकार आपके द्वार' की भावना को साकार कर रहा जिला पलवल- जिला पलवल में समाधान शिविर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जनसेवा और सुशासन के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। यह पहल उस सोच को मजबूत करती है कि सरकार केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं, बल्कि उनका लाभ और समाधान अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। समाधान शिविर के माध्यम से नागरिकों को अपनी बात सीधे जिला प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। यही संवाद आगे चलकर विश्वास, पारदर्शिता और बेहतर प्रशासन की मजबूत नींव तैयार कर रहा है।

इनैलो ने सफाई कर्मचारियों को दिया समर्थन, मांगें जायज, सरकार जल्द करे समाधान : सूबे सिंह त्यौड़ी

शाहाबाद, भावना शर्मा : सोमवार को इनैलो ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों को अपना समर्थन दिया है। इनैलो के जिलाध्यक्ष जयपाल चढूनी और हल्काध्यक्ष सूबे सिंह त्यौड़ी कार्यकर्ताओं के साथ सफाई कर्मचारियों के बीच पहुंचे और उनकी मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से जल्द समाधान की मांग की। हल्काध्यक्ष सूबे सिंह त्यौड़ी ने कहा कि सफाई कर्मचारी शहर को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वह दिन-रात पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ अपने कार्य करते हैं। इसके बावजूद उनकी जायज मांगों को लेकर सरकार द्वारा उचित कदम नहीं उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों की मांगों को अनदेखा करना उनके साथ अन्याय है। सूबे ने कहा कि सफाई

कर्मचारी समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण सेवा प्रदान करते हैं। गर्मी, सर्दी और बरसात की परवाह किए बिना वह शहर की सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में अपना योगदान देते हैं। ऐसे में सरकार को उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनकी जायज मांगों को शीघ्र पूरा करना चाहिए। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। जगह-जगह कूड़ा जमा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही गंदगी के कारण बीमारियां फैलने का खतरा भी बना हुआ है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि वह सफाई कर्मचारियों की मांगों का जल्द समाधान करे, ताकि हड़ताल समाप्त हो और शहर की सफाई व्यवस्था पुनः सुचारू हो सके। इस मौके पर मदन गोपाल, संत सम्भालखी, रामचन्द्र ढोलामाजरा, अमित शर्मा, गुरपिन्द्र भिंडर, मांगेराम अजरानां सहित इनैलो कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्री परशुराम ज्ञानपीठ के दिव्य प्रतीक का पहली वर्षगांठ पर विधिवत अनावरण

जयपुर, एजेंसी। श्री परशुराम ज्ञानपीठ के दिव्य प्रतीक का आज रविवार को ज्ञानपीठ की पहली वर्षगांठ पर विधिवत अनावरण किया गया। इस दिव्य प्रतीक में भारतीय ज्ञान-परम्परा, अनुसंधान और मानवीय उत्कर्ष का दृश्य-संकल्प दर्शाया गया है। लोकार्पण ज्ञानपीठ के कार्यकारी अध्यक्ष हरि प्रसाद शर्मा, विक्की के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय बसोतिया, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा,परमेश्वर शर्मा और नरेंद्र हर्ष ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं ज्ञानपीठ संचालन समिति सचिव सतीश शर्मा, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव अजय पारीक,राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र शर्मा, सोशल मीडिया राष्ट्रीय प्रभारी राहुल पांडे, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण अवतार त्रिवेदी, जोन के प्रदेश महामंत्री गजेंद्र ज्ञानपुरिया, सुशील शर्मा पीरनगर, जयपुर शहर अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, बसंत शर्मा सहित विप्र फाउंडेशन से जुड़े अनेक पदाधिकारी एवं ज्ञानपीठ छात्रावास की बालिकाएं मौजूद थीं। सतीश शर्मा ने बताया कि इस दिव्य प्रतीक चिन्ह की खुले ग्रंथ से प्रवाहित होती ज्ञान-रेखाएं निरंतर ज्ञान-सृजन का संदेश देती हैं, जबकि उदीयमान सूर्य की आभा तप, संस्कार, ऊर्जा और अनंत संभावनाओं का प्रतीक है। प्रतीक का ज्ञान-चक्षु जाग्रत चेतना, अंतर्दृष्टि और विवेक का बोध कराता है–जिज्ञासा से ज्ञान, ज्ञान से विवेक और विवेक से प्रज्ञा की आरोहण-यात्रा का प्रतीक। प्रतीक चिन्ह के स्लोगन में 'तेजस्वि नावधीतमस्तु '– का भावार्थ है कि हमारा अध्ययन किया हुआ ज्ञान तेजस्वी और दीप्तिमान हो–यही ज्ञानपीठ का मूल संकल्प है।

पुलिस अकादमी में जामुन का पेड़ सोमवार को

जयपुर, एजेंसी। रंग शिल्प नाट्य समिति का चर्चित एवं लोकप्रिय नाटक जामुन का पेड़ सोमवार 7 सितंबर को राजस्थान पुलिस अकादमी शास्त्री नगर में सायं 5.30 बजे मंचित किया जाएगा।

रंग शिल्प के सचिव राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि मशहूर अफसाना निगार मरहूम कृष्ण चंद्र की मूल कहानी का नाटक रूपांतरण वरिष्ठ रंग कमी नीरज गोस्वामी और निर्देशन ईश्वर दत्त माथुर द्वारा किया गया है। नाटक के मूल कथानक में लाल फीता शाही पर करारा व्यंग्य किया गया है तथा नाटक के चुटीले संवाद दर्शन को वैचारिक मंथन करने पर बल देते हैं।

नाटक में भाग लेने वाले लगभग सत्तर फीसदी रंगकर्मी 70 वर्ष की आयु के हैं। इस नाटक की अब तक 17 प्रस्तुतियां हो चुकी हैं।

मतदाता जागरूकता के लिए अमर जवान ज्योति से जलमहल तक निकली साइकिल रैली

जयपुर, एजेंसी। नगरीय निकाय आम चुनाव में आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन कार्यालय जयपुर एवं राजस्थान रोड़ राइडर्स साईकलिंग क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 'स्वीप' (सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता) कार्यक्रम के तहत अमर जवान ज्योति जनपथ एसएमएस स्टेडियम से जलमहल तक मतदाता जागरूकता साइकिल रैली आयोजित की गई। रैली को अमर जवान ज्योति से स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी एवं सीईओ जिला परिषद् शुभम भैंसारे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं ने भी साईकलिंग कर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया।

इस दौरान उन्होंने बताया कि जिस प्रकार स्वास्थ्य के लिए साईकलिंग करना आवश्यक है उसी प्रकार स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदान अतिमहत्त्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में 09 सितंबर बुधवार को 2 नगरपरिषद् एवं 16 नगरपालिकाओं के 540 वार्डों के वहीं 11 सितंबर शुक्रवार को जयपुर नगर निगम के कुल 150 वार्डों के लिए प्रातः 7:00 बजे से सांय 6:00 बजे तक मतदान होगा। उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के इस पर्व में अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत करने की अपील की है। इस अवसर पर राजस्थान रोड राइडर्स के संरक्षक डॉक्टर जी एल शर्मा, अध्यक्ष विजेंद्र सिंह पाड़ला , उप निदेशक जन संपर्क हेमंत सिंह, जिला नोडल स्वीप समन्वयक दिनकर शर्मा, रॉबिन हुड आर्मी जयपुर की संयोजक रेनू जिंदल सहित अन्य साईक्लिस्ट ने मतदाता जागरूकता की अलख जगाई।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने संजय कुमार अग्रवाल को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति पद की शपथ दिलाई

जयपुर, एजेंसी। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को लोकभवन में संजय कुमार अग्रवाल को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति पद की शपथ दिलाई। जस्टिस संजय कुमार अग्रवाल ने अंग्रेजी में शपथ ली। समारोह के प्रारम्भ में मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने राज्यपाल से संजय कुमार अग्रवाल को शपथ दिलवाने का आग्रह किया। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा जारी मुख्य न्यायाधिपति की नियुक्ति अधिसूचना एवं वारंट पढ़कर सुनाया। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा और मंत्रिमण्डल के सदस्यगण, जनप्रतिनिधिगण, राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं मुख्य न्यायाधिपति संजय कुमार अग्रवाल के परिजन उपस्थित रहे।

पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से चुनाव कार्य निष्पादित करें : जिला निर्वाचन अधिकारी

जयपुर, एजेंसी। नगरीय निकाय आम चुनाव के अंतर्गत जयपुर जिले की दो नगर परिषद् चौमू व शाहपुरा तथा 16 नगर पालिकाओं दूदू, किशनगढ़-रेनवाल, जोबनेर, बस्सी, सांभरलेक, वाटिका, चाकसू, जमवारामगढ़, फागी, नरायना, फुलेरा, मनोहरपुर, बगरू, कानोता, खेजरोली एवं कालाडेरा के लिए 9 सितंबर 2026 को होने वाले मतदान के लिए ईवीएम कमीशनिंग का कार्य जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक की निगरानी में भवानी निकेतन के फार्मेसी कॉलेज में रविवार को सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने परिसर का निरीक्षण कर चुनाव व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान चुनाव संबंधी कार्यों को पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी के साथ सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके एवं सुचारू रूप से निष्पादित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ आशीष कुमार, उक्त नगर निकायों के रिटर्निंग अधिकारी सहित संबंधित प्रकोष्ठ प्रभारी उपस्थित थे।

जयपुर निकाय चुनाव 2026 : टिकट न मिलने से भड़का माली-सैनी समाज, सिविल लाइंस व किशनपोल में चुनाव बहिष्कार का ऐलान

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान नगर निकाय चुनाव की गहमागहमी के बीच राजधानी जयपुर में भारतीय जनता पार्टी (BJP) और कांग्रेस, दोनों ही प्रमुख दलों के सामने नया सियासी संकट खड़ा हो गया है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व की अनदेखी का आरोप लगाते हुए माली-सैनी समाज ने सिविल लाइंस और किशनपोल विधानसभा क्षेत्रों में निकाय चुनाव के पूर्ण बहिष्कार का ऐलान किया है। समाज के प्रतिनिधियों का दावा है कि इन दोनों क्षेत्रों में समाज के करीब 45 हजार मतदाता हैं, जो इस बार मतदान से दूरी बनाएंगे। समाज ने स्पष्ट रुख अपनाते हुए आह्वान किया है कि यदि कोई मतदाता बूथ तक जाता भी है, तो वह किसी भी दल को वोट देने के बजाय 'नोटा' (NOTA) का बटन दबाकर अपना विरोध दर्ज कराए।

2020 में मिले थे 5 टिकट, इस बार शून्यः समाज में गहरा रोष माली-सैनी समाज के नेताओं के अनुसार, राजनीतिक दलों ने इस बार

समाज की मजबूत भागीदारी को सिरे से दरकिनार कर दिया हैः

पिछले चुनाव से तुलनाः वर्ष 2020 के नगर निगम चुनाव में सिविल लाइंस क्षेत्र से कांग्रेस ने समाज को 4 और भाजपा ने 1 टिकट दिया था। यानी कुल 5 प्रत्याशी मैदान में उतारे गए थे।

इस बार एक भी टिकट नहींः समाज का आरोप है कि बड़ी आबादी और निर्णायक वोट बैंक होने के बावजूद इस बार दोनों दलों में से किसी ने भी समाज के एक भी व्यक्ति को पार्षद का टिकट नहीं दिया।

45 हजार वोटों का गणितः कम मार्जिन वाले वार्डों में बिगड़ेंगे समीकरण

सोडाला स्थित स्वेज फार्म के एक निजी होटल में वरिष्ठ समाजसेवी अशोक कुमार पुष्प की अध्यक्षता में आयोजित संयुक्त बैठक में बहिष्कार का यह कड़ा फैसला लिया गयाः

वोट बैंक का दावाः समाज के प्रतिनिधियों के अनुसार, सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में करीब 30 हजार और किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में करीब 15 हजार माली-सैनी मतदाता हैं।

संस्थाओं का समर्थनः इस फैसले को जयपुर जिला माली-सैनी समाज संस्था और राजस्थान प्रदेश सैनी-माली महासभा का भी समर्थन मिला है। निकाय चुनाव में जीत-हार का अंतर बहुत मामूली (कुछ दर्जनों से सैकड़ों वोटों) का होता है, ऐसे में 45 हजार मतदाताओं की नाराजगी दोनों मुख्य दलों का चुनावी गणित बिगाड़ सकती है।

सड़कों पर उतरेंगे होर्डिंग, 10-10 युवाओं की टोलियां घर-घर करेंगी संपर्क

बहिष्कार के फैसले को प्रभावी बनाने के लिए समाज ने संगठनात्मक स्तर पर आक्रामक रणनीति तैयार की है।

चुनाव आयोग स्वतंत्र है और निष्पक्ष चुनाव कराना उसका संवैधानिक दायित्व है : अर्जुनराम मेघवाल

बीकानेर, एजेंसी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राजस्थान निकाय चुनावों की रणनीति तय करने के लिए भाजपा की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कांग्रेस के अंदरूनी मतभेदों और निकाय चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी करने में देरी को लेकर पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने घोषणा पत्र भी समय से जारी कर पाई है। कांग्रेस के अंदर मतभेद शनिवार को पार्टी के प्रेस कांफ्रेंस में दिखी। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा के पक्ष में लहर चल रही है। भाजपा संगठन आधारित पार्टी है। हमारे संगठन की बैठक शनिवार देर रात तक चली। बाहर से आए वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के सुझावों को बैठक में सुना। इसके अलावा रविवार की सुबह वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए उम्मीदवारों के साथ बातचीत की। मुख्यमंत्री के रोड शो को सफल बनाने के लिए आग्रह किया गया। अर्जुन राम मेघावल ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'चुनाव आयोग स्वतंत्र है और निष्पक्ष चुनाव कराना उसका संवैधानिक दायित्व है। राहुल गांधी और कांग्रेस के नेता बिना तथ्य के आरोप लगाकर अपनी जिम्मेदारी से भागते हैं। यही अब उनकी राजनीति की पहचान बनती जा रही है।

'वहीं, निकाय चुनावों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अजमेर और उदयपुर में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो किया। सीएम भजनलाल ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'अजमेर में आयोजित रोड शो में उमड़ी अपार भीड़ ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता का विश्वास केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी की विकासोन्मुखी नीतियों के साथ है।

हिंदुस्तान जिंक की तीसरी वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन को अभूतपूर्व सफलता

उदयपुर, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 चांदी उत्पादकों में शामिल हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने उदयपुर में तीसरी वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन का सफल आयोजन किया। इस वर्ष मैराथन में रिकॉर्ड 9700 से अधिक धावकों ने ऑन-ग्राउंड और वर्चुअल तरीकों से भाग लिया। यह पिछले संस्करण की तुलना में लगभग 45 प्रतिशत अधिक सहभागिता है, जो इस आयोजन की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। भारत की सबसे खूबसूरत मैराथन के रूप में पहचान बना चुकी इस मैराथन में देश और विदेश से आए प्रतिभागियों ने 21.097 किमी हाफ मैराथन, 10 किमी और 5 किमी श्रेणियों में दौड़ लगाई। इस आयोजन ने पूरे उदयपुर को फिटनेस, उत्साह और सामाजिक उद्देश्य के उत्सव में बदल दिया। मैराथन में राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों और उदयपुर की विभिन्न समुदायों के लोगों के साथ-साथ हिंदुस्तान जिंक की प्रमुख शिक्षा पहल शिक्षा संबल के विद्यार्थियों के लिए विशेष चैंपियंस रेस का भी आयोजन किया गया। अनुभवी धावकों, पहली बार भाग लेने वाले प्रतिभागियों, वरिष्ठ नागरिकों, महिला फिटनेस समूहों, कॉर्पोरेट टीम और दिव्यांग खिलाड़ियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक समावेशी बनाया। मैराथन का शुभारंभ सांसद उदयपुर मन्नालाल रावत, आईजीपी उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव, उदयपुर कलेक्टर गौरव अग्रवाल, एसपी उदयपुर डॉ. अमृता दुहान, राजसमंद कलेक्टर अरुण हसीजा, एसपी राजसमंद हेमंत कलाल, वेदांता समूह के ग्लोबल सीईओ अरुण मिश्रा, हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अमरेंदु प्रकाश, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों, एनी बडी केन रन के संस्थापक डॉ. मनोज सोनी तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया।

रोडशो के बहाने ही सही, मुख्यमंत्री को कम से कम प्रदेश के गड्ढों और कीचड़ का पता तो चल रहा है : टीकाराम जूली

अलवर, एजेंसी । राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की बदहाल सड़कों, जर्जर सरकारी भवनों और प्रशासनिक संवेदनहीनता को लेकर राज्य की भाजपा सरकार पर जोरदार राजनीतिक हमला बोला है। जूली ने चुटकी लेते हुए कहा कि यह बेहद दिलचस्प है कि मुख्यमंत्री जी को कम से कम रोडशो के बहाने ही सही, प्रदेश के गली-मोहल्लों के गड्ढों और कीचड़ भरे हालातों का पता तो चल रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में भीलवाड़ा में हुए रोडशो की विशेष चर्चाएं हो रही हैं, जहाँ मुख्यमंत्री की गाड़ी के ठीक सामने गड्ढे ही गड्ढे नज़र आ रहे थे और जरा सी बारिश ने सरकार के तथाकथित विकास के दावों की पोल खोलकर रख दी; कमोबेश यही शर्मनाक हालात आज पूरे प्रदेश में बने हुए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने अलवर के हालातों पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अलवर ने प्रदेश और केंद्र दोनों जगह मंत्री दिए, लेकिन इन दोनों मंत्रियों ने विकास

के नाम पर केवल अलवर की जनता के साथ धोखा किया है।

जूली ने जनसुरक्षा के प्रति सरकार की घोर लापरवाही पर सवाल उठाते हुए कहा कि कामां (डीग) में सरकारी विद्यालय की छत गिरना सरकार और प्रशासन की एक और संवेदनहीनता और बदहाल व्यवस्था का जीता-जागता प्रमाण है। आज पूरे प्रदेश में जर्जर सरकारी भवनों का अंबार लगा हुआ है और चिंताजनक बात यह है कि सरकार इन्हीं खतरनाक भवनों को मतदान केंद्र बना रही है, जो सीधी तौर पर जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने सीधा सवाल दागा कि आखिर सरकार क्यों प्रदेश की जनता को मौत के मुंह में धकेल रही है? सरकार यह स्पष्ट करे कि जिन भवनों की छत खुद सुरक्षित नहीं है, वहां मतदान करने जाने वाले मतदाताओं की सुरक्षा की गारंटी कौन लेगा? क्या चुनाव केवल कागजों में ही 'भयमुक्त' कराया जाएगा, या मतदान से पहले इन जर्जर भवनों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी?

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश के मतदाताओं से भावुक और मुखर अपील करते हुए कहा कि इस बार जब भी जनता वोट देने के लिए घर से निकले, तो रास्ते में मिलने वाले सड़कों के गड्ढों, उफनते सीवर, फैले कीचड़ और जलभराव को नमस्कार करके वोट डालने जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की उपेक्षा करने वाली और बुनियादी सुविधाएं तक न दे पाने वाली भाजपा सरकार को जनता द्वारा राजनीतिक झटका देना अब बेहद ज़रूरी हो गया है।

बच्चों को पारिवारिक एवं सामाजिक परिवेश तथा भारतीय संस्कृति के अनुरूप आगे बढ़ाएं : संजीव प्रकाश शर्मा

जयपुर, एजेंसी। किशोर न्याय अधिनियम-2015 के 10 वर्ष पूरे होने पर रविवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में राज्य स्तरीय परामर्श कार्यक्रम 'चिंतन-एक दशक की पहल' आयोजित हुआ। यह राजस्थान उच्च न्यायालय की किशोर न्याय एवं पॉक्सो समिति द्वारा बाल अधिकारिता विभाग एवं यूनिसेफ के सहयोग से 'किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं सुरक्षा) अधिनियम 2015 के राजस्थान में क्रियान्वयन का एक दशक तथा भविष्य की दिशा' विषय पर हुआ।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि राज्य के विशेष बाल गृहों की कमियों और सुधार कार्यों के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय गंभीर है। इसके तहत उच्च न्यायालय ने सभी अधीक्षकों से उनकी बुनियादी जरूरतों के संबंध में शपथ पत्र (एफिडेविट) मांगे हैं। इनके अनुरूप कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे राष्ट्र की अमूल्य पूंजी हैं। इसलिए हमारा सामूहिक दायित्व है कि बच्चों को सुरक्षित, सशक्त और सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप के अनुकूल वातावरण मिले। हमें बाल अनुकूल न्याय प्रणाली को और सुदृढ़ करना होगा। अब बाल मनोविज्ञान समझकर ही बालगृहों और विद्यालयों में बच्चों को उचित मार्गदर्शन देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जेन अल्फा और जेन बीटा जैसी विदेशी अवधारणों के बजाय बच्चों को पारिवारिक एवं सामाजिक परिवेश तथा भारतीय संस्कृति के अनुरूप आगे बढ़ाया जाए और उन्हें

मुख्यधारा से जोडा जाए।

राजस्थान उच्च न्यायालय की किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायाधिपति इंद्रजीत सिंह ने बच्चों के पुनर्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष जोर दिया। बच्चों को पारिवारिक और सामुदायिक देखभाल की आवश्यकता बताते हुए कहा कि बच्चों में सुरक्षा का भाव लाने के प्रयास किए जाए। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में स्पेशल होम्स की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन बुनियादी ढांचे के साथ–साथ बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर काम करना आवश्यक है। बच्चे गलत रास्ते पर क्यों गए, इसे समझे बिना पुनर्वास संभव नहीं है। बच्चों के मन से समाज के प्रति विद्रोह की भावना दूर करने के लिए बालगृहों में मनोचिकित्सकों के पद सृजित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर बाल कल्याण के क्षेत्र में राजस्थान को सबसे सुरक्षित राज्य बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

समारोह में किशोर न्याय समिति के सहअध्यक्ष न्यायाधिपति अनूप कुमार ढंड ने कहा कि बच्चों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम बढ़ाए जाएं। राजस्थान उच्च न्यायालय पोक्सो समिति की अध्यक्ष न्यायाधिपति रेखा बोराणा ने कहा कि हमें बाल संरक्षण पर किए गए कार्यों पर आत्मचिंतन की आवश्यकता है। बच्चों को सुरक्षित वातावरण के साथ किस प्रकार का व्यवहार उनके साथ होना चाहिए तथा किस प्रकार उनके कौशल को बढ़ाया जाना चाहिए और कौनसे कदम उठाए जाएं पर विचार करना होगा। यूनिसेफ के मुख्य फील्ड ऑफिसर डॉ. के.एल. राव ने भी विचार रखे।

इस अवसर पर बाल संरक्षण पर आधारित पुस्तकों पंख, स्नेहिल, कच्ची धूप, पक्की छांव का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में तकनीकी सत्र हुए, जिनमें बाल अधिकार, मिशन वात्सल्य, कानूनी सहायता और गंभीर अपराधों की जांच जैसे विषयों पर मंथन किया गया। इन निष्कर्षों के आधार पर आगामी दशक के लिए बाल संरक्षण का एक मजबूत राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय रोडमैप तैयार किया जाएगा।

हरतालिका तीज पर कैसे बनाएं मिट्टी के शिव-पार्वती

हरतालिका तीज का व्रत महिलाओं के लिए बेहद अहम होता है। इस दिन महिलाएं 16 श्रृंगार करके अपने पति की सुरक्षा और उनकी लंबी आयु की कामना करने के लिए भगवान शिव संग माता पार्वती की पूजा करती हैं। पूजा के लिए महिलाएं इस दिन मिट्टी के शिव-पार्वती की मूर्ति भी बनाती हैं। साथ ही, हरतालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति को सुंदर मंडप में स्थापित करके उनकी पूजा करती हैं।

आवश्यक सामग्री

- **मिट्टी**–आप बाजार से विशेष रूप से मूर्ति बनाने वाली मिट्टी या घर में उपलब्ध मिट्टी का उपयोग कर सकते हैं।
- **पानी**– मिट्टी को गूंथने के लिए साफ पानी।
- **चौकी**– मूर्ति बनाने के लिए एक साफ और समतल सतह जरूरी है।
- **चाकू या नुकिली चीज**– मूर्ति को आकार देने के लिए।
- **सजावटी सामान**– मूर्ति को सजाने के लिए आप फूल, पत्ते, या अन्य सजावटी सामान का उपयोग कर सकते हैं।

मिट्टी के शिव–पार्वती बनाने की विधि

- शिव–पार्वती की मूर्ति बनाने के लिए सबसे पहले आप मिट्टी तैयार करें। इसके लिए मिट्टी को पानी के साथ अच्छी तरह गूंथ लें, ताकि वह नरम और मॉडलिंग के लिए उपयुक्त हो जाए।
- इसके बाद, मिट्टी का एक बड़ा गोला बनाएं।
- गोले को लंबा और चौड़ा करके शिव–पार्वती का धड़ बनाएं।
- इसके बाद, मिट्टी के छोटे–छोटे दो गोले लेकर उनके सिर, हाथ और पैर बनाएं।
- अब, चेहरे पर आंख, नाक, होंठ आदि का आकार बनाएं।
- अब मिट्टी के थोड़े से हिस्से को लेकर उसे लंबाई में सांप की तरह बना दें और इस शिव के गले में घुमा कर लगा दें।
- इसके अलावा, आप चाहें तो बगल में त्रिशूल और हाथों में एक डमरू भी लगा सकते हैं।
- अंत में, मूर्ति को हवादार जगह में सूखने के लिए रख दें।
- आप चाहें तो सूखी हुई मूर्ति को प्राकृतिक रंगों से रंग भी सकते हैं। शिव को नीला या हरा रंग और पार्वती को लाल या गुलाबी रंग दे सकते हैं।
- बस आपकी मिट्टी के शिव–पार्वती तैयार हैं, अब आप हरतालिका तीज पर उनकी विधि अनुसार पूजा कर सकते हैं।

कम बजट की लाइटवेट जॉर्जेट साड़ी के ये डिजाइंस हरतालिका तीज पर आपको देंगे परफेक्ट फेस्टिव लुक

हरतालिका तीज के लिए कम बजट में हल्की जॉर्जेट साड़ियों के डिजाइन से पाएं परफेक्ट फेस्टिव लुक। जानें शेवरॉन, लेहरिया, चुनरी, पोल्का डॉट्स और मल्टी कलर प्रिंट्स की साड़ियों के साथ ब्लाउज़, ज्वेलरी, मेकअप और ड्रेपिंग के बेहतरीन सुझाव।

उमस के मौसम में हल्के–फुल्के कपड़े ही मन को भाते हैं। खासतौर पर तीज त्योहार के अवसर पर भी ऐसे ही कपड़े तलाशते हैं, जो हल्के हों और आरामदायक हों। हरतालिका तीज के मौके पर भी अगर आप हल्की और फेस्टिव लुक वाली साड़ी पहनने के बारे में सोच रही हैं, तो आप खूबसूरत और कम बजट वाली हल्की जॉर्जेट साड़ी पहन सकती हैं। आपको बता दें कि जॉर्जेट साड़ियां हल्की और आरामदायक होती हैं, इनमें आपको एक से बढ़कर एक वेराइटी देखने को मिल जाएंगी। अगर आप भी त्योहार पर शानदार साड़ी लुक पाना चाहती हैं, तो एक बार इस लेख में दिखाए गए जॉर्जेट साड़ी के पैटर्न और डिजाइंस देखकर अपने लिए एक नई और अच्छी जॉर्जेट साड़ी खरीद सकती हैं और उसे स्टाइल करने के टिप्स भी जा सकती हैं। इस लेख में हम विभिन्न प्रिंट्स की जॉर्जेट साड़ियों के डिजाइंस और उनके साथ सही ब्लाउज, ज्वेलरी, मेकअप और ड्रेपिंग स्टाइल के सुझावों पर चर्चा करेंगे।

शेवरॉन प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

शेवरॉन साड़ी में हॉरीजॉन्टल और वर्टिकल लाइंस पड़ी होती हैं, ऐसी साड़ी में अधिकतर काली सफेद धारियां होती हैं। अगर आप हरतालिका तीज पर सबसे अलग नजर आना चाहती हैं, तो आपको एक बार ऊपर दिखाई गई तस्वीर पर गौरफरमाना चाहिए। इस तरह की साड़ी के साथ आप सादा या मेटैलिक ब्लाउज पहन सकती हैं। एक प्लेन या हल्के वर्क वाले ब्लाउज को इस साड़ी के साथ पहन कर आप सभी को अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं।

फैशन टिप्स– इस साड़ी के साथ आपको मिनिमलिस्टिक ज्वेलरी पहननी चाहिए। सिल्वर या गोल्ड प्लेटेड चूड़ियां, एक सादी चेन, और छोटे झुमके इस साड़ी के साथ बहुत अच्छे लगेंगे। हल्का मेकअप इस प्रिंट के साथ सबसे अच्छा लगता है। आप न्यूड लिपस्टिक के साथ लाइट आईशैडो लगाकर अपने लुक को एलिवेट कर सकती हैं। शेवरॉन प्रिंट साड़ी को क्लासिक ड्रेप में पहना जा सकता है। इससे यह प्रिंट ज्यादा अच्छा लगता है।

लेहरिया प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

राजस्थान की फेमस लेहरिया साड़ी में भी आपको बाजार में बहुत सारी वेराइटी और प्रिंट देखने को मिल जाएंगे। ये साड़ियां 250 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक में आपको अलग–अलग पैटर्न और प्रिंट में मिल जाएंगी। आप इन्हें भी फेस्टिवल में पहन सकती हैं और खूबसूरत लुक पा सकती हैं।

फैशन टिप्स– लेहरिया प्रिंट साड़ी के साथ एक फुल–स्लीव्स या थ्री–फोर्थ स्लीव्स वाला ब्लाउज अच्छा लगता है। अमूमन लेहरिया प्रिंट वाली साड़ी में गोल्डन बॉर्डर होता है, तो आप गोल्डन या कॉपर ब्रोकेड वाला ब्लाउज इसके साथ पहन सकती हैं। इस प्रिंट के साथ गोल्डन ज्वेलरी आपको पहननी चाहिए। इससे आपको अच्छा एथनिक औश्र ट्रेडिशनल लुक मिलेगा। आप चाहें तो इसके साथ हैवी झुमका भी पहन सकती हैं। लेहरिया प्रिंट के साथ आप बोल्ड लिपस्टिक और लाइट स्मोकी आई मेकअप ट्राई कर सकती हैं। लेहरिया प्रिंट साड़ी को ड्रेप करते समय ध्यान दें कि लहरें एकसार दिखें।

चुनरी प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

चुनरी प्रिंट में भी आपको बहुत सारे पैटर्न और डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इस तरह का प्रिंट अपने आप में ही फेस्टिव लुक देता है। इसमें आपको हैवी और लाइट दोनों वेट की साड़ियां मिल जाएंगी। आप एक सिंपल सी 250 रुपये की साड़ी खरीद कर उसे अपने हिसाब से किसी अच्छे कारीगर से कढ़वा भी सकती हैं।

फैशन टिप्स– चुनरी प्रिंट साड़ी के साथ सिंपल या फिर स्टाइलिश नेकललाइन वाला ब्लाउज बहुत अच्छा लगेगा। आप इस ब्लाउज पर साड़ती के एक टुकड़े से फिल भी लगवा सकती हैं।इस प्रिंट के साथ आप रंग–बिरंगे स्टोन वाली ज्वेलरी का चयन कर सकती हैं। इससे आपके लुक को खूबसूरत अंदाज मिलेगा। चुनरी प्रिंट साड़ी के साथ रेड लिपस्टिक और हल्का मेकअप ट्राई करें। स्किन टोन के अनुसार सॉफ्ट और नैचुरल मेकअप आप पर अच्छा लगेगा। चुनरी प्रिंट साड़ी को फ्लोई स्टाइल में ड्रेप करें। प्लीट्स को सही से सेट करें ताकि प्रिंट अच्छा दिखे।

पोल्का डॉट्स जॉर्जेट साड़ी

पोल्का डॉट्स बहुत ही क्लासिक प्रिंट होता है। साड़ी में यह और भी ज्यादा अच्छा और ट्रेडिशनल लगता है। अगर आप भी इस त्योहार पर ऐसा अच्छा एथनिक लुक पाना चाहती हैं, तो आपको भी इस तरह की साड़ी में बहुत सारी वेराइटी मिल जाएगी।

फैशन टिप्स– पोल्का डॉट्स साड़ी के साथ एक प्लेन या हल्के डॉट्स वाला ब्लाउज आप पहन सकती हैं। पोल्का डॉट्स वाली साड़ी के साथ लाइट वेट ज्वेलरी आप पहन सकती है, एक स्टड पहन कर भी आप अपना लुक पूरा कर सकती हैं। पोल्का डॉट्स साड़ी के साथ आप लाइट मेकअप और न्यूड लिप्स का चयन करें। पोल्का डॉट्स साड़ी को ड्रेप करते समय इसे एक क्लासिक या स्लीक ड्रेप दे और पल्लू में प्लेट्स बना लें।

हरतालिका तीज के मौके पर प्लेन सलवार-सूट को फैंसी बनाने के लिए दुपट्टे के इन डिजाइंस को करें ट्राई

स्टाइलिश दिखना हम सभी को पसंद होता है। वहीं तीज–त्योहार के मौके पर हम ट्रेडिशनल लुक के कपड़ों को पहनते हैं। आजकल की बात करें तो प्लेन और सिंपल डिजाइन के सलवार–सूट को पहनना बेहद पसंद किया जाने लगा है। त्योहार की बात करें तो हरतालिका तीज आने वाली है। इस मौके पर सूट के साथ में ज्यादातर वर्क वाले या फैंसी दुपट्टों को स्टाइल किया जाने लगा है। तो आइये देखते हैं दुपट्टे के लेटेस्ट डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन दुपट्टों को स्टाइल करने के लिए आसान टिप्स–

लहरिया दुपट्टा डिजाइन

लाइट वेट में फैंसी दुपट्टा स्टाइल करना चाहती हैं तो इस तरह के लहरिया डिजाइन वाले दुपट्टे आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगे। आप चाहें तो घर में रखी पुरानी साड़ी की मदद से भी दुपट्टे को अपनी पसंद की लेंथ से कटवाकर इसमें गोटा–पट्टी वाली गोल्डन या कलरफुल लेस को लगवा सकती हैं। इस तरह से आप पुरानी साड़ी को भी रीसायकल कर पाएंगी और ज्यादा पैसे खर्च किए बिना लाइट वेट में फैंसी लुक पाएंगी।

मल्टी–कलर दुपट्टा डिजाइन

मल्टी कलर में आजकल कढ़ाई वर्क वाले पाकिस्तानी स्टाइल दुपट्टे चलन में है। इसमें बात अगर डिजाइन की करें तो रंगकाट पैटर्न आजकल सबसे ज्यादा स्टाइल किया जा रहा है। पार्टी वियर लुक के लिए इसे आप सिल्क सूट के साथ में स्टाइल कर सकती हैं। आप चाहें तो इसमें अलग से सीक्वेन भी लगवा सकती हैं। वहीं अगर आप और ज्यादा दुपट्टे को फैंसी बनाना चाहती हैं तो लेस वर्क जैसे गोटा–पट्टी के कई डिजाइंस आपको देखने को मिल जाएंगे।

मिरर वर्क दुपट्टा डिजाइन

मिरर वर्क दुपट्टे देखने में बेहद चमकदार और फैंसी लुक देने का काम करते हैं। इसमें आपको कई तरह के डिजाइंस और कलर कॉम्बिनेशन भी मिल जाएंगे। पाकिस्तानी से लेकर फुलकारी दुपट्टे में आपको इसके हैवी कढ़ाई वाले डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। बात अगर स्टाइलिंग की करें तो इसे आप किसी भी तरह के प्लेन सूट के साथ में पहन सकते हैं। इसके साथ में आप चांदबाली इयररिंग्स को कैरी कर सकती हैं।

केवल 5 मिनट में मेहंदी की ये सुंदर डिजाइंस हाथों पर लगाएं

त्योहार पर मेहंदी लगाने का वक्त नहीं मिल रहा है, मगर लगाने का मन भी हो रहा है तो आप भी लेख में दिखाए गए मेहंदी डिजाइंस को हाथों पर 5 मिनट में लगवा सकती हैं।

त्योहारों की झड़ी लगी हुई है। एक के बाद एक त्योहार आ रहे हैं। कजरी तीज का त्योहार अभी कुछ दिन पहले ही निकला है और अब हरतालिका तीज भी आने ही वाली है। यह महिलाओं का त्योहार है और इस पर्व पर वे सोलह श्रृंगार भी करती हैं। मेहंदी की बिना महिलाओं का श्रृंगार कहां पूरा होता है। ऐसे में अगर आप भी हरतालिका तीज पर हाथों पर कम समय में और आसानी से लगने वाली मेहंदी डिजाइन तलाश रही हैं, तो इस लेख में दिखाई गई मेहंदी डिजाइंस को देखें और जानें कि आप इन्हें कैसे हाथों पर कम समय में लगवा सकती हैं।

मिनिमल बेल मेहंदी डिजाइन

मिनिमल मेहंदी का क्रेज आजकल महिलाओं में बहुत देखा जा रहा है और इस तरह की मेहंदी को हाथों में लगाने में ज्यादा समय नहीं लगता है। आप बेल मेहंदी को भी मिनिमल अंदाज दे सकती हैं।

सिंपल बेल मेहंदी डिजाइन

आप हरतालिका तीज पर अपने हाथों को सुंदर दिखाने के लिए आप सिंपल बेल मेहंदी डिजाइन को लगा सकती हैं। इसमें कलाई पर जाल का डिजाइन क्रिएट किया जाता है। फिर फूल, पत्तियों और कोन डिजाइन बनाकर डिजाइन को क्रिएट किया जाता है। अब इसमें अलग–अलग डिजाइन और शेड करते हैं। उंगलियों पर सिंपल पत्तियों का डिजाइन क्रिएट करें। इससे आपका हाथ अच्छे लगेंगे। इस तरह की बेल को बनाने में आपको सिर्फ 15 मिनट का समय लगेगा।

मंडला आर्ट मेहंदी डिजाइंस

आपके हाथ छोटे हों या बड़े, पतले हों या मोटे हरतालिका तीज पर मंडला आर्ट मेहंदी डिजाइन आपके हाथों पर बहुत ही अच्छी लगेगी। इसे बनाने में आपको ज्यादा वक्त भी नहीं लगेगा। आप हथेली के बीचों–बीच गोल आकार में रेखा खींच कर अंदर और बाहर छोटी–छोटी आकृतियां बनाकर अपने मेहंदी डिजाइन को पूरा कर सकती हैं। बेस्ट बात तो यह है कि इस मेहंदी डिजाइन के साथ उंगलियों और कलाई पर थोड़ी घनी मेहंदी लगा सकती हैं। वहीं आपके पास समय कम हो तो केवल हथेली के बीच मेहंदी लगाकर भी मेहंदी को कंप्लीट कर सकती हैं।

जल मेहंदी डिजाइंस

जाल मेहंदी लगाना आसान है। इसके लिए आपको तय करना होगा कि आप फूलों, लकीरों या डॉट्स किसका जाल बनाना चाहती हैं। इसके बाद पूरे हाथों में वैसी ही जाल डिजाइन बनाएं और बाद में उस जाल को छोटी–छोटी डिजाइंस से भरें। इस तरह की मेहंदी में आप हथेली और उंगलियों में एक जैसी डिजाइन बना सकती हैं। आपको ज्यादा भरे–भरे हाथ चाहिए तो आप हाथों के आगे और पीछे दोनों तरफ जाल बनवा सकती हैं। अगर आपके हाथ छोटे और मोटे हैं, तो इस तरह की मेहंदी डिजाइन आपके हाथों को पतला और लंबा दिखाएगी।

पवित्र प्रतीक वाली डिजाइंस

शुभ अवसर और त्योहार पर आप भी हाथों में पवित्र हिंदू प्रतीकों वाली मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। यह न केवल दिखने में अच्छी लगेगी बल्कि अवसर के हिसाब से आपके हाथों को अच्छे लुक भी देगी। आप ओम, स्वास्तिक या त्रिशुल भी बनवा सकती हैं। यह सभी चिन्ह 5 मिनट से भी कम समय में बन सकते हैं। आप दोनों हाथों में अलग–अलग चिन्ह वाली मेहंदी डिजाइन भी लगा सकती हैं। अगर आपको थोड़ी हैवी मेहंदी डिजाइन पसंद है, तो छोटी–छोटी आकृतियों से हाथों को फिल कर सकती हैं।

गोल टिक्की मेहंदी डिजाइंस

हरतालिका तीज पर अगर आपको मेहंदी लगवानी है, मगर आपके पास समय नहीं हैं, तो आप खुद से घर पर गोल टिक्की मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। यह बहुत ही आसान होती है और इसे आप खुद से लगा सकती हैं। आप हाथों के बीच में बड़ी सी गोल टिक्की बनाएं और उसे आस–पास डॉट से हाथों को सजाएं। ऐसा करने से मेहंदी डिजाइन बहुत ही अच्छी लगती है और यह बहुत जल्दी लगती है। आप अपने दोनों हाथों में एक जैसी डिजाइन बनाकर उंगलियों की टिप को मेहंदी से कवर कर सकती हैं।

कमल के फूल वाली मेहंदी डिजाइंस

कमल का फूल हिंदू धर्म में सुख और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अगर आप हाथों में केवल कमल का फूल ही बना लें, तब भी आपकी मेहंदी डिजाइन बहुत खूबसूरत लगेगी। वहीं उंगलियों को आप जाल मेहंदी डिजाइन से कवर कर सकती हैं। हरतालिका तीज पर इस तरह की मेहंदी डिजाइन बहुत ही कम समय में लग जाती हैं और दिखने में भी बहुत सुंदर लगती हैं।

संक्षिप्त समाचार

बैंकिंग सिस्टम में पैसा ही पैसा, फिर भी आरबीआई की चिंता बढ़ी, 10.5 लाख करोड़ का पूरा मामला समझें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के सामने इस समय बैंकिंग सिस्टम में मौजूद भारी

मात्रा में नकदी को संभालने की चुनौती है। सोमवार को होने वाली 30 दिन की वैरिएबल रेट रिवर्स रेपो नीलामी में करीब 7 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी सिस्टम से बाहर निकालने की कोशिश करेगा। इस नीलामी का नतीजा यह तय करने में अहम होगा कि आरबीआई आगे योजना से आई रिकॉर्ड 10.5 लाख करोड़ रुपये की लिक्विडिटी को कैसे संभालता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अतिरिक्त नकदी को नियंत्रित करने के लिए दूसरे उपायों का भी सहारा लेना पड़ सकता है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक इनमें सेल-बाय डॉलर स्वैप और खुले बाजार में सरकारी बॉन्ड बेचने यानी ओपन मार्केट ऑपरेशंस जैसे कदम शामिल हैं। सोमवार की नीलामी में अगर बैंक बड़ी मात्रा में पैसा के पास जमा करते हैं, तो यह संकेत होगा कि केंद्रीय बैंक की लिक्विडिटी को सामान्य स्तर पर बनाए रखने की कोशिश कुछ हद तक सफल रही है। इकोनॉमिस्ट माधवी अरोड़ा के मुताबिक, आरबीआई के लिए एक आसान विकल्प यह हो सकता है कि वह करीब 36 अरब डॉलर की फॉरवर्ड डॉलर पोजीशन को अगले एक साल में मैच्योर होने दे। उनका कहना है कि मौजूदा डॉलर इनफ्लो का इस्तेमाल इन पोजीशन को खत्म करने में किया जा सकता है। इससे देश में आए डॉलर के बदले सिस्टम में पैदा हुई अतिरिक्त रुपये की नकदी को भी कम करने में मदद मिलेगी।

उम्मीद से ज्यादा आया पैसा

इन विशेष योजनाओं से कुल इनफ्लो करीब 136 अरब डॉलर रहा, जबकि शुरुआत में इसके 80 से 90 अरब डॉलर रहने का अनुमान था। इसका मतलब है कि अनुमान से करीब 50 अरब डॉलर यानी लगभग 5 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त लिक्विडिटी सिस्टम में आई है। जरिए सरकारी बॉन्ड बेचने के लिए आसान विकल्प नहीं है। अगर बाजार में बड़ी मात्रा में बॉन्ड की सप्लाई बढ़ती है, तो उनकी यील्ड बढ़ सकती है। इससे सरकार के लिए बाजार से पैसा उधार लेना महंगा हो सकता है। बैंक के हेड ट्रेजरी आलोक सिंह ने कहा कि सोमवार की नीलामी के नतीजे के आधार पर आरबीआई आगे और नीलामियां कर सकता है। उन्होंने बताया कि आरबीआई पहले 90 दिन की नीलामी भी कर चुका है। ऐसे में मौजूदा स्थिति में लंबी अवधि की वीआरआरआर नीलामी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

पैसा जल्दी निकालने का विकल्प

सोमवार की एक नई सुविधा भी दी है। इसमें बैंक और दूसरे प्रतिभागी समय से पहले अपना पैसा वापस निकाल सकेंगे। बैंकरों के मुताबिक, इसकी जरूरत इसलिए पड़ी है क्योंकि 15 सितंबर को एडवांस टैक्स भुगतान के कारण बैंकिंग सिस्टम में अचानक नकदी की कमी हो सकती है। बैंकरों का कहना है कि इस अतिरिक्त नकदी को संभालने के लिए तेजी से फैसले लेने होंगे। चुनौती इसलिए ज्यादा बड़ी है क्योंकि एक तरफ देश में लिक्विडिटी रिकॉर्ड स्तर पर है, जबकि दूसरी तरफ दुनिया में ब्याज दरें बढ़ रही हैं और घरेलू महंगाई भी बढ़ने की आशंका है। 7 लाख करोड़ रुपये की नीलामी से न सिर्फ यह पता चलेगा कि बैंक अतिरिक्त नकदी को पास रखने के लिए कितने तैयार हैं, बल्कि इससे आने वाले समय में केंद्रीय बैंक की लिक्विडिटी मैनेजमेंट रणनीति की दिशा का भी संकेत मिल सकता है।

एयर इंडिया को मिलेगा नया बॉस, लेकिन सीट पर नहीं लिखा होगा सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। रेकॉर्ड घाटे से जूझ रही टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया को नया बॉस मिलने जा रहा है। इथियोपियन एयरलाइंस के प्रमुख रह चुके टेवोल्डे गेब्रेमरियम सोमवार को एयर इंडिया की कमान संभालेंगे। वह पूर्व चीफ एग्जीक्यूटिव कैंपबेल विल्सन की जगह लेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब एयरलाइन पर सुरक्षा और ऑपरेशनल भरोसे को बेहतर बनाने तथा नुकसान को कम करने का दबाव है। एयर इंडिया का एफवाय26 में घाटा बढ़कर 22,238 करोड़ रुपये पहुंच गया।

ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि गेब्रेमरियम को अभी आधिकारिक तौर पर सीईओ और अकाउंटेबल मैनेजर का पद नहीं दिया जाएगा। इसकी वजह यह है कि उनकी सिक्योरिटी क्लीयरेंस अभी बाकी है। उम्मीद की जा रही है कि एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन सोमवार को एक टाउन हॉल में कर्मचारियों से उनका परिचय कराएंगे। इसके साथ ही उनके ऑपरेशनल कामकाज की शुरुआत होगी। गेब्रेमारियम की सिक्योरिटी क्लीयरेंस महीने के आखिर तक मिलने की उम्मीद है।

क्या हैं चुनौतियां

एयर इंडिया ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि चंद्रशेखरन और एयर इंडिया के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप सिंह खरोला शुरुआती कुछ महीनों में उनके साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। खरोला पिछले महीने टाटा एयरलाइन से जुड़े थे और गेब्रेमरियम का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

गेब्रेमरियम ऐसे समय में एयर इंडिया की कमान संभाल रहे हैं जब एयरलाइन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एयरलाइन ने अपने मालिकों, टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस से 10,000 करोड़ की नई इक्विटी की मांग की है। सूत्रों ने बताया कि नए प्रमुख को एयरलाइन को सुरक्षित और टिकाऊ स्थिति में लाने के लिए जरूरी कदम उठाने की काफी आजादी दी जाएगी।

नए बॉस से उम्मीद

गेब्रेमरियम के पास इथियोपियन एयरलाइंस में काम करने के दौरान ऑपरेशनल और इंजीनियरिंग क्षमताएं बनाने का काफी अनुभव है। उम्मीद की जा रही है कि वह एयर इंडिया के टेक्निकल ऑर्गनाइजेशन और मेंटेनेंस सिस्टम को मजबूत करेंगे। इसकी वजह यह है कि एयरलाइन अब काफी बड़े फ्लीट को ऑपरेट करने की तैयारी कर रही है। सीनियर अधिकारियों ने कहा कि गेब्रेमरियम जरूरत पड़ने पर टीमों में बदलाव करेंगे या उनके काम करने के तरीके को नए सिरे से व्यवस्थित करेंगे। एयर इंडिया के एक कर्मचारी ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि कई सीनियर एग्जीक्यूटिव कंपनी छोड़ सकते हैं क्योंकि नए नए लोगों को लाएंगे। ग्रोथ और फ्लीट के विस्तार पर ध्यान देने के साथ-साथ, गेब्रेमरियम से कहा गया है कि वह कैश, लागत और मुनाफे पर कड़ी नजर रखें, लीडरशिप पाइपलाइन को मजबूत करें और सभी विभागों में ज्यादा जवाबदेही के साथ बेहतर परफॉर्मेंस वाला कल्चर बनाएं।

सोना 500 सस्ता हुआ, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में आज फिर तेजी आई है। इसका असर सोने और चांदी की कीमत पर देखने को मिल रहा है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की कीमत में 500 रुपये की गिरावट आई है जबकि चांदी 1,300 रुपये से ज्यादा सस्ती हो गई। फिजिकल मार्केट में भी सोने की कीमत में 600 रुपये से अधिक गिरावट आई है जबकि चांदी फ्लैट ट्रेड कर रही है। दो सत्र में सोने की कीमत में 3,600 रुपये की गिरावट आई है जबकि चांदी 6,000 रुपये सस्ती हो गई है। एमसीएक्स पर 5 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,52,767 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,52,279 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 500 रुपये से अधिक गिरावट के साथ 1,52,225 रुपये तक गिरा। सुबह 10.10 बजे यह 528 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,239 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह 4 दिसंबर की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,37,658 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। आज यह 2,37,176 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 1,300 रुपये से अधिक गिर गई। सुबह 10.25 बजे यह 795 रुपये की गिरावट के साथ 2,36,863 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। 5 मार्च की डिलीवरी वाली चांदी भी 1,203 रुपये की गिरावट के साथ 2,43,217 रुपये पर थी।

बाबा नीम करौली, स्टीव जॉब्स और ऐपल के लोगो का है बड़ा कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। नीम करौली बाबा के जीवन पर बनी फिल्म 'हनुमान अंश' ने इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रखा है। करीब 2 करोड़ रुपये में बनी यह फिल्म 100 करोड़ रुपये से अधिक कमा चुकी है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर भी तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। इनमें एक दावा यह भी किया जा रहा है कि दुनिया की टॉप टेक कंपनियों में शामिल कंपनी ऐपल का डिजाइन भी नीम करौली बाबा से प्रेरित था क्योंकि सेब उनका पसंदीदा फल था। ऐपल के फाउंडर स्टीव जॉब्स साल 1974 में बाबा नीम करौली के आश्रम में आए थे और स्वदेश लौटने पर उन्होंने ऐपल की स्थापना की थी। आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल मार्केट कैप के हिसाब से आज दुनिया की दूसरी बड़ी कंपनी है। इसकी स्थापना साल 1976 में जॉब्स ने स्टीव वॉज्नियाक और रोनाल्ड वेन के साथ मिलकर की थी। वेन ने ही कंपनी का पहला लोगो आइजक न्यूटन की तस्वीर थी। इसमें वह सेब के पेड़ के नीचे बैठे थे। यह लोगो उस घटना को बयां कर रहा था जिसने न्यूटन को गुरुत्वाकर्षण की खोज के लिए प्रेरित किया था। इस डिजाइन में कंपनी का नाम एक रिबन पर लिखा है जो तस्वीर के चारों ओर लिपटा हुआ है।

कैसे बदला लोगो

लेकिन जॉब्स को लगा कि यह लोगो बहुत पुराने जमाने का है और इसे छोटे आकार में प्रिंट करना मुश्किल है। उन्होंने कंपनी का लोगो बनाने का काम डिजाइनर रॉब जैनॉफ को दिया। जॉब्स ने जैनॉफ से केवल एक ही बात कही थी कि इसे क्यूट मत बनाना। वह ऐसा लोगो चाहते थे जो मॉडर्न कंप्यूटर डिजाइन की अहमियत को दिखाए और ऐपल ब्रांड के नाम के साथ अच्छी तरह मेल खाए।

जैनॉफ ने सेब का ऐसा डिजाइन बनाया जिसमें इंद्रधनुष के रंगों का इस्तेमाल किया गया था। इस नए डिजाइन ने कंपनी के कंप्यूटर की खासियत को उजागर किया जो दुनिया का पहला कलर्ड-डिस्प्ले वाला कंप्यूटर था। सेब के कटे हुए हिस्से वाले लोगो को जान-बूझकर इस तरह डिजाइन किया गया था ताकि इसे चेरी और दूसरे फलों से अलग पहचाना जा सके। जैनाफ ने कटे हुए हिस्से के बारे में एक इंटरव्यू में कहा था, 'सेब के आकार का कंप्यूटर से कोई लेना-देना नहीं था। इसका मकसद लोगों को यह दिखाना था कि कंप्यूटर कोई ऐसा सख्त धातु का टुकड़ा नहीं है जिसकी आपके घर में कोई जगह न हो या जिसके पास आपका बच्चा भी न जाना चाहे।' उन्होंने कहा, 'कई फलों में डंठल होता है, वे गोल होते हैं और उनसे एक पत्ता लटका होता है। इसलिए 'बाइट' का मकसद शुरू में यह दिखाना था कि यह एक है, कुछ और नहीं। साथ ही, यह इस बात का भी प्रतीक था कि यूजर्स इस कंप्यूटर से कितना सारा ज्ञान हासिल करेंगे।

कम आय वालों को भी आसानी से मिलेगा लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर देखा जाता है कि अमीर या अधिक आय वालों को लोन की जरूरत पड़ने पर उन्हें आसानी से लोन मिल जाता है। लेकिन, यहां सवाल यह है कि जिनकी आय कम हो या जो गरीब लोग हैं, उन्हें जरूरत पड़ने पर लोन कहां से मिलेगा इस सवाल का हम यहां खास जवाब लेकर आएं हैं।

देश में कई ऐसे बैंक या वित्तीय संस्था हैं, जो लोन उपलब्ध कराती हैं, लेकिन हम यहां दो सरकारी योजनाओं के बारे में बता रहे हैं, जो कम सैलरी या गरीब लोगों को आसानी से लोन की सुविधा दे रही हैं। इनके नाम प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि योजना है। आइए इनके बारे में जानते हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना क्या है

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना को भी कहते हैं। इसके तहत कृषि से जुड़े कार्यों जैसे डेयरी, मुर्गी पालन; सर्विस (सेवा क्षेत्र- ट्रांसपोर्ट, सैलून, टेलरिंग आदि), मैन्युफैक्चरिंग (छोटी उत्पादन इकाइयां, हस्तशिल्प कारीगर), व्यापार (दुकानदारों, खुदरा व्यापारियों, फल-सब्जी विक्रेताओं आदि) समेत अन्य क्षेत्रों के लिए लोन दिया जाता है। शुरुआत में इस योजना के तहत 10 लाख रुपये तक के लोन दिए जाते थे, लेकिन बाद में (2024) इसमें 'तरुण प्लस' नाम से एक कैटेगरी जोड़ी गई, जिसके तहत लोन की राशि बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई। सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

पीएम स्वनिधि योजना क्या है

पीएम स्वनिधि योजना के तहत पात्र व्यापारियों को पहले चरण में पांच हजार से लेकर 15 हजार रुपये तक का लोन मिलता है। इसको एक साल में चुकाना होता है। अगर कोई इस लोन को समय पर चुका देता है तो वह दूसरे चरण के लोन को पाने के लिए पात्र हो जाता है। दूसरा लोन कम से कम 15 हजार रुपये से लेकर के अधिकतम 25 हजार रुपये तक का होता है। इसे कुल 18 ईएमआई (अधिकतम 18 महीना)में चुकाने होते हैं। दूसरा लोन चुकाने वाला व्यक्ति इस योजना के तीसरे चरण के लोन के लिए पात्र हो जाता है। तीसरा लोन कम से कम 30 हजार रुपये से लेकर अधिकतम 50 हजार रुपये तक का होता है।

ग्रे मार्केट में 300 तक प्रीमियम, सरकारी बीमा कंपनियों की बल्ले-बल्ले

नईदिल्ली, एजेंसी। मोस्ट अवेटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज आईपीओ का इंतजार खत्म हो गया है। बीते सप्ताह में ही इस आईपीओ को सेबी से मंजूरी मिली है। आईपीओ के इश्यू प्राइस और लिस्टिंग डेट का ऐलान तो नहीं हुआ है लेकिन ग्रे मार्केट में इसे तगड़ा रेस्पॉन्स मिल रहा है। स्टॉक एक्सचेंज का ग्रे मार्केट प्रीमियम 150-180 प्रति शेयर से बढ़कर 280-300 प्रति शेयर तक पहुंच चुका है। वहीं, अनलिस्टेड मार्केट में हृस्थ के शेयर अब 2000 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर हैं। बता दें कि अनलिस्टेड प्राइस वह कीमत है जिस पर लिस्टिंग से पहले कंपनी के मौजूदा शेयरों का लेन-देन होता है जबकि वह प्रीमियम है जो निवेशक लिस्टिंग से पहले शेयरों के लिए प्राइस या अनुमानित इश्यू प्राइस से ज्यादा देने को तैयार होते हैं। हालांकि, एक्सपर्ट एनएसई का प्राइस बैंड 1800 प्रति शेयर रहने का अनुमान लगा रहे हैं। प्रस्तावित में 40 मिलियन शेयर बेचकर पांच सरकारी बीमा कंपनियों को लगभग 7200 करोड़ का बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। इस लिस्ट में जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया सबसे आगे है। इसके अलावा, न्यू इंडिया एश्योरेंस, नेशनल इंश्योरेंस, यूनाइटेड इंडिया और ओरिएंटल इंश्योरेंस का नंबर आता है। इन कंपनियों ने एनएसई के शेयर 6.8 करोड़ में खरीदे थे और अब से उन्हें दूसरी तिमाही में भारी मुनाफा होने की उम्मीद है।

ओपीईसी+ ने नहीं बढ़ाया तेल उत्पादन, कच्चा तेल उछलकर 100 डॉलर के करीब पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपीईसी+ ने अक्टूबर 2026 के लिए अपने तेल उत्पादन लक्ष्य में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। संडे 6 सितंबर को हुई वर्चुअल बैठक में ग्रुप के सात प्रमुख देशों ने सितंबर के उत्पादन स्तर को ही अक्टूबर के लिए जारी रखने पर सहमति जताई। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल निर्यात में रुकावट ने वैश्विक तेल बाजार की चिंता बढ़ा दी है। इस फैसले के बाद इंटरनेशनल मार्केट में सोमवार को कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं। बैठक में सऊदी अरब, रूस, इराक, कुवैत, कजाकिस्तान, अल्जीरिया और ओमान ने हिस्सा लिया। इन सातों देशों ने अक्टूबर के लिए सितंबर 2026 के निर्धारित उत्पादन स्तर को बनाए रखने का फैसला किया है। कहा है कि सातों देश हर महीने बैठक कर वैश्विक तेल बाजार की स्थिति और भविष्य के अनुमान की समीक्षा करते रहेंगे। अगली बैठक 4 अक्टूबर को होगी।

किस देश का कितना तेल उत्पादन

अक्टूबर के उत्पादन कार्यक्रम के तहत रूस का उत्पादन लक्ष्य 99.49 लाख बैरल प्रतिदिन रहेगा। वहीं, सऊदी अरब के लिए यह लक्ष्य 104.78 लाख बैरल प्रतिदिन तय किया गया है। अन्य देशों के उत्पादन लक्ष्य इस प्रकार हैं: मुआवजा उत्पादन को छोड़कर इन सात देशों का संयुक्त अक्टूबर उत्पादन लक्ष्य करीब 3.101 करोड़ बैरल प्रतिदिन रहेगा। ओपेक प्लस ने साथ ही व्यापक उत्पादन समझौते का पालन करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई है। ओपेक+ का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ईरान युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते तेल की आवाजाही प्रभावित हो रही है। यह समुद्री मार्ग दुनिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण तेल शिपिंग रूट है।

सितंबर में बढ़ाया था उत्पादन

इससे पहले अगस्त में सितंबर के लिए तेल उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया था। इसके साथ समूह ने 2023 में लागू किए गए 16.5 लाख बैरल प्रतिदिन के अतिरिक्त उत्पादन कटौती को चरणबद्ध तरीके से वापस लेने की प्रक्रिया पूरी कर ली थी। हालांकि, ओपीईसी+ के 21 सदस्य देशों में से ज्यादातर के लिए 2026 के अंत तक एक और उत्पादन कटौती लागू है। इन कटौतियों को वापस लेने से पहले समूह को सदस्य देशों की वास्तविक उत्पादन क्षमता का आकलन करना होगा। इसके बाद 2027 के लिए नए उत्पादन बेसलाइन तय किए जाएंगे। इन्हीं बेसलाइन के आधार पर अगले साल अलग-अलग देशों के उत्पादन कोटा तय होंगे।

भारत में एक्टिव क्रेडिट कार्ड यूजर्स की संख्या 120 मिलियन से अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में वित्तीय संस्थाएं और बैंक अपने ग्राहकों को ऑनलाइन खरीदारी समेत अन्य जरूरी कार्यों के लिए क्रेडिट कार्ड जारी करते हैं। इन कार्ड्स के कई प्रकार होते हैं, जिनमें प्रीमियम और सुपर प्रीमियम कार्ड, कैशबैक कार्ड, रेगुलर कार्ड, ट्रैवल कार्ड, को-ब्रांडेड कार्ड, सिक्योर्ड कार्ड शामिल होते हैं।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, देश में एक्टिव क्रेडिट कार्ड यूजर्स की संख्या 120 मिलियन से अधिक हो गई है। वहीं, इनका मासिक कार्ड खर्च बढ़कर 2.02 लाख करोड़ रुपये के पार हो गया है। इस बीच हम क्रेडिट कार्ड के दो खास प्रकार यानी कि प्रीमियम क्रेडिट कार्ड और सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड की बात कर रहे हैं। हम जानेंगे कि इन दोनों में से कौन कितना दमदार है और इसके साथ ही हम यह भी जानेंगे कि ये अपने यूजर्स को कौन-कौन सी सुविधाएं देते हैं।

अलग-अलग बैंकों के द्वारा इसका सालाना चार्ज भिन्न-भिन्न हो सकता है। कुछ बैंक 10 हजार रुपये भी चार्ज करते हैं, इनमें यूजर्स के लिए काफी सारी सुविधाएं होती हैं। वैसे तो क्रेडिट कार्ड के लिए अच्छे सिबिल स्कोर, एक निश्चित इनकम समेत अन्य चीजों की जरूरत होती है, लेकिन यह सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड उन लोगों के लिए खास है, जो होममेकर हैं, छोटे बिजनेस वाले हैं।

प्रीमियम क्रेडिट कार्ड क्या होता है

प्रीमियम क्रेडिट कार्ड की बात करें तो यह एक हाई श्रेणी का कार्ड होता है। इसका इस्तेमाल खासकर के वे लोग करते हैं, जो केवल ज्यादा कमाते ही नहीं हैं बल्कि महंगे शौक के साथ-साथ अधिक खर्च भी करते हैं। यह कार्ड रेगुलर क्रेडिट कार्ड की तुलना में अधिक सुविधा देने वाला होता है। हालांकि, इसकी वार्षिक फीस भी अधिक होती है।

सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड क्या होता है

अब बात सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड की करते हैं। इसे हिंदी में सुरक्षित क्रेडिट कार्ड कहते हैं। यह कार्ड उन्हीं ग्राहकों को मिल सकता है, जिनका बैंक में एफडी (फिक्स्ड डिपॉजिट) होती है। मतलब कि एफडी पर ही सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड जारी किया जाता है।

फिर लौट रहा है 1997 जैसा वित्तीय संकट, भारत पर भी खतरा, दिग्गज की चेतावनी- इस बार बैंक नहीं, एआई होगी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई अर्थव्यवस्थाओं को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ने लगी है। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में तेजी, जापानी येन में भारी गिरावट और टेक्नोलॉजी शेयरों में बढ़ता उत्साह 1997 के एशियाई वित्तीय संकट से पहले की परिस्थितियों की याद दिला रहा है। चीफ इकोनॉमिस्ट फ्रेडरिक न्यूमन का मानना है कि आज एशिया की कमजोरी 1990 के दशक जैसी नहीं है। इस बार सबसे बड़ा खतरा बैंकिंग सिस्टम नहीं, बल्कि अमेरिका में् ढ्ढ इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले भारी खर्च की मांग है। 31 अगस्त के एक नोट में न्यूमन ने मौजूदा आर्थिक हालात और 1997 के संकट से पहले की परिस्थितियों के बीच कई समानताएं बताईं। उनके मुताबिक, 1990 के दशक में अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड अक्टूबर 1993 में करीब 5 प्रतिशत से बढ़कर नवंबर 1994 में लगभग 8 प्रतिशत पहुंच गई थी। अप्रैल 1997 तक यह करीब 7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई थी। मौजूदा दौर में भी फरवरी से अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड करीब 80 बेसिस पॉइंट बढ़कर लगभग 4.79 प्रतिशत हो गई है। अगस्त 2020 में यह करीब 0.5 प्रतिशत के ऐतिहासिक निचले स्तर पर थी। मुद्रा बाजार में भी 1997 से कुछ समानताएं दिखाई दे रही हैं। अप्रैल 1995 से अप्रैल 1997 के बीच जापानी येन डॉलर के मुकाबले करीब 55 प्रतिशत कमजोर हुआ था। यह 80 येन प्रति डॉलर से गिरकर 130 के स्तर तक पहुंच गया था। मौजूदा दौर में भी येन में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। जनवरी 2021 में करीब 103 येन प्रति डॉलर के स्तर से गिरकर जुलाई में यह 163 के करीब पहुंच गया। इसके बाद अमेरिका और जापान को मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप कर येन को स्थिर करने की कोशिश करनी पड़ी। दोनों दौर में टेक्नोलॉजी को लेकर निवेशकों का जबरदस्त उत्साह भी एक समान नजर आता है।

टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

● 2024 में दो सुपर ओवर से निकला था नतीजा

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान का रिकॉर्ड भी पिछले कुछ समय में इस फॉर्मेट में कमाल का रहा है। हालांकि, टी20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 8 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। यानी अफगानिस्तान को क्रिकेट के सबसे

छोटे फॉर्मेट में भारत के खिलाफ अब तक जीत नसीब नहीं हो सकी है। साल 2024 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया टी20 इंटरनेशनल मुकाबला टाई जरूर रहा था। इस मैच का नतीजा दो सुपर ओवर खेले जाने के बाद निकला था, जहां टीम इंडिया आखिर में बाजी मारने में सफल रही थी। टी20 में भारत और अफगानिस्तान की आखिरी भिड़ंत विश्व कप 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में इन भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आइए आपको उन भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी।

वैभव सूर्यवंशी: इंग्लैंड और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज के प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ किस अप्रोच से खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में वैभव ने 81 रनों की दमदार पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में भी अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं।

जसप्रीत बुमराह: अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर हर किसी की नजरें रहेंगी। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बुमराह अगर अपनी लय में नजर आए, तो वो अफगानिस्तान के बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

संजू सैमसन: इंग्लैंड के खिलाफ फ्लॉप शो के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई है। ऐसे में संजू के ऊपर इस सीरीज में खुद को फिर से साबित करने का दबाव होगा। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में सैमसन सिर्फ 5 रन ही बना सके थे। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ वह दो मुकाबलों में 28 रन ही बना सके थे।

रवि बिश्नोई: जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में रवि बिश्नोई का प्रदर्शन दमदार रहा था। विकेट चटकाने के साथ-साथ बिश्नोई काफी किफायती भी रहे थे। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर बिश्नोई के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें होंगी। बिश्नोई इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

नीतीश कुमार रेड्डी :अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतीश कुमार रेड्डी के पास खुद को बतौर ऑलराउंडर साबित करने का बढ़िया मौका होगा। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि नीतीश इंजरी से लौटने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम में बड़ा बदलाव, नया कोच नियुक्त

हरारे। जिम्ब्बावे किकेट ने सोमवार को बताया कि कड़ी भर्ती प्रक्रिया के बाद मार्क कोल्स को महिला राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज जो दोनों टीमों के बीच पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी, उम्मीद है कि उसमें न्यूजीलैंड के कोल्स जिम्बाब्वे टीम के कोच की भूमिका में नजर आएंगे।

कोल्स पहले पाकिस्तान और स्कॉटलैंड की महिला टीमों के मुख्य कोच रह चुके हैं और स्कॉटलैंड की पुरुष टीम की भी मदद कर चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने क्रिकेट पापुआ न्यू गिनी में हाई परफॉर्मेंस मैनेजर के तौर पर काम किया है और ऑस्ट्रेलिया में कोचिंग कंसल्टेंसी की भूमिकाएं भी निभाई हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंगवा मुखुहलानी ने कहा, 'मार्क कोल्स के पास अंतरराष्ट्रीय कोचिंग और हाई-परफॉर्मेंस का काफी अनुभव है, साथ ही उन्हें महिला क्रिकेट की जरूरतों की भी अच्छी समझ है। हमारे सीनियर और अंडर-19 स्ट्रक्चर में नियुक्त टेक्निकल और सपोट स्टाफ़ के साथ मिलकर, हमें यकीन है कि वह हमें एक मजबूत टीम बनाने और लगातार सफलता के लिए एक स्पष्ट रास्ता तैयार करने में मदद करेंगे। हमें भरोसा है कि यह ग्रुप जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से मुकाबला करने में मदद करेगा।' रंगारीराई मन्यांडे और ट्रेवर फिरी, कोल्स के अंडर क्रमशः असिस्टेंट कोच (बल्लेबाजी) और क्षेत्ररक्षक कोच के तौर पर काम करेंगे।

शेर-ए-पंजाब टी20: शुभमन गिल का तूफानी डेब्यू, अर्शदीप की टीम को एक रन से हराया

मोहाली, एजेंसी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल की बहुप्रतीक्षित एंट्री ने शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में रविवार को रोमांच भर दिया। फाजिल्का फाल्कंस की ओर से सीजन का अपना पहला मुकाबला खेल रहे गिल ने बल्ले से शानदार शुरुआत की, जबकि उनकी टीम ने अर्शदीप सिंह की कप्तानी वाली लुधियाना लायंस को महज एक रन से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की।

गिल ने पारी की शुरुआत करते हुए महज 21 गेंदों में 40 रन की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने फाजिल्का को तेज शुरुआत दिलाई और स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में उत्साह भर दिया। इस प्रदर्शन के लिए गिल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

लुधियाना लायंस के कप्तान और भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद गिल ने फाजिल्का की ओर से पारी की शुरुआत की और शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने तेज गति से रन बनाते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, लुधियाना को जल्द ही कार्तिक चड्ढा के रूप में बड़ा हथियार मिल गया। चड्ढा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए फाजिल्का की रफ्तार पर ब्रेक लगाया और गिल का महत्वपूर्ण विकेट हासिल किया। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में केवल नौ रन देकर चार विकेट लिए।

गिल के आउट होने के बाद फाजिल्का की पारी को संभालने की जिम्मेदारी प्रीत दत्ता और जयवीर भिंडर सिंह ने निभाई। प्रीत ने 23 गेंदों पर 36 रन बनाए, जबकि जयवीर ने 18 गेंदों पर 21 रन की पारी खेली। इन अहम योगदानों की मदद से फाजिल्का फाल्कंस ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 170 रन का स्कोर खड़ा किया।

लुधियाना लायंस को जीत के लिए 171 रन बनाने थे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम को फाजिल्का के गेंदबाजों ने शुरुआती दौर में लगातार झटके दिए। विकेट गिरने के कारण लुधियाना की रन गति पर दबाव बढ़ता गया। कार्तिक शर्मा ने पारी को संभालने की कोशिश की और 29 गेंदों पर 32 रन बनाए, लेकिन लुधियाना लगातार विकेट गंवाती रही।लुधियाना की पारी एक समय मुश्किल में नजर आ रही थी, लेकिन कृष्ण भगत और माधव पथानिया ने मुकाबले का रुख बदल दिया। दोनों बल्लेबाजों ने फाजिल्का के गेंदबाजों पर जोरदार हमला बोलते हुए महज 29 गेंदों में नाबाद 61 रन की साझेदारी कर दी। माधव पथानिया ने सिर्फ 16 गेंदों पर नाबाद 37 रन बनाए, जबकि कृष्ण भगत 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों की आक्रामक बल्लेबाजी ने लुधियाना को दोबारा मुकाबले में ला खड़ा किया और आखिरी ओवर में जीत की उम्मीद जगा दी।

लुधियाना को अंतिम छह गेंदों पर 19 रन की जरूरत थी। मुकाबला आखिरी गेंद तक पहुंच गया। लायंस के पास अंतिम गेंद पर जीत हासिल करने का मौका था, लेकिन छह रन की जरूरत के बावजूद पथानिया केवल चौका ही लगा सके। इस तरह लुधियाना की टीम जीत से एक रन दूर रह गई। फाजिल्का फाल्कंस ने 170 रन के स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए एक रन से रोमांचक जीत दर्ज की। मुकाबले में गिल की विस्फोटक शुरुआत से लेकर आखिरी गेंद तक चले रोमांच ने दर्शकों को बांधे रखा।

250 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए ईशान

दलीप ट्रॉफी फाइनल में दोहरा शतक

चेन्नई, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन की कप्तानी कर रहे ईशान किशन ने दूसरे दिन बेहतरीन दोहरा शतक जड़ा। यह दलीप ट्रॉफी में उनका पहला दोहरा शतक और प्रथम श्रेणी में उनका दूसरा दोहरा शतक है। पहले दिन शतक लगाकर नाबाद रहे ईशान ने दूसरे दिन भी कमाल की बल्लेबाजी की और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। ईशान 301 गेंद में 27 चौके और सात छक्के की मदद से 250 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्होंने करीब 100 ओवर बल्लेबाजी की। 31वें ओवर में वह बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और 131वें ओवर में रिटायर्ड हर्ट हुए। ईशान किशन की कहानी इस समय सिर्फ एक शानदार पारी की कहानी नहीं है, बल्कि गिरने के बाद पहले से ज्यादा मजबूती से लौटने की कहानी है। जिस खिलाड़ी का नाम कभी टीम इंडिया की रेस से दूर होता दिखा, वही अब घरेलू क्रिकेट में कप्तानी कर रहा है, रन बरसा रहा है और हर मौके को अपने बल्ले से जवाब में बदल रहा है। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन की कमान संभालते हुए किशन ने एक और बेहतरीन शतक जड़कर बता दिया कि कमबैक सिर्फ हुआ नहीं है, बल्कि अपने अलग ही स्तर पर पहुंच चुका है। ईशान का जन्म बिहार के पटना में जुलाई 18, 1998 को हुआ था। हालांकि, वह घरेलू क्रिकेट झारखंड के लिए खेलते हैं।

दिसंबर 2023 में क्या हुआ

दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चुने गए ईशान किशन ने अचानक अपना नाम वापस ले लिया था और खेलने से मना कर दिया था। तब उनकी काफी किरकिरी हुई थी। ईशान किशन ने निजी कारणों का हवाला देते हुए चयनकर्ताओं से ब्रेक मांगा। इसके बाद उन्हें केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया।यह फैसला इसलिए चौंकाने वाला था क्योंकि एक साल पहले ही उन्होंने वनडे क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा था और ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में वह भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज थे। इसके बाद दो साल तक ईशान राष्ट्रीय टीम की योजनाओं से बाहर नजर आए।

सैयद मुश्ताक अली से कमबैक?

ईशान किशन ने जल्द ही अपनी लय पकड़ ली और घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाने लगे। 2025 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वापसी करते हुए उन्होंने घरेलू टूर्नामेंट्स में खूब रन बनाए। दिसंबर 2025 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर ईशान किशन ने जोरदार वापसी की। उन्होंने झारखंड को उसका पहला एसएमएटी खिताब दिलाया। ईशान ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए और करीब 197 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। यही प्रदर्शन उन्हें 2026 टी20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम तक ले गया। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद से ईशान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है और उनकी क्रिकेट लाइफ फिलहाल चौथी गीयर में चल रही है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में कमाल किया

दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईशान किशन 250 रन बनाकर थकान के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्होंने ईस्ट जोन के मध्यक्रम को बखूबी संभाला। फाइनल में उन्होंने शिखर मोहन के साथ चौथे विकेट के लिए 94 रन, फिर कुमार कुशाग्र के साथ 230 रन की साझेदारी की और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। फिर अनुकूल रॉय के साथ छठे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी निभाई। इस दौरान उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 4000 रन भी पूरे किए। ईशान बड़े मैचों के प्लेयर कहलाने लगे हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक 2025 के फाइनल में 49 गेंद में 101 रन बनाए थे और झारखंड को खिताब दिलाया था। फिर भारत के लिए टी20 विश्वकप 2026 के फाइनल में अर्धशतक जमाया और अब दलीप ट्रॉफी में भी अपना प्रभाव छोड़ा है।इतना ही नहीं उन्हें चेपॉक भी खूब रास आ रहा है। यह वही चेपॉक है जहां आईपीएल 2026 में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 47 गेंद में 70 रन की पारी खेली थी और जीत दिलाई थी। जीत के बाद उन्होंने चेन्नई के फैंस को घर जाने का इशारा किया था। हालांकि, आज वही चेपॉक और वहां मौजूद फैंस ईशान के लिए बैनर-पोस्टर लेकर पहुंचे और उनका समर्थन करते दिखे।

टीम इंडिया में वापसी के बाद ईशान ने क्या किया

असफलताओं से डरने के बजाय ईशान ने उन्हें चुनौती की तरह लिया। टीम इंडिया में वापसी करते ही उन्होंने शतक जड़ दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्होंने तिरुवनंतपूरम में 43 गेंद में 103 रन की पारी खेली। फिर टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और 40 गेंद में 77 रन बनाए।फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ ईशान ने 25 गेंद में 54 रन की तूफानी पारी खेली। वह टी20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे और जीत में अहम भूमिका भी निभाई। इसके बाद आईपीएल 2026 में ईशान ने 182.4 के स्ट्राइक रेट से 602 रन बनाए। आईसीसी की रैंकिंग में टी20 अंतरराष्ट्रीय के नंबर एक बल्लेबाज बने।और अब अपनी कप्तानी में ईस्ट जोन को दलीप ट्रॉफी के फाइनल तक पहुंचाया। ईशान ने न सिर्फ बेहतरीन बल्लेबाजी की है, बल्कि कप्तान के तौर पर भी शानदार दिखे हैं। सही फैसले लिए, सही मौकों पर सही गेंदबाज को लगाया, अच्छी फील्डिंग सेट की। यह खूबी बताती है कि बतौर लीडर भी वह उतने ही अच्छे हैं, जितनी उनकी बल्लेबाजी है।

मोहम्मद शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद मत करो

● पूर्व भारतीय बॉलिंग कोच ने सेलेक्टर्स और हेड कोच से लगाई गुहार

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बॉलिंग कोच भरत अरुण ने चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर से मोहम्मद शमी के लिए भारतीय टीम के दरवाजे खुले रखने की अपील की है। अरुण का कहना है कि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद सेलेक्टर्स ने इस अनुभवी तेज गेंदबाज को बहुत जल्दी नजरअंदाज कर दिया। शमी ने में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद से टीम इंडिया के लिए कोई मैच नहीं खेला है। जहां प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और गुरनूर बरार जैसे युवा तेज गेंदबाज सभी प्रारूप में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं वहीं शमी घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लगातार प्रभावित कर रहे हैं और अभी अपना 100वां फर्स्ट-क्लास मैच खेल रहे हैं।

शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद नहीं करनी चाहिए

भरत अरुण ने नेशनल टीम में मोहम्मद शमी की वापसी का समर्थन किया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए अरुण ने कहा कि जब तक शमी अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं तब तक उम्र उनके सिलेक्शन में रुकावट नहीं बननी चाहिए। अरुण ने कहा कि उन्हें शमी के लिए दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए थे। उनमें अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है। जब कोई अच्छा प्रदर्शन कर रहा हो तो उम्र कोई मायने नहीं रखती। आप उनकी फिटनेस और लंबे समय तक खेलने की क्षमता को देखिए। शमी ने 2025-26 रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए सात मैचों में 16.72 की औसत से 37 विकेट लिए और उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी के सात मैचों में भी 24.53 की औसत से 15 विकेट लिए थे। अरुण ने शमी के 100वां फर्स्ट क्लास मैच खेलने को लेकर कहा कि यह शमी के लिए बहुत सही है। रेड बॉल के साथ 100 फर्स्ट-क्लास मैच खेलना जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है। उन्हें बॉलिंग करना पसंद है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे नेट्स में बॉलिंग कर रहे हैं या मैच के दौरान। आप उन्हें रेड बॉल दें या कोई भी बॉल दें वे अपना रन-अप लेंगे और बॉलिंग शुरू कर देंगे।

रिंकू की टीम ने भुवी की लखनऊ को 94 रनों से हराया

नई दिल्ली। रिंकू सिंह की अगुआई वाली मेरठ मेवरिक्स ने रविवार (6 सितंबर) को भुवनेश्वर कुमार की अगुआई वाली लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराकर यूपी टी20 लीग 2026 का खिताब जीता। मेरठ ने दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले 2024 में माधव कौशिक की कप्तानी में मेरठ ने पहले सत्र का खिताब जीता था। 2025 में भी टीम फाइनल खेली थी।

मेरठ मेवरिक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिव्यांश जोशी की शतक की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 203 रन बनाए। इसके जवाब में लखनऊ फॉल्कंस की टीम 16 ओवर में 109 रन पर आउट हो गई। मेरठ के लिए विशाल चौधरी ने 4 विकेट झटके। इस तरह मेरठ ने लखनऊ की टीम से क्वालिफायर-1 में हार का बदला भी ले लिया।

अभिनंदन सिंह ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए- स्वास्तिक चिकारा ने 14 गेंदों पर 18 रन बनाए, जबकि ऋतुराज शर्मा ने 17 गेंदों पर 24 रन बनाए। अक्षय दुबे ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। यश गर्ग 21 गेंदों पर 16 रन बनाकर नॉट आउट रहे। लखनऊ फाल्कंस के लिए अभिनंदन सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने चार ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, विप्रज निगम और अजीत वर्मा ने एक-एक विकेट लिया।

दिव्यांश जोशी ने 40 गेंद पर ठोके 105 रन

मेरठ मेवरिक्स के लिए दिव्यांश जोशी ने सिर्फ 40 गेंदों पर 12 चौकों और 7 छक्कों की मदद से जबरदस्त 105 रनों की पारी खेली। उनकी जबरदस्त पारी 262.5 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई, जिसने मेवरिक्स को 200 के स्कोर के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मेरठ ने पूरी पारी में 10.2 रन प्रति ओवर के रनरेट से रन बनाए रखा। इससे लखनऊ फाल्कंस के सामने मुश्किल लक्ष्य रखा।

भारत को 2021 में हराने के बाद शुरू हुई बर्बादी

● पाकिस्तानी टीम की बदहाली पर बोले मोहम्मद यूसुफ

नई दिल्ली। मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बदहाली का कारण 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली जीत को बताया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पांच साल पहले भारत के खिलाफ मिली 10 विकेट की जीत का पाकिस्तान टीम पर बुरा असर पड़ा। खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। हर कोई पाकिस्तान का कप्तान बनने के बारे में सोचने लगा। मोहम्मद यूसुफ ने समा टीवी पर कहा, '2021 में भारत के खिलाफ जो मैच हमने जीता, उससे हमें बहुत नुकसान हुआ। क्योंकि उस जीत के बाद खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें आगे क्या करना है। जब आप अच्छा परफॉर्म कर रहे हों, तो आपको विनम्र रहना चाहिए।

क्या सांप और कछुए की अंगूठी एक साथ पहन सकते हैं

कछुआ और सर्प की अंगूठी काफी लोग धारण करते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, इन्हें पहनने का विशेष महत्व और लाभ बताया गया है। लेकिन क्या इन्हें एक साथ पहना जा सकता है? क्या इनका संबंध ग्रहों से भी होता है और कछुए और सांप की अंगूठी पहनने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? सांप और कछुए की अंगूठी को पहनने के कई लाभ माने जाते हैं। आपने कई लोगों को अपने आसपास सर्प या कछुए की आकृति वाली अंगूठी धारण किए भी देखा होगा। कुछ लोग इन्हें एक साथ भी धारण करते हैं और कुछ जातक इनमें रत्न लगवाकर धारण करते हैं। लेकिन क्या कछुए और सांप की अंगूठी एक साथ पहन सकते हैं और क्या ये किसी ग्रह से संबंधित होते हैं? किसी भी अंगूठी को यूं ही कहीं देखकर या अपनी राशि के अनुसार स्वयं नहीं धारण करना चाहिए। इसके लिए रत्न और उससे संबंधित ग्रहों की स्थिति को कुंडली में देखना आवश्यक होता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि क्या सांप और कछुए की अंगूठी को एक साथ पहन सकते हैं और इन्हें धारण करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सांप और कछुए की अंगूठी एक साथ पहननी चाहिए या नहीं?

दोनों अंगूठियों का अलग-अलग महत्व होता है और इन्हें बिना कुंडली दिखाए किए व बिना सलाह के धारण नहीं करना चाहिए। विशेषतौर पर अगर दोनों अंगूठियों में रत्न लगे हों, तब दोनों रत्नों के ग्रह उनकी आपसी प्रकृति और जन्मकुंडली में उनकी स्थिति देखना आवश्यक होता है। ऐसे में ज्योतिषी बताते हैं की आकृति के कारण नहीं, बल्कि अंगूठी में लगे रत्न और संबंधित ग्रहों के चलते सावधानी जरूरी होती है। हालांकि, अगर केवल धातु की आकृति वाली अंगूठियां हैं, तो इसे सीधा अशुभ संयोग कहना सही नहीं होगा।

क्या सांप और कछुए की अंगूठी का ग्रहों से संबंध है?

केवल सांप की आकृति को देखकर उसे सीधे राहु या केतु से संबंधित अंगूठी नहीं माना जा सकता है। हालांकि, यदि सांप की अंगूठी में गोमेद लगा हो, तो इसे राहु से संबंधित माना जा सकता है। वहीं, लहसुनिया होने पर केतु की स्थिति देखी जाएगी। इसके अलावा, कछुए को स्थिरता और संरक्षण का प्रतीक माना गया है। लेकिन इसकी आकृति को सीधी एक ग्रह का रत्न नहीं माना जा सकता। अगर अंगूठी में जो रत्न हो उसी रत्न के ग्रह का विश्लेषण किया जाता है।

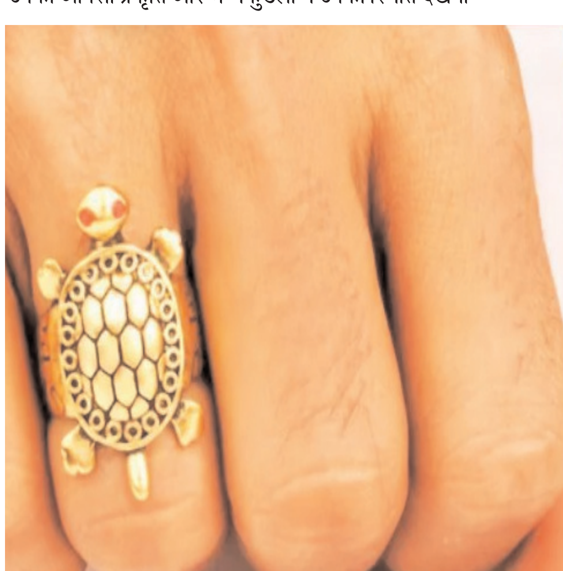

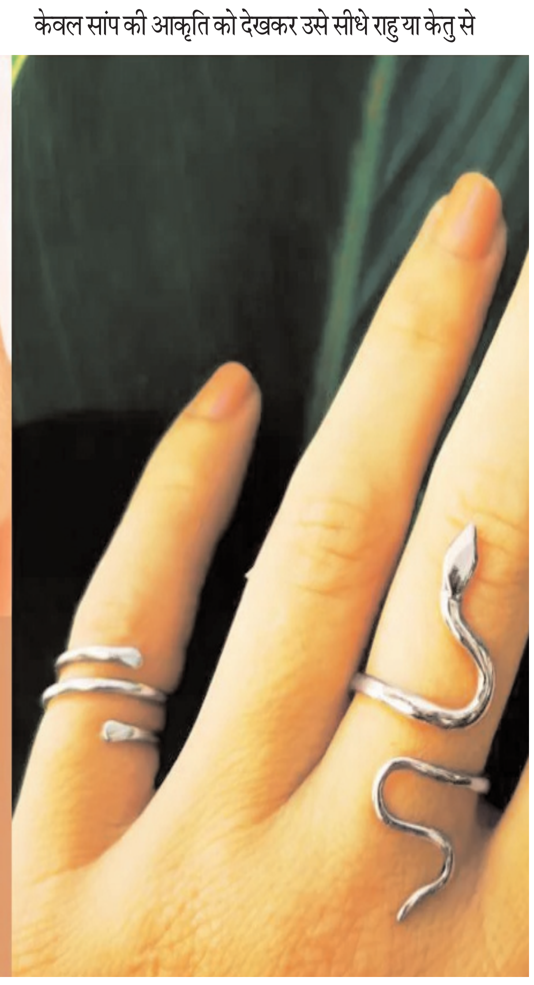

किस दिन और कब कौन-सी अंगूठी धारण करें?

अगर अंगूठी केवल धातु की आकृति वाली है, तो उसके लिए कोई सार्वभौमिक 'ज्योतिषीय दिन' निर्धारित नहीं माना जा सकता है। ज्योतिष एक्सपर्ट पिनाकी मिश्रा बताते हैं कि रत्न वाली अंगूठी में दिन का निर्धारण उससे संबंधित ग्रह और रत्न के अनुसार किया जाता है। जैसे- माणिक्य सूर्य के लिए रविवार, मोती चंद्र के लिए सोमवार, मूंगा मंगल के लिए मंगलवार, पन्ना बुध के लिए बुधवार, पुखराज गुरु के लिए गुरुवार, हीरा/ओपल शुक्र के लिए शुक्रवार और नीलम शनि के लिए शनिवार का दिन शुभ माना जाता है। ऐसे में केवल 'सांप वाली अंगूठी शनिवार' या 'कछुए वाली अंगूठी गुरुवार' कहना पर्याप्त नहीं है।

इन बातों का रखें ख्याल

केवल अपनी राशि के अनुसार कोई भी रत्न या अंगूठी धारण नहीं करनी चाहिए। साथ ही, सांप की आकृति को स्वतः राहु या केतु का प्रतीक और कछुए की आकृति को शनि का रत्न भी नहीं मानना चाहिए। भूलकर भी कई शक्तिशाली रत्न को बिना कुंडली दिखाए एक साथ नहीं धारण करना चाहिए। सांप और कछुए की अंगूठी एक साथ पहनना से अशुभ फल मिलेगा, ऐसा करना उचित नहीं होगा। आप किसी कुशल ज्योतिषी को अपनी कुंडली दिखाकर इन्हें धारण कर सकते हैं या इन आकृति की अंगूठियों में रत्न लगवा सकते हैं। इन्हें धारण करने के लिए यह देखना जरूरी है कि धातु क्या है, रत्न कौन-सा है, किस ग्रह से संबंधित है और उस ग्रह की स्थिति जन्मकुंडली में क्या है। आकृति, धातु, रत्न और जन्मकुंडली, इन चारों को अलग-अलग समझना जरूरी होता है।

पूजा घर में भगवान की मूर्तियां आमने-सामने रखने से क्या होता है?

घर के मंदिर में भगवान की मूर्तियों को गलत तरीके से या गलत दिशा में रखने से घर की सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बाधित हो सकता है। साथ ही, यह गृह क्लेश, तनाव और बाधाओं का कारण बन सकता है। ऐसे में मंदिर से जुड़ी कुछ गलतियां भूले से भी नहीं करनी चाहिए। चलिए विस्तार से जानें पूजा घर से जुड़े जरूरी वास्तु नियम।वास्तुशास्त्र में मंदिर को घर का सबसे पवित्र स्थान और ध्यान का केंद्र माना गया है। यहां हम सुबह-शाम भगवान की उपासना और ध्यान करते हैं। लेकिन अगर वास्तु के अनुसार घर का मंदिर न हो तो इससे प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। कभी भी पूजा घर में भगवान की मूर्तियों को आमने-सामने नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना अशुभ माना जाता है। यह गृह क्लेश और आर्थिक तंगी का भी कारण बन सकता है। मूर्तियों को गलत दिशा या स्थान पर रखने से घर की ऊर्जा का प्रवाह बाधित हो सकता है। चलिए विस्तार से जानते हैं कि मंदिर में भगवान की मूर्तियों को आमने-सामने रखने से क्या होता है। साथ ही, पूजा घर के महत्वपूर्ण नियम भी पढ़ें।

भगवान की मूर्तियां आमने-सामने क्यों नहीं रखनी चाहिए?

ऊर्जाओं का टकराव : शास्त्रों के अनुसार, हर भगवान की मूर्ति से एक विशेष प्रकार की सकारात्मक ऊर्जा निकलती है। ऐसे में अगर दो मूर्तियों को आमने सामने रख दिया जाए, तो इससे उनकी ऊर्जा आपस में टकराती है। इसी के प्रभाव से घर के मंदिर की शांति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही, परिवार में तनाव औक क्लेश बढ़ने का आशंका बनी रहती है।

ध्यान और पूजा पर प्रभाव : मंदिर में पूजा करते समय साधक का ध्यान एकाग्र होना चाहिए। वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि देवी-देवताओं का मुख आमने-सामने होने से साधक की दृष्टि एक मुख पर केंद्रित नहीं हो पाती है।

आर्थिक स्थिति पर प्रभाव : वास्तुशास्त्र के अनुसार, मूर्तियों को आमने-सामने रखने से या एक ही भगवान की कई सारी प्रतिमा एक साथ रखने से घर में पैसों की कमी हो सकती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों के बीच तनाव, चिंता और परेशानियां बढ़ सकती हैं।

पूजा घर के महत्वपूर्ण नियम

सही दिशा : वास्तु के अनुसार, घर में मंदिर सही दिशा में होना सबसे आवश्यक है। पूजा घर हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही होना चाहिए। वहीं, मूर्तियों का मुख पश्चिम या पूर्व दिशा में होना चाहिए। ऐसा करने से पूजा करते समय आपका मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रहेगा। ध्यान रखें कि दक्षिण दिशा की ओर गलती से भी देवताओं का मुख नहीं करना चाहिए।

ऐसी रखें मूर्तियां : गृहस्थ मंदिर के लिए मूर्तियों का आकार अंगूठे से लेकर लगभग 6 से 7 इंच से बड़ा नहीं होना चाहिए। देवी-देवताओं की हमेशा सौम्य और आशीर्वाद मुद्रा वाले रूप की मूर्ति को स्थापित करना चाहिए। भूलकर भी उग्र, युद्ध या विनाशकारी स्वरूप घर के मंदिर में स्थापित न करें।

एक देवता की एक प्रतिमा : वास्तु के मुताबिक, घर के मंदिर में एक ही देवता की दो बड़ी मूर्तियां या दो शिवलिंग कभी नहीं रखने चाहिए। साथ ही, खंडित प्रतिमा या सूखे फूलों को तुरंत मंदिर से हटाकर विसर्जित कर दें।

कहां न रखें मंदिर : कभी भी मंदिर को सीढ़ियों के नीचे, बेसमेंट या बाथरूम के पास वाली दीवार से चिपकाकर नहीं रखना चाहिए। न ही ऐसे स्थानों पर पूजा घर का निर्माण करवाना चाहिए। घर के मंदिर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप अपने आलस को अपने ऊपर हावी होने न दे। लंबे समय से रुकी हुई योजनाएं पूरी हो सकती हैं। आपको अपनी वाणी व व्यवहार में स्पष्टता बनाए रखनी होगी और खर्चों के साथ-साथ आपको बचत पर भी पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं और आपकी संतान आपसे किसी चीज की फरमाइश करेगी, जिसको आप पूरा अवश्य करेंगे।

वृषभ आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का आपको मौका मिलेगा। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपका सामाजिक दायरा भी बढ़िया रहेगा। भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है।

मिथुन आज आपको जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचना होगा। सुख साधनों में वृद्धि होगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। कार्यक्षेत्र में काम को लेकर कोई सलाह बहुत ही सोच समझ कर लेनी होगी, क्योंकि आपके विरोधी आज मित्र बन सकते हैं। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे और कोई बड़ा काम मिलने से आपको टीमवर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा। आपकी कला व कौशल में निखार आएगा।

कर्क आज आप अपने घर की साज-सज्जा पर अच्छा खासा खर्च करेंगे, लेकिन इनकम थोड़ी सी कम रहेगी। आपको परिवार में किसी सदस्य की कोई बात बुरी लग सकती है। संतान के मन में चल रही उलझनों को जानने की कोशिश करें और आपके परिवार का कोई सदस्य आज आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकता है। आप अपनी माताजी से काम को लेकर सलाह ले सकते हैं। आपकी सेहत में भी उतार-चढ़ाव लगा रहेगा।

सिंह आज आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे। व्यस्तता अधिक रहेगी और आपका मनोबल भी ऊंचा रहेगा। आपको किसी शुभ व कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आपका वाहन की खराबी के कारण खर्चा बढ़ सकता है। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचानने की आवश्यकता है। आर्थिक दृष्टिकोण से किए गए प्रयास बेहतर रहेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को आज साथी से बार-बार मिलने का मन करेगा।

कन्या आज आपके अंदर प्रेम व सहयोग की भावना बनी रहेगी। आप कुछ कानूनी मामलों में निर्णय थोड़ा धैर्य रख कर ले और आपको बेवजह की भागदौड़ लगी रहेगी। आप अपने किसी मित्र के लिए आप कुछ रुपये का इंतजाम भी कर सकते हैं। आपको अपनी माताजी की सेहत को लेकर उनके कुछ टेस्ट आदि करने पड़ सकते हैं। आज आप जीवनसाथी के साथ मिलकर कुछ पारिवारिक मामलों को निपटाएंगे और उन्हें शॉपिंग आदि पर भी लेकर जा सकते हैं।

तुला आज आप किसी बड़े लक्ष्य पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे, जिसके लिए आप पूरी मेहनत से करेंगे। किसी नए काम की शुरुआत भी आप कर सकते हैं। आध्यात्मिक के कार्यो में आपकी काफी रुचि रहेगी। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा, लेकिन आपको किसी राजनीतिक पार्टी से बुलावा आ सकता है। आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो आप उसे पूरा करने की भी पूरी कोशिश करेंगे।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए वाणी व व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा। बिजनेस करने वाले जातकों को अपनी इनकम को बढ़ाने के मौके मिलेंगे। आज आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपनी अच्छी सोच का लाभ मिलेगा। आपसे यदि कार्य क्षेत्र में किसी काम में कोई गड़बड़ी हुई थी, तो उसके लिए आपको अपने बॉस से डांट खानी पड़ सकती है। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकटा होगा।

धनु आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपके घर किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। जीवन साथी से यदि किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था, तो वह भी दूर होगा। आपको एक दूसरे को बेहतर जानने का मौका मिलेगा। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे काम के लिए कोई पुरस्कार मिल सकता है। आपका बिजनेस के कामों में बदलाव आने से आपका मन काफी खुश रहेगा।

मकर आज का दिन आपके लिए सेहत में उतार-चढ़ाव लेकर आने वाला है। आप किसी से भी कटु वचन ना बोले और वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। वरिष्ठ सदस्यों से आप काम को लेकर सलाह ले सकते हैं। यदि आप कुछ खर्च करे, तो आपको अपनी इनकम को ध्यान में रखकर खर्च करना बेहतर रहेगा। पिताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं। आपको वरिष्ठ सदस्यों की बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कुंभ आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपका धन यदि अटका हुआ था, तो वह भी आपको मिल सकता है, जो आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती देगा। आप किसी धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे। बिजनेस में आपको अच्छा लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मीन आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। बिजनेस को लेकर यदि आप कोई बदलाव करना चाहते थे, तो वह आप कर सकते हैं। पार्टनर की इसमें आपको पूरी सहमति मिलेगी, लेकिन आप अपने दिल के बजाय दिमाग से कभी कोई निर्णय ले। जीवनसाथी के साथ मिलकर आप संतान के करियर को लेकर बातचीत कर सकते हैं, जो विद्यार्थी सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, वह अपनी मेहनत में तेजी लाएंगे। आपके परिवार के किसी सदस्य को किसी सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. ए.के. द्विवेदी को अंतरराष्ट्रीय होम्योपैथिक जर्नल के संपादकीय मंडल में मिली जिम्मेदारी

भोपाल। होम्योपैथी चिकित्सा, शोध और जनजागरूकता के क्षेत्र में मध्य प्रदेश के लिए यह गौरवपूर्ण उपलब्धि है कि प्रो. (डॉ.) अश्विनी कुमार द्विवेदी कोइंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ होम्योपैथिक केस रिपोर्ट्स के संपादकीय मंडल में वर्ष 2026 से 2031 तक के लिए सदस्य नियुक्त किया गया है। डॉ. ए.के. द्विवेदी वर्ष 2015 से लगातार केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार से जुड़े हुए हैं और देश में होम्योपैथी के क्षेत्र में होने वाले शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। जर्नल के संपादकीय मंडल में उनकी नियुक्ति उनके अकादमिक एवं शोध कार्यों के मूल्यांकन के बाद हुई है। इस जिम्मेदारी के तहत वे शोध-पत्र, समीक्षा लेख और रोग-प्रकरण रिपोर्ट के मूल्यांकन सहित शोध कार्यों से जुड़े चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने में योगदान देंगे। डॉ. ए.के. द्विवेदी के अनुसार, यह उपलब्धि व्यक्तिगत सम्मान के साथ-साथ मध्य प्रदेश की होम्योपैथी चिकित्सा और शोध के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर है। इसका समुचित लाभ सम्पूर्ण प्रदेश के होम्योपैथी चिकित्सा संस्थानों से जुड़े चिकित्सकों, शिक्षकों एवं छात्रों को मिलेगा। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध कार्य से जुड़ने और अपने शोध को व्यापक मंच तक पहुंचाने के अवसर मिलेंगे। डॉ. द्विवेदी द्वारा चलाए जा रहे एनीमिया जागरूकता अभियान को मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। अभियान के माध्यम से एनीमिया, पोषण, संतुलित खान-पान और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान की सराहना करते हुए प्रदेश के अन्य जिलों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की मांग और सुझाव सामने आ रहे हैं। इससे एनीमिया के प्रति जनजागरूकता को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। डॉ. द्विवेदी की शोध, चिकित्सा शिक्षा और जनजागरूकता से जुड़ी गतिविधियों को प्रदेश में होम्योपैथी के विकास की दिशा में सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

समाप्ति की ओर किसान आंदोलन? मंत्रियों के साथ सकारात्मक बातचीत के बाद मोर्चे को लेकर लेंगे फैसला

मोहाली, एजेंसी। मोहाली-चंडीगढ़ बार्डर पर पिछली 1 सितंबर से चल रहा किसानों का धरना सोमवार को 7वें दिन में पहुंच गया है। इससे पहले रविवार को पंजाब सरकार के दो मंत्रियों व किसान नेताओं के बीच मीटिंग पंजाब भवन चंडीगढ़ में हुई। सूत्रों के अनुसार मीटिंग पाजिटिव रही और कई मांगों को जो पंजाब सरकार के तहत पूरी हो सकती है उनमें से कई को मान लिया गया। सरकार की ओर से कृषि मंत्री गुरमीत सिंह मुंडिया और सेहत मंत्री डॉ. बलबीर सिंह मीटिंग में हाजिर हुए जबकि किसानों की कई जत्थेबंदियों के नेता पहुंचे। सरकार की ओर से किसानों को आश्वासन । गया कि एक महीने के अंदर विधान सभा का विशेष सत्र बुला कर पानी के मसले पर बात की जाएगी।बाकी केंद्र से पूरी होने वाली मांगों को लेकर केंद्र से बातचीत का आश्वासन मंत्रियों ने किसान नेताओं को दिया। सोमवार को किसान जथेबन्दीयों के नेता आपस में मीटिंग करेंगे। उसके बाद स्टेज से सरकार-किसानों के बीच हुई मीटिंग के बारे बताया जाएगा। इस दौरान पंजाब सरकार का कोई नुमाइंदा जो मांगों को पंजाब सरकार ने माना है उसका लिखित मसौदा लेकर मोर्चे में पहुंच सकता है। कुल मिला कर आज बार्डर पर लगा किसानों का मोर्चा खत्म हो सकता है। किसान नेता राकेश टिकैत रविवार को किसान मोर्चे में पहुंचे। लेकर सेक्शन 78,79,80 रद्द करने, किसानों का पूरा कर्ज़ माफ़ करने, फसलों का दाम स्वामीनाथन रिपोर्ट के हिसाब से तय करने, बिजली बिल 2025 और बीज बिल 25 वापस लेने, गन्ने का दाम 500 रुपये प्रति क्विंटल करने, लैंड पुलिंग स्कीम रद्द करने सहित कई अन्य मांगों को लेकर मोहाली में पक्का मोर्चा लगाया गया है। किसान नेताओं और प्रशासन से बातचीत के बाद किसानों ने 1 से 7 सितंबर तक मोहाली से चंडीगढ़ जाने वाली मुख्य सड़क की एक तरफ मोहाली बार्डर पर लगाया है। मोर्चे में पंजाब भर से पहुंचे किसानों की ट्रैक्टर-ट्रालियां खड़ी करने में जगह न मिलने कारण किसानों ने सड़क की दूसरी तरफ भी ट्रालियां खड़ी कर दी है।

यमन में फिर भड़की जंग: हूतियों और सेना में भीषण लड़ाई, चार दिन में 117 लोगों की हुई मौत

एडेन, एजेंसी। पश्चिमी प्रांतों ताइज और होदेइदाह में यमनी सरकारी सेना और हूती समूह के बीच चार दिनों से भीषण झड़प चल रही है। इसमें अबतक कम से कम 117 लोग मारे गए हैं। यह जानकारी मेडिकल अधिकारियों ने दी। पश्चिमी तट के मोर्चे पर सरकारी सेना के साथ मौजूद एक वरिष्ठ मेडिकल अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर शिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि गुरुवार को लड़ाई शुरू होने के बाद से सरकारी सेना के 54 सैनिक मारे गए हैं। कई अन्य घायल हुए हैं। वहीं, पश्चिमी होदेइदाह प्रांत में हूती -नियंत्रित अस्पतालों के दो मेडिकल सूत्रों ने बताया कि इसी दौरान हूती समूह के 63 सदस्य मारे गए, जिससे दोनों पक्षों की कुल मरने वालों की संख्या 117 हो गई।

देर रात जुबली हिल्स इलाके के एक होटल में मारपीट

हैदराबाद के पब में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प, 2 घायल; पुलिस ने दर्ज किए तीन मामले

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के जुबली हिल्स में एक पब में दो गुटों के बीच मारपीट हो गई। इस झड़प के दौरान दो लोग घायल हो गए और पब व पार्किंग में खड़े वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा।

पुलिस ने मारपीट करने वाले दोनों गुटों और तय समय सीमा के बाद पब का संचालन करने वाले प्रबंधन ('कारा कारा' पब) के खिलाफ कुल तीन अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना शनिवार की देर रात जुबली हिल्स इलाके के एक होटल में मौजूद पब में हुई, जब पब के अंदर दोनों गुटों में झड़प हुई तो स्थिति हिंसक हो गई। बहस के दौरान जब पब की संपत्ति में तोड़फोड़ की गई, तो बाउंसरों ने बीच-बचाव किया।हालांकि, जब ये गुट पार्किंग एरिया की ओर बढ़े तो स्थिति फिर से बिगड़ गई। पार्किंग लॉट में बड़ी संख्या में लोग हिंसक झड़प करते देखे गए, जहां खड़ी कारों को नुकसान पहुंचाया गया और लोगों के साथ मारपीट की गई। इस झड़प के दौरान तेलंगाना कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव के भाई अरविंद यादव भी वहां मौजूद थे।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि दो मामले झड़प में शामिल गुटों के खिलाफ दर्ज किए गए, जबकि एक मामला पब 'कारा कारा पब' - के मैनेजमेंट के खिलाफ तय समय के बाद भी पब चलाने के लिए दर्ज किया गया। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें लोगों का एक समूह एक व्यक्ति को धक्का देकर जमीन पर गिराते और बहस के दौरान उसे बार-बार पीटते हुए दिख रहा है।

यूपी में प्रॉपर्टी टैक्स प्रणाली में बड़ा बदलाव, प्रदेश भर में सिर्फ 'ई-नगर सेवा' पोर्टल पर होगा काम

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के सभी निकायों में प्रॉपर्टी टैक्स (संपत्ति कर) निर्धारण और बिल जमा करने की प्रक्रिया बदल दी गई है। इसके साथ ही जलकर, सीवर कर और नामांतरण प्रक्रिया में भी बदलाव हो जाएगा। अभी तक नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में हाउस टैक्स निर्धारण और ल जमा करने के लिए अलग-अलग साफ्टवेयर हैं। जैसे लखनऊ नगर निगम में केंद्र के एनआइसी (नेशनल इनफार्मेशन सेंटर) पर काम होता है तो अन्य निकायों में एनआइसी से जुड़े साफ्टवेयर पर प्रॉपर्टी टैक्स के निर्धारण से लेकर बिल जमा हो रहे हैं।

शासन ने चार सितंबर को आदेश जारी कर नगरीय निकायों के पृथक ऑनलाइन प्रॉपर्टी टैक्स प्रक्रिया को बंद करने को कहा है। अब नए आदेश से सरकारी ई-नगर सेवा पोर्टल का उपयोग होगा। इस आदेश के बाद सभी निकायों में प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़े डाटा को ट्रांसफर की प्रक्रिया चालू हो गई है जिसमें 10 से 15 दिन लग सकते हैं। वैसे अभी तक सभी निकायों में ट्रेड लाइसेंस से लेकर अन्य पंजीकरण व टैक्स जमा करने का काम ई-नगर सेवा पर ही हो रहा है, सभी व्यवस्था को सरकारी पोर्टल पर लाकर पारदर्शी बनाए जाने का प्रयास है। इससे डाटा के लीक होने की संभावनाएं नहीं रहेंगी। स्थानीय निकाय निदेशालय के निदेशक अनुज कुमार झा की तरफ से चार सितंबर को सभी नगर आयुक्तों, नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी को भेजे आदेश में कहा गया है कि निकाय अलग से ऑनलाइन प्रॉपर्टी टैक्स के साफ्टवेयर को बंद कर दें और संबंधित अभिलेख, डाटा, सेवा संबंधी सूचनाएं ई-नगर सेवा पोर्टल एकीकृत प्रणाली से संचालित की जाए। साथ ही नागरिकों को भी जागरूक किया जाए कि वह भी ई-नगर सेवा पोर्टल एकीकृत प्रणाली का ही उपयोग करेंगे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का ऑफिस शिफ्ट करने को 6.17 करोड़ रुपये आवंटित, आरटीआई में खुलासा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को सचिवालय से स्थानांतरित कर नामक्कल कविंगर मलिगाई की 10वीं मंजिल पर ले जाने के लिए 6.17 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। यह जानकारी सूचना के अधिकार के तहत सामने आई है। सार्वजनिक (भवन) विभाग ने 23 अगस्त को दायर एक आरटीआई आवेदन के जवाब में यह आधिकारिक खुलासा किया है। सार्वजनिक सूचना अधिकारी और कार्यकारी अभियंता द्वारा दिए गए जवाब के अनुसार, सीएमओ के स्थानांतरण और संबंधित निर्माण कार्यों के लिए 6.17 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि मंजूर की गई है। इस वित्तीय आवंटन के सामने आने के बाद से राज्य सचिवालय परिसर के भीतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर होने वाले खर्च को लेकर सवाल उठने लगे हैं। दूसरी ओर, विपक्षी नेताओं के हमलों और कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर राज्य के मंत्री अरुण राज ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री विजय विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन और अन्य विधायकों द्वारा उठाए गए सभी सवालों के जवाब खुद देंगे। उन्होंने वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था के बिगड़ने के सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अरुण राज ने उदयनिधि स्टालिन की उन टिप्पणियों की भी तीखी आलोचना की, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि द्रमुक शासन के दौरान कानून-व्यवस्था बेहतर थी।

गोदामों से 4 लाख की दवाएं जब्त

बेंगलुरु हॉकी क्लब में मिलीं एक्सपायर्ड ड्रिंक्स

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के दो बिना लाइसेंस वाले स्टोरेज गोदामों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ?4,02,352 मूल्य की दवाएं जब्त की हैं। विभाग के अनुसार, यह कार्रवाई नियमों के गंभीर उल्लंघन और बिना वैध ड्रग लाइसेंस के दवाओं के अवैध भंडारण एवं वितरण से जुड़ी सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। इस सिलसिले में पहली छापेमारी अनेकल तालुक के थट्टानहल्ली स्थित मेसर्स अमेजन सेलर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के परिसर में की गई। राज्य खुफिया शाखा के सहायक औषधि नियंत्रक मनोहर के नेतृत्व में अधिकारियों ने यहां से ?2,45,352 मूल्य की दवाएं जब्त कीं।

वहीं, दूसरी कार्रवाई देवनहल्ली के एयरोस्पेस स्थित अमेजन केंद्र पर की गई, जहां बैंगलोर ग्रामीण की औषधि निरीक्षक विभा के नेतृत्व में टीम ने बिना लाइसेंस वाले परिसर से ?1,57,000 की दवाएं बरामद कीं। विभाग ने इसे अवैध दवा भंडारण के खिलाफ त्वरित और समन्वित कार्रवाई बताया है। इस मामले में अमेजन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। औषधि जब्ती के अलावा, खाद्य सुरक्षा विभाग ने शनिवार को ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी क्षेत्र के तहत आने वाले बेंगलुरु हॉकी क्लब का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों को क्लब परिसर में खाद्य सुरक्षा, लेबलिंग, स्वच्छता और कीट नियंत्रण से जुड़े गंभीर उल्लंघन मिले। निरीक्षण के दौरान क्लब के स्टोर में 40 बोतलें एक्सपायर्ड सॉफ्ट ड्रिंक्स की पाई गईं। इसके साथ ही, वहां रखी सोडा की बोतलों पर एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार लेबल नहीं लगे थे। रिपोर्ट में भोजन पकाने और भंडारण क्षेत्रों में भारी अस्वच्छता दर्ज की गई। अधिकारियों ने रसोई में कीट-पतंगों का प्रकोप पाया, जिससे खाद्य सामग्री के दूषित होने का गंभीर खतरा बना हुआ था। इन कमियों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रभाग ने सभी एक्सपायर्ड और गैर-मानक लेबल वाले उत्पादों को तुरंत जब्त कर लिया और क्लब के खाद्य व्यवसाय संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया। मानक अधिनियम 2006 तथा लाइसेंसिंग एवं पंजीकरण विनियम 2011 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बांग्लादेश में तेजी से फैल रहा डेंगू, अस्पतालों पर बढ़ा दबाव; इस साल 117 लोगों की मौत

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इस साल अब तक 42,590 लोग अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं और 117 लोगों की मौत हो चुकी है। सितंबर महीने में मामलों में आए अचानक उछाल ने अस्पतालों पर भारी दबाव डाल दिया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि आने वाले हफ्तों में यह मच्छर जनित बीमारी और भी गंभीर रूप ले सकती है। बांग्लादेश की स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कम से कम 4 डेंगू मरीजों की मौत हुई है और 1,558 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जो इस साल एक दिन में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

डेंगू एक ऐसी बीमारी है जो बुखार, गंभीर सिरदर्द और जानलेवा जटिलताओं का कारण बन सकती है। हाल के हफ्तों में इसके मामलों में भारी वृद्धि हुई है, जिसने 2023 में बांग्लादेश में आए अब तक के सबसे घातक डेंगू प्रकोप की चिंताएं फिर से पैदा कर दी हैं।

यह नया संकट ऐसे समय में आया है जब देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पहले से ही खसरे के राष्ट्रव्यापी प्रकोप से जूझ रही है। इस साल खसरे के कारण लगभग 1,000 बच्चों की मौत हो चुकी है, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी दबाव है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सितंबर का महीना अगस्त से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। गौरतलब है कि इस साल अगस्त में ही डेंगू के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे।

जहांगीरनगर विश्वविद्यालय के चिकित्सा कीटविज्ञानी प्रोफेसर कबीरुल बशर ने कहा कि यदि मौजूदा रुझान जारी रहा, तो इस महीने अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 30,000 के पार जा सकती है।

चांद हमारा है: अमेरिकी झंडे के साथ शेयर की तस्वीर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया नया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि चंद्रमा अमेरिका का है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर चंद्रमा की एक तस्वीर पोस्ट की, जिस पर 'चंद्रमा हमारा है' लिखा था। उन्होंने तस्वीर के साथ अमेरिकी झंडा भी लगाया। चंद्रमा की तस्वीर पोस्ट करने से कुछ मिनट पहले, ट्रंप ने अमेरिकी अंतरिक्ष बल की नई काली वर्दी की एआई-जनरेटेड तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने रंगों का वर्णन 'स्पेस ग्रे, मिडनाइट ब्लैक, सिल्वर ग्रे और सैटिन ब्लैक' के रूप में किया। वर्दी में कंधे और कॉलर पर प्रतीक चिन्ह, आस्तीन पर पैच और एक बेल्ट थी। वहीं, ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर ' न्यू अमेरिका' रखने का भी सुझाव दिया। उन्होंने पोस्ट किया, 'कई लोगों ने न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर। न्यू अमेरिका रखने का सुझाव दिया। उस संभावित रूप से अविश्वसनीय राज्य के लोगों के लिए यह कितना अधिक प्रतिष्ठित और सुंदर नाम होगा। वाह, मुझे यह बहुत पसंद आया।' व्हाइट हाउस ने इस विचार का समर्थन किया। एक पोस्ट में 'मेक्सिको' को काटकर उसकी जगह 'अमेरिका' लिखा हुआ दिखाया गया था। न्यू मेक्सिको की गवर्नर मिशेल लुजान ग्रिशम ने फॉक्स न्यूज पर जवाब देते हुए कहा कि राज्य का नाम विवाद का विषय नहीं है यह संयुक्त राज्य अमेरिका के अस्तित्व में आने से पहले से ही हमारा है।' उन्होंने कहा कि ट्रंप ईंधन की बढ़ती कीमतों जैसे मुद्दों से अमेरिकियों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। न्यू मेक्सिको को यह सुझाव देने से पहले एक आदेश जारी किया गया था। कुछ दिन पहले, ट्रंप ने कनाडा के साथ व्यापार विवाद के बीच लेक ओंटारियो का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' करने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने 27 अगस्त को ओवल ऑफिस से इस घोषणा की थी।

किराए के लिए खाली है
1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -
फरीदाबाद जिला में भेदीनजर समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
मोबाइल नम्बर- 9811477204
मोबाइल - 9810229192
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रुपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम
एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम
SONY
एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम
बीस मोबाईल फोन
कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को छपेगा।

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर - 10
फरीदाबाद से प्रकाशित एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा